असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

10 मार्च, 2021

सप्तदश विधान सभा — बुधवार, तिथि 10 मार्च, 2021 (ई॰)
द्वितीय सत्र — 19 फाल्गुन, 1942(शक)

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय - 11:00 बजे पूर्वाह्न)
(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है । अब प्रश्नोत्तर काल होगा ।

श्री ललित कुमार यादव: अध्यक्ष महोदय, पूरे राज्य में सरकार जिस तरह से शराब...

अध्यक्ष: माननीय सदस्य पहले तय कर लें, एक व्यक्ति बोलेंगे ।

(व्यवधान)

ललित जी आप मुख्य सचेतक हैं, बात सुनेंगे, पहले तय करके एक व्यक्ति खड़े होइए । आप दोनों में तय करिए कोई एक व्यक्ति ।

श्री ललित कुमार यादव: महबूब साहब, आप रखिए ।

अध्यक्ष: अच्छा ठीक है एक आदमी बोलिए ।

श्री महबूब आलम: अध्यक्ष महोदय, खगड़िया में छः मजदूरों की मौत हो गई है और यह प्राकृतिक आपदा के कारण नहीं हुई है । महोदय, स्कूल की जो चहारदीवारी है वह भी सरकार की है...

अध्यक्ष: आप कार्य स्थगन दिए हैं । बैठ जाइए ।

श्री महबूब आलम: महोदय, कार्य स्थगन दिए हैं ।

अध्यक्ष: तो आप बैठ जाइए । समय पर बोलिए ।

श्री महबूब आलम: अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि इसको स्वीकृत किया जाय ।

श्री ललित कुमार यादव: अध्यक्ष महोदय, पूरे राज्य में...

अध्यक्ष: महबूब जी, अब आप बैठ जाइये, आपको मौका ये दिए हैं, ललित जी बोल रहे हैं आप बैठ जाइये ।

श्री ललित कुमार यादव: अध्यक्ष महोदय, पूरे राज्य में जिस तरह से समाचार पत्र और न्यूज-18 के चैनल पर चल रहा है कि पूरे शराब का कारोबार सरकार के लोग उसमें संलिप्त हैं, सरकार के पदाधिकारी संलिप्त हैं, सरकार सरकारी दूकानें बंद करके, प्राइवेट संचालन सरकार के माध्यम से हो रहा है । अध्यक्ष महोदय, हम सरकार के इस क्रिया-कलाप से संतुष्ट नहीं हैं, इसलिए हम लोग मांग करते हैं कि सदन को आज स्थगित किया जाय और हम लोग मांग करते हैं कि इस पर सरकार का जो ऑपरेशन हुआ है उसकी जांच होनी चाहिए ।

(व्यवधान)

अध्यक्षः अब सुन लीजिए, आप बोले हैं । ललित जी, आप पहले सुन लीजिए, जब बोले हैं तो बोलने दीजिएगा ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण वेल में आ गए)

महबूब जी, अब सुनिये ।

(व्यवधान जारी)

माननीय सदस्य, सुन लीजिए, आप लोग बोल लीजिए, फिर हम जब बोलेंगे तो सुनना है।

(व्यवधान जारी)

माननीय सदस्य, ललित जी । अब ठीक है देख लिया, अब सुनिये । जब सुनियेगा नहीं तो कैसे हम आपकी बात को बोलेंगे ?

(व्यवधान जारी)

माननीय सदस्य, ललित यादव जी । माननीय सदस्य पहले सुन लीजिए ।

(व्यवधान जारी)

हो गयी आपकी बात, सुन लीजिए माननीय सदस्य । माननीय सदस्य ललित यादव जी ने मांग की है कि सदन स्थगित किया जाए तो क्या सदन स्थगित करने के लिए मांग होती है ?

(व्यवधान जारी)

आपका कार्य स्थगन प्रस्ताव आया है और अभी माननीय सदस्यों के लगभग 261 प्रश्न हैं । अगर सभा पटल पर नहीं आयेगा तो सब वंचित हो जाइयेगा । हम आग्रह करेंगे कि अपना-अपना स्थान ग्रहण करें । कार्य स्थगन के समय विषय रखियेगा, हम उसको सुनेंगे ।

(व्यवधान जारी)

पोस्टर हटा दीजिए । स्थान पर जाकर बोलेंगे तो हम सुनेंगे और वह प्रोसीडिंग में भी जायेगा । देखिए, आपको हम समय देते हैं, आप सुन लीजिए जो इस पर बोलना चाहते हैं हम समय देंगे, दोनों आदमी बोलिए लेकिन स्थान पर जाकर ताकि प्रोसीडिंग में जाय । आप स्थान पर जाइये और जाकर बोलिए । सब स्थान पर जाकर बोलिए, हम समय देंगे और आपका मामला गंभीर है, आपने कहा है कि शराबबंदी सरकार के लोग करा रहे हैं, पदाधिकारी करा रहे हैं ।

श्री ललित कुमार यादवः अध्यक्ष महोदय, शराबबंदी नहीं शराब धड़ल्ले से बिकवा रहे हैं ।

अध्यक्षः हां, तो आप पहले अपने स्थान पर बैठ जाइये, बैठिए । बैठ जाइये, बैठियेगा तब न । महबूब जी, बैठियेगा तब न बोलेंगे । बैठिए, बैठिए । सत्यदेव जी, बैठ जाइये मौका देंगे बोलने का, प्रोसीडिंग में आपकी बात जायेगी । बैठकर बोलियेगा तब न आपकी बात

जायेगी । अपने स्थान पर जाइए । ललित जी और महबूब जी दोनों बोलेंगे । अपने-अपने स्थान पर बैठ जाइए । दोनों दल के नेता हैं, अजीत शर्मा जी भी नेता हैं तीनों आदमियों को दो-दो मिनट बोलने का मौका दिया जाएगा ।

श्री ललित कुमार यादवः अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्षः पहले बैठिए अपने स्थान पर । आप बैठा दीजिए, आप वरीय सदस्य हैं और बिना आपके सहयोग के व्यवस्था बनेगी क्या ? सब लोग बैठ जाइए ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए)

अब बैठ जाइए । सुदय जी बैठिए ।

श्री कुमार सर्वजीतः अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्षः सर्वजीत जी आप बैठ जाइए ।

श्री ललित कुमार यादवः अध्यक्ष महोदय, इन्हीं को बोलने दिया जाय ।

अध्यक्षः आपकी तरफ से इन्हीं को बोलना है, ठीक है । आपको आसन की तरफ से जो भी अनुमति मिल रही है, तो सत्य और तथ्यपरक, जिसकी प्रमाणिकता आपके पास है, उसी बात को रखेंगे ।

श्री कुमार सर्वजीतः महोदय, कल शाम से न्यूज-18 में यह चल रहा है, एक घंटे का एपिसोड है । महोदय, उस एक घंटे के एपिसोड में यह दिखाया जा रहा है कि पूरे पटना में किस तरह से शराब माफिया हावी हैं और शराब बेचने वालों का यह मंतव्य है कि हम अधिकारियों की मिलीभगत से बेच रहे हैं, हम अधिकारियों को महीना दे रहे हैं । महोदय, इसी सदन में कल माननीय मंत्री ने यह कहा कि शराबबंदी पूर्ण रूप से सफल है हमने इतनी गाड़ियों को पकड़ा है, हमने इतने आदमियों को जेल भेजा है और बड़ी खुशी के साथ उनका वक्तव्य आया था कि न्यायालय के द्वारा इतने लोगों को फांसी की सजा हुई है । महोदय, यह कानून क्या सिर्फ गरीबों को फांसी देने के लिए बना है ? जिन-जिन थानों में इस तरह की घटनाओं का समाचार आया है वैसे थाना प्रभारियों को तुरंत अविलंब सरकार बर्खास्त करे, वहां के एस0पी0 को अविलंब बर्खास्त करे यही हम विपक्ष की ओर से मांग करते हैं । चूंकि सदन में हम बात को रखे हैं ।

अध्यक्षः आपके पास जो भी तथ्य हैं, आप लिखकर दे दें । उसको सरकार ग्रहण करेगी ।

श्री महबूब आलमः महोदय, खगड़िया जिला के महेशखूँट में सरकारी स्कूल की चहारदीवारी गिरने से उसके मलबे में दबकर छः मजदूरों की दर्दनाक, मौत का मजाक मत उड़ाइये आप...

श्री संजय सरावगीः हां ठीक है, ठीक है ।

अध्यक्षः संजय सरावगी जी, आप नहीं बोलिए ।

श्री महबूब आलमः दर्दनाक मौत हादसा नहीं बल्कि एक आपराधिक कृत्य है, बिना किसी सुरक्षा के चहारदीवारी के नीचे से जल-नल योजना के तहत नाला निर्माण के लिए मिट्टी खोदी गई थी । ऐसा लगता है कि सरकार और प्रशासन के लिए मजदूरों की जिन्दगी का कोई महत्व ही नहीं है, यहां तक कि सुरक्षा मानकों का अनुपालन किए बिना जे0सी0बी0 से खुदाई आरम्भ कर दी गई ।

...क्रमशः...

टर्न-2/अंजली-यानपति/10.03.2021

...क्रमशः...

श्री महबूब आलमः आये दिन बिहार में नाला निर्माण के लिए बिना प्लानिंग की हो रही खुदाइयों से लोगों को असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ती है, लगातार मौतें भी हो रही हैं । यह पूरा मामला लाल फीताशाही, मजदूरों के प्रति अमानवीय व्यवहार और अदूरदर्शिता का बनता है, जिसे महज चार लाख रुपये का मुआवजा देकर हल नहीं किया जा सकता है । महोदय, आगे से ऐसी घटनाएं न हों इसके लिए दोषियों की शिनाख्त कर उनपर कड़ी कार्रवाई, 302 का मुकदमा होना चाहिए । साथ ही पूरी प्लानिंग के साथ इस तरह की खुदाई की व्यवस्था होनी चाहिए और इस अत्यंत लोक महत्व के प्रश्न पर सदन का कार्य स्थगित कर हम कार्य चर्चा करने की मांग करते हैं, महोदय ।

अध्यक्षः ठीक है । श्री अजीत शर्मा ।

श्री अजीत शर्माः अध्यक्ष महोदय, आज यहां विधान सभा में जितने माननीय सदस्य मंत्री हैं, आपने तथ्य मांगा है, एक भी व्यक्ति बोले कि बिहार में शराब नहीं बिक रही है शराबबंदी के बाद । ईमानदारी से, यह सदन है, इस लोकतंत्र में, यह हमलोगों का मंदिर है, सब जगह शराब बिक रही है । मैं काफी दिनों से आवाज उठा रहा हूं और माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी हैं नहीं, वे उस दिन कुछ चिढ़ से गये थे जब मैंने बोला था । तथ्य यही है, सच्चाई यही है कि सब जगह शराब बिक रही है और सर, इन्होंने कहा कि कल मंत्री जी बोल रहे थे कि राजस्व का नुकसान नहीं हो रहा है । जो शराब बिहार के पैसे से बाहर से बंगाल, झारखंड और यू0पी0 से खरीदी जा रही है उसको जो नष्ट किया जाता है वह राजस्व बिहार का नुकसान होता है और जो खरीदता है और वह बिहार का राजस्व उस राज्य को जा रहा है । मैंने आग्रह किया था चाहे तो पूर्णरूपेण शराबबंदी करिये और नहीं तो तिगुनी कीमत करके उसकी कीमत बढ़ाइए और उसको बेचने का काम कीजिए ताकि जब महंगी होगी तो लोग ऐसे ही नहीं खरीदेंगे...

(व्यवधान)

सर, पूरी बात सुनिये सर और जो राजस्व आए उससे कल-कारखाने खोलकर युवकों को रोजगार देने का काम करिये तो उससे अपराध भी कम होगा और युवकों को रोजगार

मिलेगा लेकिन शराबबंदी बिल्कुल लागू नहीं है । हर जगह शराब ढाबे में बिक रही है इसकी खबर मीडिया पर है, न्यूज-18 में है, एवरी व्हेयर इट इज । इसलिए माननीय मंत्री जी, हम आपके संरक्षण में चाहते हैं चाहे तो कम्पलीट बंद करें, जो जानें जा रही हैं और नहीं तो उसको खोलने का काम करें । धन्यवाद ।

अध्यक्ष: अब अजय जी ।

श्री अजय कुमार: महोदय, मैंने ही कल सूचना दी थी । बस दो बात, खगड़िया के चैधा बन्नी गांव में नल-जल की जो योजना है, हाईस्कूल की बाउंड्री के बगल से वह खुदाई की जा रही थी तो उसकी दीवार के गिरने से छह मजदूरों की मौत हुई है । मतलब यह है कि सरकार की आंखों के सामने, सरकारी मुलाजिम के सामने यह घटना घटी है । कौन वह एग्जीक्यूटिव इंजीनियर है, कौन वह इंजीनियर है जिसने इस तरह का इस्टीमेट बनाया, उसको सरकार दंडित करेगी कि नहीं यह एक मांग है । हमारी दूसरी मांग है कि मजदूरों को क्योंकि यह गैर आपदा में न लेकर के इस सरकारी काम में उसकी मौत हुई है इसलिए बीस लाख रुपये के मुआवजे की मैं मांग करता हूं ।

अध्यक्ष: ठीक है । अब अखतरूल ईमान ।

श्री ललित कुमार यादव: महोदय, शराबबंदी लागू की गई तो हमलोगों ने स्वागत किया और सब लोगों ने समर्थन दिया...

अध्यक्ष: सब लोग मिलकर शपथ भी लिये थे ।

श्री ललित कुमार यादव: महोदय, जिस तरह से पूरे बिहार में मजाक उड़ाया जा रहा है शराबबंदी का...

(व्यवधान)

अध्यक्ष: आप कैसे उठ गये जब दलीय नेता उठे हुये हैं ।

श्री ललित कुमार यादव: महोदय, माननीय मंत्री का हमलोग वक्तव्य भी सुने, जिस तरह से न्यूज-18 में और समाचार पत्रों में आये दिन आते रहता है यह घोर मजाक है शराबबंदी का, हम सरकार से...

अध्यक्ष: कार्य स्थगन दिये हैं, आगे का समय ।

श्री ललित कुमार यादव: महोदय, हमलोग मांग करते हैं कि बिहार सरकार में जितने पदाधिकारी इसमें संलिप्त हैं ईवेन कि माननीय मंत्री जी का कल वक्तव्य हुआ मंत्री जी को भी इस्तीफा देना चाहिए, जिस तरह से शराबबंदी का...

अध्यक्ष: अब अखतरूल ईमान साहब ।

श्री ललित कुमार यादव: महोदय, आप सरकार से वक्तव्य दिलाइये ?

अध्यक्ष: ठीक है । अब अखतरूल ईमान साहब को बोलने दीजिए ।

श्री अखतरूल ईमानः महोदय, शराबबंदी की सराहना की जानी चाहिए लेकिन शराबबंदी का जो मामला है, पदाधिकारियों की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता है । इस पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए । दूसरी बात नल-जल की जो योजना चल रही है उसमें कहीं प्लानिंग नहीं है, कहीं सड़क से, कहीं आंगन में इस तरह से खोदा जा रहा है कि काफी डिस्टर्बेंस होता है । सरकार को इन दोनों मामलों में गंभीर होकर, संजीदा होकर सोचने की हिदायत दी जाय ।

अध्यक्षः ठीक है । श्री राम रतन बाबू ।

(व्यवधान)

आप बैठ जाइये धैर्य से आपकी भी बात सुनेंगे समय आयेगा तो, पहले तो प्रश्नोत्तर का काल है, अभी इन लोगों को भी बोलना है ।

(व्यवधान जारी)

श्री राम रतन सिंहः अध्यक्ष महोदय, शराबबंदी पर सरकार का कल उत्तर आया है लेकिन हमारा कहना है कि सरकार ने जो भी बात...

अध्यक्षः प्रश्नोत्तर के बाद ।

श्री राम रतन सिंहः उत्तर में बताया है उससे सरजमीन मेल नहीं खा रही है । सरजमीन पर धड़ल्ले से शराब की बिक्री हो रही है मैं समझता हूं कि यह जो भी बयान सरकार की तरफ से आया है वह हास्यास्पद है इसीलिए इसकी गहन जांच हो और जो दोषी पदाधिकारी हैं उनपर निश्चित रूप से कार्रवाई हो । शराबबंदी तो अपने आप में सही मायने में ठीक है उस पर हमलोगों को कुछ कहना नहीं है लेकिन उसकी आड़ में माफिया लोग और पदाधिकारी लोग ये सारे लोग जो इसको लूट रहे हैं, नाजायज पैसे कमा रहे हैं और गांवों के अंदर नौजवानों को बर्बाद कर रहे हैं इसपर निश्चित रूप से कदम उठाने की जरूरत है । मैं सरकार से मांग करता हूं कि सरकार निश्चित रूप से इसपर ध्यान दे और शराबबंदी की कार्रवाई पर नाजायज तरीके से जो कुछ हो रहा है उसपर कार्रवाई करे, धन्यवाद ।

अध्यक्षः ठीक है । अच्छा आप बोल लीजिये ।

(व्यवधान)

आपके दल के नेता बोल चुके हैं ।

(व्यवधान जारी)

वह मामला बाद में देखेंगे ।

(व्यवधान जारी)

यह कौन विषय उठा दिये हैं ।

(व्यवधान जारी)

अभी बैठिये, बिना अनुमति के नहीं बोलियेगा । बैठिये, प्रोसीडिंग में कोई बात नहीं जायेगी । बोलिये भाई वीरेन्द्र जी । आप बैठ जाइये, आपकी कोई बात प्रोसीडिंग में नहीं जायेगी, जब दलीय नेता बोल रहे हैं तो पहले सुनिये ।

श्री भाई वीरेन्द्रः अध्यक्ष महोदय, सरकार के कागज पर, कानून पर केवल मुहर लगी है लेकिन सरेआम शराब धड़ल्ले से बेची जा रही है और सरकार के अधिकांश पदाधिकारी और राजनीति करने वाले लोग भी बिना पिये हुए सोते नहीं हैं और गरीब लोग, दो लाख से ज्यादा गरीब लोग जेल में बंद हैं...

अध्यक्षः यह कैसे पता चला कि राजनीतिक लोग बिना पिये नहीं सोते हैं ।

श्री भाई वीरेन्द्रः मैं जानता हूं ।

अध्यक्षः किसको-किसको, दो-चार नाम बता दीजिये ।

श्री भाई वीरेन्द्रः राज्य के कई ऐसे पदाधिकारी हैं कि उनको अगर शराब नहीं मिले तो वे सोयेंगे नहीं, बिना पिए हुए सो भी नहीं पायेंगे ।

अध्यक्षः अच्छा चलिये, वह मामला गोपनीय है तो लिखकर दे दीजिए कि ऐसे कौन-कौन लोग हैं।

श्री ललित कुमार यादवः महोदय, हमलोगों ने सरकार से वक्तव्य की मांग की है ।

अध्यक्षः ठीक है, बैठिये । वक्तव्य सुनिये, बैठ जाइये ।

(व्यवधान)

हां ललित जी, बैठियेगा तब न सुनियेगा । माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ।

(व्यवधान)

अगर आप अनुमति के बिना बोलेंगे तो फिर प्रॉब्लम होगी, समय मिलेगा । सदन नियम से चलता है, बैठ जाइये ।

(व्यवधान)

समय पर, 12:00 बजे के बाद ।

(व्यवधान जारी)

बैठ जाइये, 12:00 बजे के बाद । संसदीय कार्य मंत्री जी ।

(व्यवधान जारी)

अब शांति से सुनिये सब लोग ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्रीः महोदय, अभी अजीत शर्मा जी ने कहा कि सच बोलियेगा तो हम इनको, आसन को और सदन को आश्वस्त करते हैं कि हम सच पहले भी बोलते थे, अभी-भी बोलेंगे और आगे भी बोलेंगे । हमलोग सच के अलावा कुछ नहीं बोलते हैं । अध्यक्ष महोदय, आज सदन में जो शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिये जो आम सदस्यों ने, सभी सदस्यों ने अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं, हम सरकार की तरफ से उसका स्वागत करते हैं और हम इसको इस रूप में लेते हैं कि पूरा सदन और सदन के

सभी माननीय सदस्य शराबबंदी कानून के पक्ष में हैं और इसको सख्ती से लागू करना चाहते हैं । महोदय, इस क्रम में दो-तीन बातें जो आई हैं मैं उसपर केवल दो-तीन चीज सदन के सामने निवेदन करना चाहता हूं कि शुरुआत हमारे सर्वजीत जी ने की कि क्या शराबबंदी का कानून सिर्फ गरीबों को सताने के लिये है जो पूरी बात कहकर अंत में जो बात उन्होंने कही ।

...क्रमशः...

टर्न-3/सत्येन्द्र/10-03-21

...क्रमशः...

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्रीः महोदय, आप सब जानते हैं, आसन जानता है, पूरा सदन जानता है कि शराबबंदी कानून के खिलाफ काम करने वाले और शराबबंदी कानून के उल्लंघन करने वाले में कोई गरीब अमीर का भेद नहीं होता है । महोदय, किसी भी कानून के उल्लंघन में और सब लोगों ने देखा है कि हरियाणा के अरबपति व्यवसायी को बिहार पुलिस शराबबंदी कानून के उल्लंघन में वहां जाकर गिरफ्तार कर के लाती है । महोदय, झारखंड से करोड़पति, अरबपति शराब का गलत कारोबार करने वाले उद्योगपति को बिहार पुलिस जाकर गिरफ्तार करके लाती है । क्या यह सब गरीबों को सताने की बात है महोदय ?

श्री भाई वीरेन्द्रः अध्यक्ष महोदय..

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्रीः अब देखिये बीच में बोल रहे हैं ।

अध्यक्षः आप सुन लीजिये । आपकी बात ध्यान से सुने हैं वीरेन्द्र बाबू ।

(व्यवधान)

देखिये, सभी नेताओं की बात ध्यान से सुने हैं तो सुनना चाहिए । वीरेन्द्र बाबू, सुनना चाहिए, सब नेताओं की बात को सुने हैं । आप बैठ जाइए, सुन लीजिये।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्रीः महोदय, इनलोगों की बात सुन लेते हैं, हमलोग की बात ये लोग सुनने को तैयार नहीं हैं । महोदय, इसलिए हम कह रहे थे और महोदय, आप तो कहे कि राजनीति करने वाले लोग चुप चुप कर पीते हैं, आप अपना अनुभव बता रहे थे क्या? हमलोगों के यहां तो कोई ऐसी बात नहीं है महोदय । दूसरी बात महोदय..

श्री भाई वीरेन्द्रः अध्यक्ष महोदय..

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्रीः भाई वीरेन्द्र जी को पहले 10-20 मिनट जितना देर ये बोलना चाहते हैं दे दीजिये । महोदय, दूसरी बात हम सदन से अनुरोध करेंगे कि शराब के गलत कारोबार में जितनी गाड़ियां जब्त हैं जाकर देखिये एक से एक लक्जरी कार है, एक से एक एस0यू0वी0 का सबसे हाइयेस्ट मॉडल मिल रहा है । यह 25-50 लाख की गाड़ी

का इस्तेमाल क्या गरीब लोग करते हैं ? जो गाड़ियां जब्त हुई हैं और अगर लाखों रुपये की गाड़ी से शराब के गलत कारोबार को पकड़कर पुलिस पकड़ती है तो वह गरीब के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और महोदय दूसरी बात हमारे अजीत शर्मा जी ने कहा कि इनसे पूछिये कि शराब मिल रही है कि नहीं मिल रही है । सरकार ने तो कभी दावा नहीं किया है कि कहीं एक बोतल शराब नहीं मिल रही है। सरकार की तरफ से दावा सिर्फ इतना ही है कि शराबबंदी कानून को हमने पूरे सदन की सहमति से लागू किया है और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ हम सख्त कार्रवाई करेंगे, दूसरी बात.....

(व्यवधान)

अध्यक्ष: मंत्री जी खड़े हैं बैठ जाइए । सिद्धार्थ जी आप बैठ जाइए।

श्री सिद्धार्थ सौरव: अध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष: नहीं नहीं, ये अनुमति नहीं । आप बैठ जाइए ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री: महोदय, दूसरी चीज मैं सदन से निवेदन करना चाहता हूँ कि जब से दुनिया में अपराधशास्त्र का निर्माण हुआ, इसका गठन हुआ और इसका विकास हुआ, महोदय...

(व्यवधान)

श्री भाई वीरेन्द्र: अध्यक्ष महोदय, हम प्रवचन सुनने के लिए यहां नहीं आये हैं..

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री: महोदय, जब से अपराधशास्त्र पूरी दुनिया में लागू हुआ है, तब से हत्या को एक संगीन और संज्ञेय अपराध माना गया है पूरी दुनिया में, अपने प्रदेश, देश पूरी दुनिया में और आप बताइए कि दुनिया के किस हिस्से में मर्डर बंद हो गया और अगर हत्या नहीं बंद नहीं हुई तो इसका मतलब कि हत्या के खिलाफ कानून बेकार है? ये कौन सा तर्क है महोदय....

(व्यवधान)

यह कोई तर्क नहीं है और महोदय, दूसरी बात कि सरकार ने नम्बर्स विज्ञाप्ति किया है, सरकार ने सूचना देने के लिए नम्बर जारी किया है अगर आप...

(व्यवधान)

श्री भाई वीरेन्द्र: अध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री: महोदय इनको खड़े होकर कहिये कि एक घंटा बोल लें तब दूसरे बोलेंगे ।

अध्यक्ष: वीरेन्द्र बाबू, क्या कह रहे हैं खड़े हो जाइए । मनेर थाना में बिक्री हो रही है ?

श्री भाई वीरेन्द्रः मनेर सहित ....

अध्यक्षः मनेर थाना में बिक्री हो रही है माननीय मंत्री, आप इसको संज्ञान में लीजिये और माननीय विधायक जी की देखरेख में .....

(व्यवधान)

माननीय सदस्य, दो मिनट सुन लीजिये । वीरेन्द्र बाबू बैठ जाइए, सब लोग बैठ जाइए ।

श्री सिद्धार्थ सौरवः अध्यक्ष महोदय, यह जो स्थिति उत्पन्न की गयी बिहार सरकार के अधिकारियों के द्वारा कि हरियाणा से जाकर व्यापारी को पकड़कर लाना पड़ा, आखिर बॉर्डर से शराब आयी कैसे ? दूसरा प्रश्न है कि बिहार सरकार डाटा दे, डाटा उपलब्ध कराये कि कितने गरीबी रेखा से नीचे वाले लोगों को इस शराबबंदी कानून में गिरफ्तार किया गया है। टोटल व्यक्ति जो गिरफ्तार किये गये हैं अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से डाटा की मांग करते हैं इसी सदन में कि एक डाटा दें कि कितने गरीबी रेखा से नीचे वाले लोगों को शराबबंदी कानून में गिरफ्तार किया गया है ।

अध्यक्षः बैठ जाइए । आपका जो भाव है, सिद्धार्थ जी बैठ जाइए न ?

सभी माननीय सदस्यों की भावना को देखते हुए मुझे खुशी हो रही है कि जिस शराबबंदी के लिए संकल्प लिये हैं उसके प्रति आप कितने संवेदनशील हैं । सुन लीजिये, आप एक चीज और ध्यान में रखिये कि आप सब की इच्छा है कि शराबबंदी पूर्णतः लागू हो और पारदर्शी हो, अगर सदन की इच्छा होगी, नेता प्रतिपक्ष और नेता सदन चाहेंगे तो उस पर अलग से हमलोग डिबेट भी करवा लेंगे ।

हमलोगों का सौभाग्य है कि अपने सदन के अन्दर नौ टर्म के 1 माननीय सदस्य बैठे हैं, आठ टर्म के 4 माननीय सदस्य बैठे हैं, सात टर्म के 4, छः टर्म के 6 और पांच टर्म के लगभग 20 माननीय सदस्य बैठे हैं । ये टर्म केवल गिनती के लिए नहीं हैं बल्कि यह अनुभव की किताब हैं, ये हमारी धरोहर हैं । इन धरोहरों को सम्मान, संरक्षण एवं प्राथमिकता देना हम सबों की जिम्मेवारी है । जब ये बोलते हैं तो ध्यान से हमें सुनना चाहिए, इनलोगों की बात को, क्योंकि ये लंबी अवधि के अनुभव से हमको आपको अवगत कराते हैं ।

देवों के देव महादेव के त्याग, निर्विकार, निश्छल और निष्कपट रूप को स्मरण कर आज उनकी पावन तिथि की जो शुरूआत कल होने जा रही है और शताब्दी वर्ष में इन धरोहरों के प्रति श्रद्धा और भक्ति से भरकर इनका सानिध्य प्राप्त कर इनके सकारात्मक अनुभव से प्रेरणा लेकर हमलोग एक नयी ऊर्जा के साथ नयी पहल की ओर कदम बढ़ायेंगे । अब प्रश्न होने दीजिये उसके बाद आपका जो आया है कार्यस्थगन उस पर । अब दोनों आदमी एक-एक मिनट बोलिये । माननीय सदस्यों का प्रश्न है जिसका बहुत मेहनत से जवाब तैयार होता है, प्रेस मीडिया के लोग बैठे हैं और बहुत अच्छी छवि

बन रही है कि आप सभी मिलकर सदन चला रहे हैं इसीलिए हम विरोध भी करेंगे, ध्यान भी आकृष्ट करेंगे और अपने प्रश्न को भी चलायेंगे, हम सब की जिम्मेवारी है।

श्री अजीत शर्मा: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने कहा है कि पूरी दुनिया में अपराध कहां रुक गया, कानून तो बना ....

अध्यक्ष: इस पर अलग से समय की बात हमने कही है ।

श्री अजीत शर्मा: उनको जवाब देने दीजिये, अपराध सर वहां के लोग करते हैं लेकिन शराब यहां दूसरे राज्यों से आ रही है, आपके पदाधिकारी क्या कर रहे हैं बोर्डर पर, शराब आ कैसे आ रही है, इस पर आप क्या कार्रवाई कर रहे हैं इस पर जवाब दीजिये, मंत्री महोदय।

(व्यवधान)

श्री महबूब आलम: अध्यक्ष महोदय, यह सब लापरवाही की वजह से हुई है महोदय..

(व्यवधान)

अध्यक्ष: सभी दलीय नेताओं का हो कि प्रश्न स्थगित कर दीजिये, तो इसी पर बात करते हैं ? सारे सदस्य प्रश्न के लिए बेचैन हैं ।

(व्यवधान)

देंगे जवाब, सदन जिम्मेवार है । दल के हर नेता, मंत्री सभी जिम्मेवार हैं सदन के प्रति और माननीय सदस्य की भावनाओं को गंभीरता से ग्रहण करके उसका जवाब भी देंगे । श्री मनोज कुमार यादव जी प्रश्न पूछिये ।

(व्यवधान)

टर्न-4/मधुप/10.03.2021

<u>प्रश्नोत्तर काल</u>

<u>तारांकित प्रश्न सं0-'क'-778 (श्री मनोज कुमार यादव,क्षेत्र सं0-16:कल्याणपुर)</u>

(इस अवसर पर भाकपा(माले) के माननीय सदस्यगण वेल में आ गए)

(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि पूर्वी चम्पारण जिला अंतर्गत प्रखंड कोटवा के ग्राम पंचायत राज भोपतपुर दक्षिणी में समौती नदी से निकली आहर/पईन धोबी घाट से आगे सरेह तक जर्जर है । उक्त योजना को संबंधित ग्राम पंचायत के मनरेगा वार्षिक कार्य योजना वित्तीय वर्ष 2021-22 में शामिल किया गया है ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण खड़े हो गए)

(व्यवधान)

अध्यक्ष : स्थगन प्रस्ताव आप दिये हैं । सदन अभी चलाइये ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण वेल में आ गए)

अब इतने मौकों के बाद भी अगर आप अव्यवस्था फैलायेंगे तो सदन स्वीकार नहीं करेगा ।

माननीय सदस्य श्री राम विशुन सिंह ।

(व्यवधान)

माननीय मंत्री, पंचायती राज ।

तारांकित प्रश्न सं0-'ख'-780 (श्री राम विशुन सिंह, क्षेत्र सं0-197 : जगदीशपुर)

श्री सम्राट चौधरी, मंत्री : महोदय, आंशिक स्वीकारात्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि संदर्भ बस्ती में कच्चा नाला निर्मित है । संदर्भ नाले की लम्बाई लगभग 5000 फीट है, इसके निर्माण की अनुमानित लागत 70 लाख रूपया है । विभागीय पत्रांक 8043 दिनांक-21.12.2020 के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री गली नाली निश्चय योजना के अन्तर्गत प्रक्षेत्र का सर्वेक्षण कराया जा रहा है । तदुपरान्त छूटे हुये गली नाली योजना वित्तीय वर्ष 2021-22 में कराये जायेंगे।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य राम विशुन सिंह । पूरक प्रश्न पूछेंगे ? नहीं पूछेंगे ।

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न सं0-1487 (श्री विजय कुमार खेमका, क्षेत्र सं0-62 : पूर्णिया)

(संलग्न उत्तर)

श्री जयंत राज, मंत्री : अस्वीकारात्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पुल के एक तरफ के बसावट बंगाली ऋषि टोला की संपर्कता शीर्ष मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजनान्तर्गत निर्मित पिपरा गौरी घाट से डगरूआ सीमा तक पथ से प्राप्त है एवं दूसरे तरफ के बसावट बांसबाड़ी टोला की संपर्कता पंचायत द्वारा निर्मित बांसबाड़ी चौक से बांसबाड़ी घाट पथ से प्राप्त है । उक्त पुल स्थल के अपस्ट्रीम में 04 कि0मी0 एवं डाउनस्ट्रीम में 06 कि0मी0 की दूरी पर पुल निर्मित है ।

विभाग द्वारा सम्प्रति राज्य के सभी बसावटों को बारहमासी पथ से एकल संपर्कता दिया जाना है । प्रश्नाधीन पुल स्थल के दोनों तरफ के बसावटों को एकल संपर्कता प्रदत्त है । अतः प्रश्नाधीन पुल के निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है । खंड-1 में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है ।

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार खेमका : महोदय, उत्तर आया हुआ है और मैं पूरक पूछता हूँ ।

अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूँ कि यह जो पूर्णिया पूर्व प्रखंड का जो महाराजपुर का बांसबाड़ी घाट है, यह दो प्रखंड को

जोड़ता है, दो विधान सभा क्षेत्र को जोड़ता है और 6 पंचायत का इससे आवागमन होता है इसलिए यहाँ पर इस पुल की अति आवश्यकता है ।

मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूँ कि वहाँ पुल बनाना बहुत जरूरी है । इसलिए उसपर विचार करें और महोदय, आपके माध्यम से आश्वस्त करें कि उसपर विचार करते हैं कि नहीं करते हैं ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग ।

(व्यवधान)

श्री जयंत राज, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, 04 कि0मी0 अपस्ट्रीम और 06 कि0मी0 डाउनस्ट्रीम पर पुल अवस्थित है । इसलिए अभी कोई विचार नहीं है सरकार का उसपर पुल बनाने का ।

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार खेमका : महोदय, मंत्री जी ने जो बताया कि 04 कि0मी0 अपस्ट्रीम और 06 कि0मी0 डाउनस्ट्रीम पर पुल के बारे में बताया, इस पुल पर कई-एक बार दुर्घटना हुई है और घटना में मृत्यु भी हुई है । इसी को लेकर मैं पुनः आसन के माध्यम से आग्रह करना चाहूँगा कि वहाँ पर पुल बनाने पर माननीय मंत्री जी विचार करें ।

अध्यक्ष : ठीक है । विचार कीजिए ।

तारांकित प्रश्न सं0-1488(श्री विद्या सागर केशरी, क्षेत्र सं0-48 : फारबिसगंज)

(लिखित उत्तर)

श्री नितिन नवीन, मंत्री : मुख्य पुल अभियंता, उत्तर पूर्व सीमांत रेलवे को GAD (General Arrangement Drawing) अनुमोदन हेतु प्रस्ताव 22 जनवरी, 2021 को समर्पित है। GAD अनुमोदन के उपरान्त DPR तैयार किया जायेगा । तदोपरान्त स्वीकृत्यादेश की कार्रवाई की जायेगी ।

अध्यक्ष : उत्तर मुद्रित है । पूरक पूछिये ।

(व्यवधान)

श्री विद्या सागर केशरी : महोदय, माननीय मंत्री जी के माध्यम से जो उत्तर आया है कि GAD अनुमोदन हेतु प्रस्ताव 22 जनवरी, 2021 को समर्पित किया गया है मुख्य पुल अभियंता, उत्तर पूर्व सीमांत रेलवे को । अनुमोदन उपरान्त DPR तैयार किया जायेगा ।

महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि हमारे यहाँ अररिया में प्रकाशित अखबार में एक न्यूज आयी है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अपने स्थान पर जाकर बैठ जाइये ।

श्री विद्या सागर केशरी : 65 करोड़ की लागत से इस पुल का फ्लाईओवर पुल के निर्माण से लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी, तो क्या इसका DPR समर्पित कर दिया गया है ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : GAD की अनुमति आ जायेगी उसके बार DPR बनाने का काम शुरू किया जाता है । इसलिए अभी DPR के विषय पर बातचीत नहीं हुई है । जब GAD की अनुमति आ जायेगी तब DPR का काम शुरू किया जायेगा ।

अध्यक्ष : श्री अशोक कुमार चौधरी ।

श्री विद्या सागर केशरी : अध्यक्ष महोदय, एक मिनट ।

अध्यक्ष : नहीं । आगे बढ़ गये । श्री अशोक कुमार चौधरी । मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग ।

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न सं0-1489 (श्री अशोक कुमार चौधरी, क्षेत्र सं0-92 : सकरा(अ0जा0)

(संलग्न उत्तर)

श्री जयंत राज, मंत्री : 1- स्वीकारात्मक है ।

2- स्वीकारात्मक है ।

3- वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पथ की लम्बाई 14.376 कि0मी0 है । पथ का निर्माण PMGSY अन्तर्गत दिनांक-30.11.2017 को पूर्ण कराया गया है । वर्ष 2020 के बाढ़ में पथ क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसकी मरम्मति की कार्रवाई की जा रही है। पथ अनुरक्षण अवधि में है । पथ कस्ट की चौड़ाई 3.75 मीटर है । अनुरक्षण अवधि के समाप्ति के पश्चात् ट्रैफिक सर्वे कराने के बाद ही पथ के चौड़ीकरण के संबंध में निर्णय लिया जाना संभव हो सकेगा ।

अध्यक्ष : उत्तर संलग्न है । पूरक पूछिये । (व्यवधान) बैठ जाइये ।

श्री अशोक कुमार चौधरी : महोदय, मरचा से सभा की जो सड़क है उसकी स्थिति को देख लिया जाय । मैं सदन के माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि सभा से जो सड़क मरचा गई है, बाजी में हमेशा जाम रहता है, बरियारपुर में हमेशा जाम रहता है । क्या इसके चौड़ीकरण कराने की इच्छा रखते हैं मंत्री जी ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग ।

(व्यवधान)

श्री जयंत राज, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, अभी तक अनुरक्षण अवधि के अन्तर्गत में है । 04.12.2022 से इसका अनुरक्षण समाप्त हो रहा है । इसके बाद ट्रैफिक का हमलोग सर्वे करा लेंगे, उसके बाद इसको देखते हैं ।

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न सं0-1490(श्री शम्भू नाथ यादव,क्षेत्र सं0-199 : ब्रह्मपुर)

अध्यक्ष : श्री शम्भू नाथ यादव । श्री शम्भू नाथ यादव । श्री शम्भू नाथ यादव ।

(नहीं पूछा गया)

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न सं0-'च'-1491(डॉक्टर संजीव कुमार,क्षेत्र सं0-151 : परबत्ता)

श्री सम्राट चौधरी, मंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि संदर्भ ग्रामीण सड़क वित्तीय वर्ष 2003 में पंचायत समिति के माध्यम से लगभग 700 मीटर लम्बी बनायी गयी है, जो कहीं-कहीं क्षतिग्रस्त है । बरसात के दिनों में जल-जमाव की समस्या रहती है । सड़क को ऊंचा करना आवश्यक है । वित्तीय वर्ष 2021-22 में पंचायत समिति की बैठक में सड़क की मरम्मति का कार्य योजना में लेते हुए कार्य कराया जायेगा ।

डॉक्टर संजीव कुमार : महोदय, मेरा पूरक प्रश्न है । मैं माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहता हूँ कि दस साल से यह सड़क खराब है । माननीय मंत्री जी ने जो सकारात्मक जवाब दिया है, इसके लिए परबत्ता की जनता की तरफ से धन्यवाद । लेकिन मेरा यही आग्रह है कि अगले वित्तीय वर्ष में इसे पक्का बना दिया जाय, कम्पलीट कर दिया जाय ।

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न सं0-1492 (श्री रामप्रवेश राय, क्षेत्र सं0-100 : बरौली)

अध्यक्ष : श्री रामप्रवेश राय । श्री राम प्रवेश राय । नहीं हैं ।

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1493 (श्री सुरेन्द्र मेहता, क्षेत्र सं0-142 : बछबाड़ा)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री । ग्रामीण कार्य विभाग ।

(व्यवधान)

माननीय सदस्य, आप अपने स्थान पर जाकर कहेंगे तो मैं जरूर सुनूँगा । आप अपने स्थान पर जाकर कहें । अपने स्थान पर जाकर कहेंगे तो मैं आपकी बात को सुनूँगा ।

श्री जयंत राज, मंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पुल के निर्माण हेतु एम0एम0जी0एस0वाई0 (विश्व बैंक) योजना अन्तर्गत नव अभिनव तकनीक से प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है । तद्नुसार अग्रेतर कार्रवाई की जा सकेगी ।

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न सं0-'छ'-1494 (श्री सुधांशु शेखर, क्षेत्र सं0-31 : हरलाखी)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, पंचायती राज विभाग ।

(व्यवधान)

श्री सम्राट चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि गया जिला के गुरारू प्रखंड के गुड़रू पंचायत के वार्ड संख्या-17 में मुख्यमंत्री ग्रामीण गली नाली पक्की निश्चय योजना के अन्तर्गत मुन्ना सिंह के घर के पास कुआँ से सामुदायिक भवन विकास भवन से होते हुए मुख्य सड़क तक पी0सी0सी0 सड़क का निर्माण किया गया है । भूरा यादव के घर से शिवचरण दास के घर तक ईंट सोलिंग का कार्य कराया गया है । शेष भाग जो मुन्ना सिंह, पिता-स्व0 डोमन सिंह के घर होते हुए धर्मेन्द्र पासवान के घर होते हुए सरकारी पानी टंकी तक गली नाली योजना का सर्वेक्षण किया जा रहा है । अतः वित्तीय वर्ष 2021-22 में इसको पूरा कर लिया जायेगा ।

श्री सुधांशु शेखर : मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद ।

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न सं0-1495 (श्री आनन्द शंकर सिंह,क्षेत्र सं0-223 : औरंगाबाद)

अध्यक्ष : श्री आनन्द शंकर सिंह । श्री आनन्द शंकर सिंह ।

(नहीं पूछा गया)

टर्न-5/आजाद/10.03.2021

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न सं0-1496(श्री रत्नेश सादा,क्षेत्र सं0-74 सोनवर्षा)

श्री जयंत राज, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, 1. स्वीकारात्मक है ।

2. वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पथ बिहार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति, 2018 अन्तर्गत झिटकिया से महुआ तक पथ के नाम से स्वीकृति उपरांत निविदा निष्पादन की प्रक्रिया में है । तदोपरांत अग्रेतर कार्रवाई की जा सकेगी ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अपने स्थान पर जाकर बैठें ।

श्री रत्नेश सादा : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जब 2018 में अनुरक्षण नीति के अन्तर्गत निविदा हो गई तो 2021 चल रहा है और काफी जर्जर सड़क है और आवागमन काफी बाधित हो रही है तो हम आपके माध्यम से मांग करते हैं माननीय मंत्री जी से कि कब तक निविदा निष्पादित करके सड़क का काम चालू करेंगे ?

अध्यक्ष : जनहित में माननीय मंत्री जी इसको कब तक निष्पादित करेंगे, बताइए ।

श्री जयंत राज, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, उक्त पथ का कार्यादेश विभागीय पत्रांक-825,पटना दिनांक 04.03.2021 द्वारा निर्गत किया जा चुका है । तदोपरान्त एकरारनामा की प्रक्रिया पूरी कर कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा ।

श्री रत्नेश सादा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जो भी कार्यपालक अभियंता काम को इधर-उधर लटकाये हुए थे, क्या उस पदाधिकारी पर सरकार कार्रवाई करना चाहती है क्योंकि यह 2018 से ही मामला है।

अध्यक्ष : आप इसको देखवा लीजिए ।

तारांकित प्रश्न सं0-1497(श्री अजीत कुमार सिंह,क्षेत्र सं0-201 डुमरॉव)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1498 (श्री वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता,क्षेत्र सं0-9 सिकटा)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1499(श्रीमती रश्मि वर्मा,क्षेत्र सं0-03 नरकटियागंज)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1500(श्री राहुल तिवारी,क्षेत्र सं0-198 शाहपुर)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1501(श्री पवन कुमार यादव,क्षेत्र सं0-155 कहलगांव)

(लिखित उत्तर)

श्री जयंत राज, मंत्री : वस्तुस्थिति यह है कि खुटहा गांव को शीर्ष प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत निर्मित बबरगंज से बागबारी कोरी कुटहा पथ से सम्पर्कता प्राप्त है । प्रश्नाधीन पथ के आरेखन में कोई योग्य बसावट नहीं रहने के कारण इसे किसी भी कोर नेटवर्क में शामिल नहीं किया गया है । इसके निर्माण का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

अध्यक्ष : पवन जी, पूरक पूछिए ।

श्री पवन कुमार यादव : माननीय अध्यक्ष महोदय, एन0एच0-80 से जो खुटहा गांव जाने वाला है उसमें यह रोड बहुत जरूरी है, इसलिए खुटहा गांव के लोगों को जाने के लिए 6 कि0मी0 घूम कर जाना पड़ता है । कब तक बनायेंगे, ये बतायें ?

श्री जयंत राज, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, चूँकि खुटहा गांव तक अभी एकल सम्पर्कता प्रदत्त है । अभी जिस रोड की मांग कर रहे हैं वह किसी कोर नेटवर्क में नहीं है । इसको आगे देखेंगे ।

तारांकित प्रश्न सं0-1502(श्री हरिशंकर यादव, क्षेत्र सं0-108 रघुनाथपुर)

(नहीं पूछा गया)

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न सं0-1503(श्रीमती मीना कुमारी, क्षेत्र सं0-34 बाबूबरही)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, जल संसाधन ।

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि नदी पर पुल निर्माण का कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा नहीं कराया जाता है ।

यदि पुल निर्माण से संबंधित विभाग द्वारा पुल निर्माण हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र की मांग की जाती है तो जल संसाधन विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाने हेतु अपेक्षित कार्रवाई की जायेगी ।

तारांकित प्रश्न सं0-1504 (श्री अखतरूल ईमान, क्षेत्र सं0-56 अमौर)

(लिखित उत्तर)

श्री जयंत राज, मंत्री : 1. आंशिक स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन महानंदा नदी के शिल्ला घाट एवं असजा घाट दोनों घाट अगल-बगल में अवस्थित है । उक्त स्थल पर महानंदा नदी के वर्तमान चौड़ाई लगभग 3 कि0मी0 है । नदी के एक तरफ अवस्थित बसावट असजा एवं शिल्ला की सम्पर्कता शीर्ष 3054 योजनान्तर्गत मरम्मति कराये गये असजा से गणफलिया तक पथ से प्राप्त है एवं नदी के दूसरे तरफ अवस्थित बसावटों यथा सोनापुर, बरारी इत्यादि की सम्पर्कता शीर्ष प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत निर्मित काजलामनी से मोहम्मदपुर खनका पथ से प्राप्त है ।

विभाग द्वारा सम्प्रति राज्य के सभी सबावटों को बारहमासी पथ से एकल सम्पर्कता दिया जाना है । प्रश्नाधीन पुल स्थल के दोनों तरफ के बसावटों को एकल सम्पर्कता प्रदत्त है । अतः प्रश्नाधीन पुल के निर्माण का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

2. खंड-1 में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिए अखतरूल जी ।

श्री अखतरूल ईमान : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने साफ कहा कि महानंदा नदी के शिल्ला घाट एवं असजा घाट पर पुल निर्माण की बात कही है । दोनों तरफ से ग्रामीण सड़के हैं और प्रखंड का बड़ा हिस्सा नदी के उस पार है । माननीय मंत्री जी का बड़ा लम्बा-चौड़ा जवाब आया है कि फलाना-फलाना गांव जुड़ा हुआ है । मेरा साफ कहना है कि सिर्फ गांव से सड़कों को नहीं जोड़ना है, बल्कि सुदूर क्षेत्रों को हेडक्वार्टर से जोड़ने के लिए पुल का निर्माण कराया जाय । इसको ये करा सकते हैं, इस बारे में मैं पूछ रहा हूँ ?

श्री जयंत राज, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, चूँकि अभी हमलोगों को एकल सम्पर्कता पथ ही देना है तो जितने भी गांव हैं, सब में एकल सम्पर्कता पथ है । अभी कोई पुल निर्माण का विभाग के पास विचाराधीन नहीं है ।

श्री अखतरूल ईमान : महोदय, मैं आपसे संरक्षण चाहूँगा क्योंकि 50 कि0मी0 दूरी वहां से पड़ जाता है और एक महानंदा में मस्तान चौक पर और एक डंगरा में, इस 50 कि0मी0 के दरम्यान

में कोई पुल नहीं है । अगर आप चाहें महोदय, अगर इसको ग्रामीण कार्य विभाग नहीं बना सके तो इसको आप स्थानान्तरित कर दीजिए और इसको पी0डब्लू0डी0 से बनवा देने की कृपा की जाय । सिर्फ स्थानान्तरण करा दिया जाय सर, मेहरबानी होगी सर ।

अध्यक्ष : ठीक है, देखवा लेते हैं ।

तारांकित प्रश्न सं0-1505(श्री समीर कुमार महासेठ, क्षेत्र सं0-36 मधुबनी)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1506(श्री सुधाकर सिंह, क्षेत्र सं0-203 रामगढ़)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1507(श्री सिद्धार्थ सौरव, क्षेत्र सं0-191 बिक्रम)

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि धाना परेव चैनल का पुनर्स्थापन कार्य का प्राक्कलन तैयार कर शीघ्र मुख्यालय में उपलब्ध कराने हेतु विभागीय पत्रांक-297 दिनांक 04.03.2021 द्वारा मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी को निदेशित किया गया है । इस काम को हमलोग करवा देंगे ।

अध्यक्ष : एक चीज हम बता देते हैं, टेबल के साथ हरकत करेंगे तो सख्त कार्रवाई करेंगे । पहला मौसम नहीं है । अगर नियम विरूद्ध काम करेंगे तो सदन से बाहर कर देंगे, सीधे समझ लीजिए । यह माननीय सदस्य ध्यान में रखियेगा, अपने अनुशासन और अपनी लोकतांत्रिक पद्धति में ही रहिए ।

श्री शाहनवाज ।

तारांकित प्रश्न सं0-1508(श्री शाहनवाज, क्षेत्र सं0-50 जोकीहाट)

श्री संजय कुमार झा, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि अररिया जिलान्तर्गत जोकीहाट प्रखण्ड में मांगरा टोला, पनार नदी के दायें तट एवं बंगला टोला पनार नदी के बायें तट पर अवस्थित है । वर्तमान में प्रश्नगत स्थलों पर कटाव नहीं हो रहा है ।

विभागीय पत्रांक-1436 दिनांक 08.03.2021 द्वारा प्रश्नगत स्थलों पर बाढ़ अवधि में सतत् निगरानी एवं चौकसी बरतने तथा आवश्यकतानुसार बाढ़ संघर्षात्मक कार्य कराकर स्थल को सुरक्षित रखने हेतु निदेशित किया गया है ।

श्री शाहनवाज : धन्यवाद ।

तारांकित प्रश्न सं0-1509(श्री बीरेन्द्र सिंह,क्षेत्र सं0-234 वजीरगंज)

(लिखित उत्तर)

श्री संतोष कुमार सुमन, मंत्री : आंशिक स्वीकारात्मक है ।

योजना अन्तर्गत स्वीकृत 12 आहर-पईन एवं तालाब में 9 का कार्य पूर्ण हो गया है ।

मानुपर प्रखंडान्तर्गत चिरैलाटाल आहर पईन सिंचाई योजना वित्तीय वर्ष 2014-15 में कियान्वित की गयी थी । इस योजना अन्तर्गत मेन पईन, ब्रान्च पईन, चिरैलाटाल आहर, नौलखा आहर, कब्या आहर, सनावत आहर, लोदीपुर आहर, कईया आहर, मायापुर आहर, धोबी घाट पोखर पश्चिमी, धोबी घाट पोखर पूर्वी एवं चरवाही पोखर का कार्य स्वीकृत प्राक्कलन में प्रावधानित था । जिसमें मेन पईन, ब्रान्च पईन, चिरैलाटाल आहर, नौलखा आहर, कब्या आहर, सनावत आहर, लोदीपुर आहर, कईया आहर एवं मायापुर आहर का कार्य कराया गया है । इसके अन्तर्गत धाोबी घाट पोखर पूर्वी, धोबी घाट पोखर पश्चिमी एवं चरवाही पोखर का कार्य नहीं हो पाया था ।

वर्तमान में धोबी घाट पोखर पूर्वी एवं धोबी घाट पोखर पश्चिमी पूरी तरह से मिट्टी से भरा हुआ है तथा चरवाही पोखर के भिण्ड पर घर बना हुआ है।

उक्त योजनाओं का सर्वेक्षण जिला स्तरीय समिति से अनुशंसा प्राप्त होने पर एवं डी0पी0आर0 तैयार कराकर निधि उपलब्धता के आधार पर विहित प्रक्रिया के तहत कार्य करा लिया जायेगा ।

अध्यक्ष : उत्तर संलग्न है, पूरक पूछिए ।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह योजना चिरैलाटाल बहुत महत्वपूर्ण योजना है और इसमें फाईनल कर दिया गया है और कार्यपालक अभियंता से मैंने पूछा है, इसमें 50 लाख रू0 बच रहा है तो क्या सरकार इसमें काम कराना चाहती है और जो फाईनल किये हैं कार्यपालक अभियंता या पदाधिकारी तो क्या सरकार उनपर कार्रवाई कराना चाहती है ?

श्री संतोष कुमार सुमन, मंत्री : माननीय सदस्य का उत्तर आंशिक स्वीकारात्मक है । उक्त चिरैलाटाल आहर पईन योजना में कुल 12 आहर पईन थी, जिसमें 9 तक कार्य पूर्ण करा लिया गया है । तीन कार्य शेष बचे हुए हैं जो धोबीघाट पोखर पश्चिमी, धोबीघाट पोखर पूर्वी जो कि मिट्टी भर जाने के कारण उस समय कार्य नहीं हुआ था और एक चरवाही पोखर भिण्ड है जिसपर अतिक्रमण बना हुआ है, इस कारण से तीन कार्य पूरा नहीं हो पाया था । अभी विभागीय आदेश दिया गया है जिसमें सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है और डी0पी0आर0 तैयार करने के उपरान्त कार्य करा लिया जायेगा, मैं माननीय सदस्य को आपके माध्यम से आश्वस्त करना चाहता हूँ ।

टर्न-6/शंभु/10.03.21

(व्यवधान)

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो लापरवाही किये हैं पदाधिकारी और कार्य अधूरा रह गया है, क्या सरकार उनपर कार्रवाई करना चाहती है ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, कार्रवाई करेंगे ?

श्री संतोष कुमार सुमन, मंत्री : अगर माननीय सदस्य की बात सत्य पायी गयी तो मैं जॉच करवाकर फिर से देखवा लूंगा ।

तारांकित प्रश्न सं0-1510(मो0आफाक आलम)क्षेत्र सं0-58 कसबा

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1511(श्री रामवृक्ष सदा)क्षेत्र सं0-148 अलौली(अ0जा0)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1512(श्री जनक सिंह)क्षेत्र सं0-116 तरैया

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1513(श्री राकेश कुमार रौशन)क्षेत्र सं0-174 इस्लामपुर

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1514(श्री संदीप सौरभ)क्षेत्र सं0-190 पालीगंज

(नहीं पूछा गया)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सुन लीजिए, सुनियेगा ?

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न सं0-1515(श्री संजय कुमार गुप्ता, क्षेत्र सं0-30 बेलसंड)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1516(श्री चेतन आनंद, क्षेत्र सं0-22 शिवहर)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1517(श्री अजय यादव, क्षेत्र सं0-233 अतरी)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1518(श्री जितेन्द्र कुमार राय, क्षेत्र सं0-117 मढ़ौरा)

(नहीं पूछा गया)

तारांकित प्रश्न सं0-1519(श्री कृष्णनंदन पासवान)क्षेत्र सं0-13 हरसिद्धि(अ0जा0)

श्री जयंत राज, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पथ की लंबाई 6.6 कि0मी0 है। रामजी यादव के घर से दामोवृति बसावट को आर0डब्लू0डी0 पथ से पंचायत के द्वारा निर्मित पी0सी0सी0 जिसकी लंबाई 1 कि0मी0 है, से संपर्कता प्राप्त है । शेष 1.6

कि0मी0 पथ नहर के बांध पर अवस्थित है जिसपर कोई योग्य बसावट नहीं रहने के कारण इस पथांश को राज्य के किसी कोर नेटवर्क में सम्मिलित नहीं किया गया है । अत: पथ निर्माण का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

श्री कृष्णनंदन पासवान : मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि कोर नेटवर्क में नहीं है तो क्या माननीय मंत्री जी कोर नेटवर्क में जोड़कर इस सड़क का निर्माण करायेंगे और करायेंगे तो कब तक ?

श्री जयंत राज, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, चूंकि नहर के बांध पर अवस्थित है और इसमें कोई योग्य बसावट नहीं है । इसलिए इसमें अभी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, आगे देखा जायेगा।

श्री कृष्णनंदन पासवान: यह बहुत महत्वपूर्ण योजना है माननीय मंत्री जी इसको प्राथमिकता में देखिए ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : जब आप शांत होंगे तभी हम बोलेंगे । माननीय सदस्यगण, पहली बार सदन में नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी का प्रश्न आया है । क्या आप उस प्रश्न को सुनना चाहते हैं ? नेता प्रतिपक्ष का भी नहीं ? आप नेता प्रतिपक्ष का भी जवाब नहीं सुनना चाहते हैं ? नेता प्रतिपक्ष का प्रश्न है ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नहीं हैं । अच्छा अब बताइये महबूब जी, आप इतने लोग एक साथ बोलियेगा तो हम सुनेंगे ? एक आदमी बोलियेगा तो सुनेंगे, अब सब बोलियेगा तो सुनेंगे ही नहीं ।

(व्यवधान)

यह गलती कभी मत कीजियेगा टेबल के साथ छेड़छाड़, एक आदमी बोलिये । अरूण बाबू, आपके नेता महबूब जी हैं । जब भी बात करें तो दलीय नेता को बोलने दीजिए ।

(व्यवधान)

अच्छा बाकी लोग खड़े हैं, आप अपने स्थान से बोलिये माइक पर तो हम भी सुनेंगे । यहां से नहीं सुनेंगे, यहां से कैसे होगा ? हम कैसे सुनेंगे आप तो बोलियेगा । कैसे सुनेंगे, आप माइक पर बोलिये न । अच्छा क्या कहना चाहते हैं जरा सबलोग सुन लीजिए ।

(व्यवधान)

आपको भी नहीं सुनना चाहते हैं लोग । आपको भी सुनना नहीं चाहते हैं । आपलोग अपने स्थान पर जाइये तभी कोई बात सुनेंगे और प्रोसीडिंग में भी जायेगी ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, स्थल पर जाकर बोलें कार्य संचालन नियमावली में है कि इनको स्थान पर जाकर बोलना चाहिए । जहां से मन होगा वहां से कैसे बोल देंगे ? ये लोग

अपनी सीट पर जाकर बोलें, कहीं से बोल देंगे ? यह बहुत गंभीर बात है नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी प्रश्न लगाकर गायब हैं । महोदय, यह बहुत गंभीर बात है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : संजय सरावगी जी, बैठ जाइये । आप बोलें नेता प्रतिपक्ष की बात सुन लीजिए।

(व्यवधान)

व्यवस्था में सहयोग कीजिए, आपकी चिंता से हम सहमत हैं, लेकिन आप सहयोग कीजिए, पहले आप बैठ जाइये और लोगों को बैठा लीजिए । अब बोलिये, लेकिन स्थान पर जाकर बोलियेगा तभी तो प्रोसीडिंग में जायेगा । ऐसे नहीं जायेगा, स्थान पर जाकर बोलिये । आप स्थान पर जाइये हम कहेंगे, हम बोलेंगे । आप स्थान पर जाइये हम सरकार को फिर कहेंगे, जाइये अपने स्थान पर । देखिए, पहले स्थान पर जाइये तब हम बोलेंगे ।

(व्यवधान)

अब प्रश्नोत्तर काल समाप्त हुआ । जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हों उन्हें सदन पटल पर रख दिये जाएं ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अब कार्य स्थगन प्रस्ताव । जाइये अपनी सीट पर । माननीय सदस्यगण, कार्य स्थगन प्रस्ताव । माननीय सदस्यगण, क्या आप सुनना चाहते हैं ? क्यों कार्य स्थगन देते हैं जब सुनना नहीं चाहते हैं तो ?

(व्यवधान)

टर्न-7/ज्योति/10-03-2021

(व्यवधान)

कार्यस्थगन प्रस्ताव

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज दिनॉक 10.03.2021 के लिए माननीय सदस्यगण सर्वश्री महबूब आलम, अमरजीत कुशवाहा, अरुण सिंह, अजय कुमार, रामबली सिंह यादव, महानन्द सिंह, मनोज मंजिल एवं अजीत कुमार सिंह से कार्य स्थगन प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है ।

आज दिनॉक 10.03.2021 को सदन में वित्तीय वर्ष 2021-22 के आय-व्ययक में सम्मिलित अनुदानों की मांगों पर वाद-विवाद एवं मतदान का कार्यक्रम निर्धारित है ।

अतएव कार्य स्थगन की सूचना को बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम -172(3) के तहत नियमानकूल नहीं रहने के कारण कार्य स्थगन की सूचना को अमान्य किया जाता है ।

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा बार बार अनुरोध के बाद और माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने भी उनकी जो विपक्ष के माननीय सदस्य हैं जिन बातों को उन्होंने सदन में रखा है, उनको विस्तार से सुना है और यह प्रश्न काल कितना महत्वपूर्ण है । सभी प्रश्नों के जवाब लेकर सरकार के मंत्री आते हैं और आप सुनना नहीं चाहते हैं । इस सदन में पहली बार नेता प्रतिपक्ष का भी सवाल आया और कटाव जो हो रहे हैं उससे संबंधित प्रश्न है, उसको भी पूछने के लिए आज नेता प्रतिपक्ष नहीं है । बहुत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सदन चल रहा हो और नेता प्रतिपक्ष सदन से गायब हैं और जो विपक्ष के माननीय सदस्य हैं वे अपने आप को स्वतंत्र समझ रहे हैं और बिहार विधान सभा की कार्य संचालन नियमावली है, नियम के हिसाब से कोई प्रश्न पूछते हैं उसका सरकार जवाब देती है । मैं अनुरोध करना चाहता हूँ कि अब माननीय सदस्य अपने स्थान पर जायं जो भी सवाल उठाना चाहते हैं, जो भी प्रश्न पूछना चाहते हैं उसका सरकार जवाब देगी लेकिन नियम और नियमावली से सदन चलता है । इनको नियम और नियमावली से कोई मतलब नहीं है । ये सिर्फ हठधर्मिता कर रहे हैं । ये

जो कहते हैं वह सुनना पड़ेगा तो ऐसे सदन नहीं चलता है, सदन की कार्यवाही नियम और नियमावली से चलती है और इसमें पुराने माननीय सदस्य हैं और नये भी हैं और सब को नियमावली की जानकारी है तो हठधार्मिता करने से सदन नहीं चलता है पुनः आग्रह करता हूॅ कि अपने स्थान पर जायं और जो बात कहनी है, सरकार उसको सुनेगी और जवाब भी सरकार देगी ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बोलना है, माईक पर, अब शांति से सुनिये बोल रहे हैं ।

श्री भाई वीरेन्द्र : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष की बातों को सुनने के लिए सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी उपस्थित नहीं है, यह घोर आपत्तिजनक बातें हैं और मुख्यमंत्री को यहॉ उपस्थित रहना चाहिए चूंकि शराबबंदी है ।..

अध्यक्ष : बाकी लोगों को अपने स्थान पर बुला लीजिये तब आप बोलिये, तभी आपकी बात सुनी जायेगी । बैठ जाइये । महबूब साहेब आप अपने स्थान पर जाइये । शून्य काल लिए जायेंगे ।

शून्यकाल

श्री महानंद सिंह, श्री मनोज मंजिल, श्री रण विजय साहू ,

(उपर्युक्त माननीय सदस्यों द्वारा सूचना नहीं पढ़ी गई)

अध्यक्ष : श्री ललित नारायण मंडल ।

श्री ललित नारायण मंडल : अध्यक्ष जी, भागलपुर जिले के शाहकुंड प्रखंड में स्थित गिरवरनाथ पर्वत को एक पर्यटन स्थल में विकसित करते हुए इसे अतिक्रमण मुक्त कराया जाय ।

अध्यक्ष : धन्यवाद, 17 शब्दों में । श्री अरुण सिंह, श्री राम बली सिंह यादव ।

(माननीय सदस्यगण, श्री अरुण सिंह एवं श्री राम बली सिंह द्वारा सूचना नहीं पढ़ी गई)

अध्यक्ष : श्रीमती भागीरथी देवी ।

श्रीमती भागीरथी देवी : माननीय अध्यक्ष जी, ...

अध्यक्ष : अब इनको तो सुन लीजिये, पद्मश्री प्राप्त किए हुए हैं ।

श्रीमती भागीरथी देवी : अध्यक्ष महोदय, बेतिया जिलान्तर्गत प्रखण्ड गौनहा के ग्राम-मेघैली एवं मर्जदी के बीच हड़बोड़ा नदी (शाखा) पर पुल बनाया जाय ।

अध्यक्ष : श्री मिथिलेश कुमार ।

श्री मिथिलेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, सीतामढ़ी जिले में विगत 10 दिनों से लगातार क्रमिक आपराधिक घटना के क्रम में कल दिनॉक 09.03.2021 को अपराधी द्वारा रघुनाथपुरी के गुड्डु मिश्रा को गोली मारी गई । सीतामढ़ी की जनता कैसे जीवन बसर करे सरकार अपराध नियंत्रण को गंभीरता से कब लेना चाहेगी ।

अध्यक्ष : श्री आलोक कुमार मेहता ।

(माननीय सदस्य श्री आलोक कुमार मेहता द्वारा सूचना नहीं पढ़ी गई)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य सुनिये । नहीं सुनियेगा तो फिर हम बोलेंगे कैसे ? अब सुन लीजिये। आप सुनियेगा हमारी बात ? माननीय सदस्य मेहता जी, लोकतंत्र में अधिकार है लेकिन अधिकार के साथ जिम्मेवारी और कर्त्तव्य भी है । सदन की गरिमा बढ़ाने की जिम्मेवारी सभी सदस्यों की है । जब आपने विषय उठाया और उस विषय पर सभी दलीय नेताओं को बोलने का समय दिया, संसदीय कार्य मंत्री जी बोले उस पर भी संतुष्ट नहीं हैं, तो हमने यहॉ तक कहा, सुन लीजिये । अब सुन लीजिये । श्री समीर कुमार महासेठ ।

(श्री समीर कुमार महासेठ, मा0 सदस्य द्वारा सूचना नहीं पढ़ी गई)

अध्यक्ष : श्रीमती शालिनी मिश्रा ।

श्रीमती शालिनी मिश्रा : अध्यक्ष महोदय, पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत केसरिया प्रखंडान्तर्गत बथना पंचायत के प्रदुम्न छपरा तथा कल्याणपुर प्रखंड के मदन सिरसिया पंचायत में उप

स्वास्थ्य केन्द्र हेतु जमीन उपलब्ध है । उपर्युक्त दोनों जगहों पर निर्धारित जमीन पर उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन बनाया जाय ।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, सुनिये, सुनिये । सुनियेगा ? देखिये यह सब प्रशिक्षण नये सदस्यों के लिए ठीक है आप वरीय सदस्यों से आग्रह है कि इन लोगों को अपने स्थान पर बैठाएं।

अब बैठ जाइये । क्या चाहते हैं कि सदन स्थगित कर दें ? आप सदन स्थगित कराना चाहते हैं । नहीं, आप साफ-साफ बताइये । अगर आप बहस करना चाहते हैं तो स्थान पर जाइये । ऐसे बोलियेगा तो कैसे सुनेंगे ? शांत करियेगा तब न सुनेंगे । सुनिये नेता बोल रहे हैं न आपके...

श्री ललित कुमार यादव : अध्यक्ष महोदय, सरकार की ओर से यह कहा गया कि नियमावली और नियम के तहत सदन चलना चाहिए । हमलोग चाहते हैं कि बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम के तहत सदन चले । हमलोग आपका सर, आसन को और सरकार को हरेक दिन सहयोग करते हैं लेकिन सरकार की बेतुकी दलील और उसके बावजूद भी सरकार असत्य बोलती रही है, सरकार जवाब गलत देती रही है तब भी महोदय, सदन को हमलोग सहयोग देकर चलाए हैं सरकार जिस तरह से...

अध्यक्ष : सरकार तो तैयार है जवाब देने के लिए ।

श्री ललित कुमार यादव : मुख्यमंत्री जी आयें और महोदय जवाब दे ।

अध्यक्ष : नेता, संसदीय दल बोलें । आप आसन पर जाकर बोलिए, पहले आसन पर बैठिये ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, मुख्यमंत्री जी । ...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : पहले अपने स्थान पर जाकर बैठ जाइये । आज सारे विभाग हन्ड्रेड परसेंट जवाब बनाते हैं । रात भर जग कर, पूरे प्रखंड से लेकर जिला से विभाग तक, सदन को डिस्टर्ब मत करिये । सदन डिस्टर्ब नहीं होगा । सभी माननीय सदस्य प्रश्न डालते हैं और सदन जनता के प्रति जवाबदेह है । आप अपने विषय को अपने स्थान से उठाइये आपकी बात सुनी जायेगी । श्री संजय कुंमार तिवारी, श्री सुधाकर सिंह।

(श्री संजय कुमार तिवारी एवं श्री सुधाकर सिंह माननीय सदस्यों द्वारा सूचना नहीं पढ़ी गई)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री जय प्रकाश यादव ।

(व्यवधान)

टर्न-8/पुलकित-अभिनीत/10.03.2021

(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश यादवः अध्यक्ष महोदय, अररिया जिला के नरपतगंज प्रखंड अंतर्गत फरही पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय...

अध्यक्षः माननीय सदस्य, एक मिनट ।

(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश यादवः महोदय, कुंडीलपुर से मुसहरी टोला होते हुए पुरानी 17 नंबर सड़क तक की सड़क के पक्कीकरण एवं पुल निर्माण की मांग मैं सदन के माध्यम से करता हूँ ।

(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, जब तक आप अपने स्थान पर जाकर नहीं बोलेंगे तब तक आपकी कोई भी बात प्रोसीडिंग में नहीं जायेगी, इसलिए आप अपने-अपने स्थान पर जाकर बोलिये ।

(व्यवधान)

श्री पवन कुमार जायसवालः अध्यक्ष महोदय, राज्य में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डी0आर0डी0ए0) के स्वीकृत 2046 पदों के विरूद्ध मात्र 252 कार्यरत हैं । मैं सरकार से डी0आर0डी0ए0 को पुनगर्ठित कर रिक्त पदों पर कर्मियों का नियोजन करने अथवा जिला परिषद्/समाहरणालय में समायोजित कर अनुभवी कर्मियों का लाभ सरकारी कार्यों में लेने की मांग करता हूँ ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, सदन में कई माननीय सदस्यगण ऐसे हैं जो बीमार हैं, इनमें हार्ट पेसेंट्स भी हैं । हमारे बगल में माननीय सदस्य, लाल बाबू भी हैं, इनको शोर से परेशानी हो रही है ।

(व्यवधान)

अध्यक्षः आप बैठ जाइये । माननीय सदस्यगण, अपने स्थान पर जाकर बोलिये । आपका कार्यस्थगन प्रस्ताव एक ही है, दो नहीं हैं, खगड़िया के मामले पर है, शराबबंदी पर आपका कार्यस्थगन प्रस्ताव नहीं है ।

(व्यवधान)

अगर आप जबर्दस्ती सदन को स्थगित कराना चाहते हैं तो सदन ऐसे नहीं चलेगा, इसलिए सुन लीजिये ।

(व्यवधान)

माननीय सदस्यगण, आपका शराबबंदी पर कोई कार्यस्थगन प्रस्ताव नहीं है, खगड़िया पर कार्यस्थगन है । आसन की बात को अगर आप नहीं सुनेंगे तो आसन आपकी बात को कैसे सुनेगा, इसलिए पहले आसन की बात सुनिये ।

(व्यवधान)

यह आसन सभी माननीय सदस्यों की बातों को सुनने के लिए गंभीर है । क्या आप चाहते हैं कि सदन स्थगित हो जाय ?

(व्यवधान)

माननीय सदस्यगण, सुन लीजिये । आप लोगों की भावना है, देखिये पीछे से माननीय सदस्य कह रहे हैं कि सदन स्थगित मत करिये । सुन लीजिये, सदन स्थगित नहीं करते लेकिन आप सदस्यों की भावनाओं को देखते हुए, क्योंकि आप काफी देर से खड़े हैं, सम्मान करते हुए....

(व्यवधान)

अब सदन की कार्यवाही 02:00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

टर्न-9/हेमंत-धिरेन्द्र/10.03.2021

(अन्तराल के बाद)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है । अब वित्तीय कार्य लिये जायेंगे ।

वित्तीय कार्य

अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, पथ निर्माण विभाग की अनुदान की मांग पर वाद-विवाद, सरकार का उत्तर एवं मतदान होगा । इसके लिए तीन घंटे का समय उपलब्ध है । विभिन्न दलों को उनकी सदस्य संख्या के आधार पर समय का आवंटन निम्न प्रकार किया जाता है । इसी समय में से सरकार को उत्तर के लिए भी समय दिया जायेगा।

राष्ट्रीय जनता दल	-	56 मिनट
भारतीय जनता पार्टी	-	55 मिनट
जनता दल यूनाइटेड	-	33 मिनट
इंडियन नेशनल कांग्रेस	-	14 मिनट
सी0पी0आई0(एम0एल0)	-	09 मिनट
ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन	-	04 मिनट
हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा	-	03 मिनट
विकासशील इंसान पार्टी	-	03 मिनट
सी0पी0आई0एम0	-	01 मिनट
सी0पी0आई0	-	01 मिनट
लोक जनशक्ति पार्टी	-	01 मिनट

माननीय मंत्री, पथ निर्माण विभाग अपनी मांग प्रस्तुत करें ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि:

''पथ निर्माण विभाग'' के संबंध में 31 मार्च, 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान जो व्यय होगा, उसकी पूर्ति के लिए 58,03,60,49,000/-(अठ्ठावन अरब तीन करोड़ साठ लाख उनचास हजार) रूपये से अनधिक राशि प्रदान की जाय ।''

यह प्रस्ताव राज्यपाल की सिफारिश पर किया गया है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपको मौका मिलेगा, आप ही तो शुरू करेंगे । आपको मौका मिलेगा, सुन लीजिए ।

इस मांग पर माननीय सदस्य श्री विजय शंकर दूबे, श्री राजेश कुमार, श्री अजीत शर्मा, श्री सत्यदेव राम, श्री अखतरूल ईमान, श्री सुधाकर सिंह एवं श्री महबूब आलम से कटौती प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं । ये सभी व्यापक हैं, जिस पर सभी माननीय सदस्य विचार-विमर्श कर सकते हैं । माननीय सदस्य श्री विजय शंकर दूबे का प्रस्ताव प्रथम है अतएव माननीय सदस्य श्री विजय शंकर दूबे अपना कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करें ।

श्री विजय शंकर दूबे : महोदय, कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करने से पहले....

अध्यक्ष : आपका समय शुरू हो गया है ।

श्री विजय शंकर दूबे : महोदय, मैं आसन से निवेदन करता हूं । महोदय, आज प्रथम पाली में डेड लॉक हो गया था, सदन डिसऑर्डर हो गया । समस्त विपक्ष का आपसे अनुनय था, विनती थी कि शराबबंदी पर पूरे राज्य में मखौल का माहौल है...

अध्यक्ष : उस पर चर्चा हो चुकी ।

(व्यवधान)

श्री विजय शंकर दूबे : महोदय, और....

(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, यह नयी परंपरा की शुरुआत हुई है और बिहार विधान सभा की कार्य संचालन नियमावली की विपक्ष के द्वारा धज्जियां उड़ायी जा रही है । महोदय, मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि बिहार विधान सभा की कार्य संचालन नियमावली के हिसाब से माननीय सदस्यों से बात करने के लिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं । बिहार विधान सभा की कार्य संचालन नियमावली के हिसाब से अपनी बातों को रखें ।

श्री विजय शंकर दूबे : अध्यक्ष महोदय,....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : ठीक है । आप बोलिये विजय बाबू । सभी सदस्य बैठ जाइये । बोलिये ।

श्री विजय शंकर दूबे : महोदय, समस्त विपक्ष की एक मांग थी, एक विनती थी....

अध्यक्ष : आपका दो मिनट ही समय है ।

श्री विजय शंकर दूबे : महोदय, दो मिनट नहीं । मैं प्रथम वक्ता हूं, मेरा दो मिनट ही कैसे होगा?

अध्यक्ष : यह अपने नेता से पूछिये ।

श्री विजय शंकर दूबे : महोदय, यह आसन को चाहिए था कि सभी दलों के नेताओं को, पूर्व की परंपरा यह रही है और एक बार आसन के श्रीमुख से निकला था कि हम बहस करा

देंगे, बहस करा देने में सरकार को आंच क्या है और महोदय, आपको वार्ता करके इस मामले का हल निकाल लेना चाहिए था । इन्टायर अपोजिशन को आप ऐसे अगेंस्ट में रख कर और सत्तापक्ष सत्ता के मद में चूर होकर, पागल होकर केवल अपनी बात कहना चाहती है । महोदय, इसीलिए हमारा आसन से अनुरोध है कि आप डिस्कशन के लिए समय निर्धारित कर दीजिए ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाएं, आपका दो मिनट हो गया ।

श्री विजय शंकर दूबे : महोदय, नहीं । अभी तो हमने प्रस्ताव मूव ही नहीं किया है ।

अध्यक्ष : आपने जो बोला है, सुन लिया गया है । अब, सुन लीजिए ।

श्री विजय शंकर दूबे : और कटौती प्रस्ताव....

अध्यक्ष : आप जो प्रथम पाली की बात कर रहे हैं....

(व्यवधान)

आप शराब के प्रति गंभीर नहीं हैं । हमने प्रथम पाली में कहा था । अब, सुनिये ।

(व्यवधान)

आप सुन लीजिये । नहीं सुनियेगा, तब आप बोलते रहिये, आप सौ लोग बोलेंगे तो हम कैसे बोलेंगे ?

(व्यवधान)

आप बैठ जाइये, पहले बैठ जाइये ।

(व्यवधान)

अगर आप शराब के प्रति गंभीर होते, हमने सभी दलीय नेताओं को अवसर दिया, ध्यान से सुनते, संसदीय कार्य मंत्री बोले और सरकार स्पष्ट तौर पर कह रही है कि आपका कोई सुझाव है तो सरकार ग्रहण करेगी । लेकिन शराब के मामले पर आप गंभीरता दिखाने के बजाय सदन स्थगित करने में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं । सदन स्थगित कराकर माननीय सदस्यों के जनहित के प्रश्नों के समय का नुकसान किया । सदन के प्रति आपकी जवाबदेही कमतर आंकी जा रही है ।

(व्यवधान)

हमने तो आपको अवसर दिया था कि बैठ जाइये, प्रश्नोत्तर काल हो गया । शून्यकाल में हमने आपको बोलने का अवसर दिया था लेकिन आप लोग तो उस पर बोले ही नहीं । आप अपनी जगह पर बैठ कर बात करेंगे, तो सुनेंगे । देखिये, आप सब लोगों ने मिलकर एक अच्छा वातावरण बनाया है । बैठ जाइये, आपस में हम लोग...

(व्यवधान)

विपक्ष सरकार का अंग है, आईना दिखाने का अधिकार है । हमने पहले भी फर्स्ट आवर में कहा, पहली पाली में कि आपके पास प्रमाणिकता है तो आप सभा पटल पर उपलब्ध करायें और नहीं है तो असत्य बयानबाजी सदन के अंदर न हो । चलिये ।

(व्यवधान)

श्री विजय शंकर दूबे जी ।

श्री विजय शंकर दूबे : अध्यक्ष महोदय, इसका निराकरण तो आसन से हो जाय....

अध्यक्ष : ऑर्डर में लाने की जिम्मेवारी अध्यक्ष के साथ-साथ सभी माननीय सदस्यों की भी है और अगर आप आसन की बातों को नहीं सुनेंगे, नहीं मानेंगे, तो आप ही बतायें कि उस पर क्या होना चाहिये ।

(व्यवधान)

तो पहले बैठ जाइये । श्री विजय शंकर दूबे जी सीनियर नेता हैं, बोल रहे हैं तो बैठ जाइये ।

(व्यवधान)

नहीं यह गलत है, आसन को ऑर्डर में लेने का आप आग्रह कर रहे हैं और आसन के आग्रह को आप मान नहीं रहे हैं । बैठ जाइये, सभी लोग बैठिये । आपको मौका देंगे, बैठ जाइये, माननीय ललित यादव जी । माननीय सदस्य, पहले उनकी बात सुन लीजिये ।

श्री विजय शंकर दूबे : श्री ललित यादव जी, बैठ जाइये ।

अध्यक्ष : आपका यह सुझाव है, तो यह सुझाव उस समय बोलते, कितनी मेहनत से सुबह-सुबह सब शून्यकाल में आये थे, आप यही बात सुबह में कहते, हम तो अध्यक्षीय कार्यालय में सबको बुलाते, लेकिन आप तो उस समय बोले नहीं । अब, बैठ जाइये, अब उनको बोलने दीजिये ।

(व्यवधान)

आप बैठ जाइये, सर्वजीत जी । हमारी जिम्मेवारी हमें पता है, अगर हम भूल रहे थे तो आप हमको बता देते । बैठ जाइये । अभी आपकी जिम्मेवारी है कि आप आसन की अनुमति के बिना बोल रहे हैं । कोई बात प्रोसीडिंग में नहीं जायेगी । आसन की अनुमति के बिना कोई बात प्रोसीडिंग में नहीं जायेगी । आप बैठ जाइये । जब वह बोल रहे थे तो आप खड़े हो गये ।

श्री विजय शंकर दूबे : भाई वीरेन्द्र जी । बैठ जाइये ।

अध्यक्ष : पहली पाली में भी हमने आग्रह किया कि जब वरीय सदस्य खड़े होते हैं, अब उधर दूबे जी, भाई वीरेन्द्र जी खड़े होते हैं, तो आप किसलिये खड़े हो गये ? जब पुराने सदस्य खड़े हों, अगर नये सदस्य सम्मान नहीं करेंगे तो कोई व्यक्ति नहीं बोल पायेंगे ।

टर्न–10/सुरज–संगीता/10.03.2021

श्री विजय शंकर दूबे : महोदय, आसन का सम्मान सारे विपक्षी सदस्य और इस बार का सदन आसन के आर्डर में संचालित हो रहा था और स्वस्थ परंपरा की ओर यह सदन अग्रसर था लेकिन महोदय, अपोजिशन को भी विश्वास में आसन से प्रोटेक्शन नहीं मिलेगा You are custodian of the House, आप हमारे भी कस्टोडियन हैं महोदय । आपके आदेश का पालन करता है पूरा विपक्ष । आपको उपाय निकालना चाहिए था । पुनः मैं विनती करता हूं कि आप इसका सॉल्यूशन निकाल दें और सदन चलेगा लेकिन अध्यक्ष महोदय, सदन विपक्ष इन्टायर राय–सलाह से यह तय हुआ कि आसन से अनुरोध किया जाये और आसन को कहा जाय कि जो स्वस्थ परंपरा चली आ रही है वर्षों–वर्षों से । महोदय, आसन नियम–कायदा और परंपरा दोनों से चलता है और आप उसको भलीभांति जानते हैं, आप भी पुराने सदस्य हैं तो इसका निराकरण आपको निकालकर माननीय सदस्य अपोजिशन के लीडर को भी बुला लेते, सत्ता पक्ष के लोगों को बुला लेते, संसदीय कार्यमंत्री जी को बुला लेते और बैठ करके इसका निराकरण निकालकर इन्टायर अपोजिशन एक आग्रह करता केवल डिस्कशन का, उसको मान लेने में महोदय कोई ऐतराज नहीं है । इसलिए तय हुआ है कि हमारा अनुनय–विनय आप से हो और आपके आसन का मार्गदर्शन होगा, तभी हमलोग यह कटौती प्रस्ताव मूव करेंगे ।

श्री अवध विहारी चौधरी : महोदय, सकारात्मक विचार किया जाय ।

अध्यक्ष : सकारात्मक विचार के लिये, सकारात्मक वातावरण बनाने की जरूरत है और अब वित्तीय कार्य है पथ निर्माण पर अपना पक्ष लोग रखेंगे आप विकास के कामों को सुनें ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कुमार सर्वजीत...

(व्यवधान)

कुमार सर्वजीत । रामानुज जी, क्या कहना है आपको....

(व्यवधान)

बैठ जाइये । आपलोग सुनिए, कोई सदस्य कुछ कह रहे हैं । आपलोग सुनिए, नए लोग जरा सुनिए वरीय लोगों को ।

(व्यवधान)

डॉ0 रामानुज प्रसाद : एक मामला है अध्यक्ष महोदय, 14 तारीख को आर0आर0बी0 और बिहार पुलिस भर्ती चयन आयोग की परीक्षा आयोजित है । बिहार के बेरोजगार छात्रों के हित में सरकार को निदेशित किया जाय कि सरकार अपनी परीक्षा एक दिन आगे या पीछे 14 तारीख से बढ़ाये या घटाये, 14 तारीख को पूरे देश में आर0आर0बी0 की परीक्षा है, उसी दिन बिहार पुलिय चयन आयोग ने भी सिपाही भर्ती के लिए तिथि आयोजित किया हुआ है, इसको बढ़ाया जाये ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : सुनिए । बच्चों की नौकरी के संदर्भ में ये रख रहे हैं, आपको उससे मतलब नहीं है ? रोजगार से मतलब नहीं है न आपको....

(व्यवधान)

रोजगार से मतलब नहीं है ।

श्री अवध विहारी चौधरी : महोदय...

अध्यक्ष : उन्होंने परीक्षा से संबंधित विषय को रखा है, बहुत गंभीर विषय है ।

श्री अवध विहारी चौधरी : महोदय, वह विषय है लेकिन अभी जो विषय है कि कटौती प्रस्ताव मूव किए हैं, दिए हैं माननीय सदस्य श्री विजय शंकर दूबे जी । उन्होंने कटौती प्रस्ताव मूव नहीं किया है इसीलिए...

अध्यक्ष : नहीं किए हैं तो हम मूल प्रस्ताव पर ले लेंगे विमर्श ।

श्री अवध विहारी चौधरी : नहीं महोदय, ले लेना वह अलग बात है । हुजूर, आप सर्वोपरि हैं लेकिन सदन को चलाने में, स्वस्थ परंपरा बनाने में सरकार की भी भूमिका होनी चाहिए । सदन चाहता है कि मुख्यमंत्री जी आकर के वक्तव्य दे दें तो आसन को कहना चाहिए कि आवें और वक्तव्य दें ताकि शांतिपूर्ण वातावरण में यह सदन चले । हमें यही कहना है ।

अध्यक्ष : अच्छा ठीक है । अब सुन लीजिए, कोई गाड़ी एक पहिया से चलेगी ? दोनों पहिया समान रूप से चलेगा, पक्ष-प्रतिपक्ष दोनों की जिम्मेवारी है सदन चलाने की ।

(व्यवधान)

श्री सत्यदेव राम : महोदय, आप एक ही पहिया पर चला रहे हैं । विपक्ष दोनों पहिये की मांग कर रहा है, आप उस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं...

(व्यवधान)

श्री प्रमोद कुमार, मंत्री : ये पुराने सदस्य हैं महोदय, और आसन की तरफ ये ऊंगली दिखाकर बता रहे हैं...

(व्यवधान)

ये नियमावली की धज्जी उड़ा रहे हैं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सत्यदेव जी...

आप बैठ जाइये, सबलोग बैठिये । देखिये सबके हित की चिन्ता हमें है, बैठ जाइये । सब लोग बैठ जाइये...

(व्यवधान)

आप बैठ जाइये न । बैठ जाइये, बैठ जाइये...

(व्यवधान)

अभी देखिये नारा कितना बुलंद लगा रहे हैं, और शून्यकाल पढ़ने में माइक खोजते हैं । बैठ जाइये, बैठ जाइये...

(व्यवधान)

आप लोग बैठियेगा तब न ऑर्डर में आयेगा...

(व्यवधान)

दोनों काम कैसे होंगे । खड़े भी रहियेगा, ऑर्डर में भी आयेगा...

(व्यवधान)

श्री विजय शंकर दूबे जी, आप मूव करेंगे ? कटौती प्रस्ताव मूव करेंगे...

(व्यवधान)

आप नहीं मूव करेंगे । श्री कुमार सर्वजीत ।

(व्यवधान)

श्री कुमार सर्वजीत । सब लोग पहले बैठ जाइये ।

टर्न-11/राहुल-मुकुल/10.03.2021

श्री संजय सरावगी: महोदय, जो सरकार के पक्ष में हैं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, कृपया आपस में बातचीत न करें, फिर आपस में बातचीत न करें । माननीय सदस्यगण, सदन चलाने की जिम्मेवारी सभी की है और इसी को लेकर हमने सुबह में प्रश्नकाल में सभी दलीय नेताओं को बोलने का अवसर दिया और हमने कहा कि आप लोगों ने अपने विषय को रखा है, अपने स्थान पर बैठ जाइये, अपने स्थान से कहिये, आपकी बात को सुनेंगे लेकिन आप लोगों ने सदन स्थगित कराने में जो अपनी एनर्जी लगायी वह अपनी बात को ढंग से कहने में लगाते तो सदन की स्वस्थ परंपरा आगे बढ़ती रहती ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल: अध्यक्ष महोदय, सभी सदस्य चाहते हैं कि सदन चले और जो भी सदस्य, जिनका प्रश्न है, जो मुद्दे उठाए गये हैं तो विपक्ष यह भी चाहता है कि

सरकार उसका जवाब दे । हम लोग तो चाहते हैं कि मुख्यमंत्री जी यहां आयें और शराब को लेकर के जो जिक्र है उसका जवाब दें, हम लोग बंद कहां कराना चाहते हैं । हम लोग बंद कराना तो चाहते ही नहीं हैं, हम लोग तो चाहते हैं कि सरकार जवाब दे और महोदय, जब इस विषय पर चर्चा हो रही है तो कई बार होता है कि समय भी बढ़ा दिया जाता है लेकिन मुख्यमंत्री जी को, महोदय, जब पूरा सदन और कई सदस्य जो हैं अगर वे मुद्दे को उठा रहे हैं तो यह अतिमहत्वपूर्ण का मुद्दा है और इससे लोगों को जान-माल का नुकसान हो रहा है और जब शराबबंदी है तो शराब उपलब्ध कैसे हो गया । महोदय, अभी पता चला कि जो एक मंत्री हैं, नाम तो नहीं लेना चाहिए । महोदय, उनके कैम्पस से, जमीन से कई बोतलें बरामद हुई हैं, कई कार्टन बरामद हुई हैं । महोदय, मुजफ्फरपुर से ही जीतकर आते हैं, लेकिन मुजफ्फरपुर से ही जीतकर आते हैं मंत्री जी, राम सूरत कुमार जी जो रेवेन्यू मिनिस्टर हैं, मुजफ्फरपुर में उनके कैम्पस से ही बरामद हुई हैं । महोदय, यह तो अतिमहत्वपूर्ण विषय है कि सरकार में जो लोग हैं, सत्ता में जो लोग हैं वे लोग जवाब देने से भाग रहे हैं, हम लोग तो चाहते हैं कि सदन चले ।

श्री श्रवण कुमार, मंत्री: अध्यक्ष महोदय, प्रथम पाली में जितने दलीय नेता हैं, आर0जे0डी0 के माननीय सदस्य ने भी अपने विचार को रखा, कांग्रेस के भी नेता ने विचार रखा, माले के नेता ने भी विचार रखा और अन्य नेताओं ने भी अपने विचार को आसन के निर्देश से अपनी बात को सदन में रखा । महोदय, आसन चाहता है और सरकार भी चाहती है कि सदन चले लेकिन जिस तरीके से सदन में नियमावली बनी है, महोदय, अगर नियमावली के हिसाब से कोई प्रश्न माननीय सदस्य उठाते हैं तो सरकार उसका उत्तर देती है लेकिन किसी भी प्रश्न को कभी भी अगर उठा देंगे, किसी भी बात को कभी लेकर सदन में वेल में आ जायेंगे और कहेंगे कि इस प्रश्न का जवाब चाहिए तो सरकार तो नियम से बंधी हुई है, सरकार तो नियमावली से बंधी हुई है तो महोदय, नियमावली के हिसाब से जो प्रश्न लाये जायेंगे उसका हम लोग जवाब भी देंगे और जहां तक महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष: देखिय, सिद्धार्थ जी, यह गलत है । जब नेता प्रतिपक्ष बोले, तो कोई उठे ? नहीं, नहीं, आपकी बात कुछ नहीं सुनेंगे और न ही प्रोसीडिंग में जायेगी । देखिये, माननीय सदस्यगण, हम एक आग्रह करेंगे कि नेता प्रतिपक्ष, दलीय नेता, विरोधी दल के मुख्य सचेतक, सत्ताधारी दल के मुख्य सचेतक ये सब लोग जब बोलें तो कोई भी माननीय सदस्य सदन की गरिमा को ध्यान में रखकर बीच में खड़े न हों और अगर आप खड़े होते हैं तो यह सदन का अपमान है । इसलिए इतनी मर्यादा हम लोग रखें, क्योंकि सबकी चिंता जनता के हित में है, जनता के लिए ही आप भी कर रहे हैं, नेता प्रतिपक्ष ने ही कहा था कि विपक्षी दल भी सत्ताधारी दल के अंग हैं, सरकार के अंग हैं इसलिए यह

ध्यान में रखिए और बोल रहे हैं तो सुनिये । कोई जरूरी है कि और वरीय लोग बैठे हैं उनके बजाय आप बोलेंगे तो अपका कद और महत्व बढ़ जायेगा ऐसा नहीं होगा । बोलिए।

श्री श्रवण कुमार, मंत्री: अध्यक्ष महोदय, कभी-कभी तो इधर से निर्देश मिलता है कि बैठ जाइए । अध्यक्ष महोदय, माननीय संसदीय कार्य मंत्री ने बड़े विस्तार से प्रथम पाली में अपनी बात को रखा है और सदन में जो बातें कही गई हैं सरकार के संज्ञान में आई हैं । जब सरकार ने संज्ञान लिया है तो उस पर सरकार कार्रवाई करेगी और जहां तक माननीय नेता विरोधी दल ने एक माननीय सदस्य का सवाल उठाया है । महोदय, अखबार में हमने भी आज उन बातों को देखा है कि उनके पिताजी के नाम से कहीं स्कूल खुला है और उस स्कूल में इस तरह की सामग्री प्राप्त होने की खबर अखबार में छपी है उनका घर है कि नहीं हम नहीं जानते है । महोदय, सीधा आरोप लगाना, जब तक जांच नहीं हो जाती है तो इस तरह के आरोप नहीं लगने चाहिए । संसदीय प्रणाली में, संसदीय व्यवस्था में, संसदीय लोकतंत्र में यह सबको अधिकार है, किसी भी सवाल को उठाने का, किसी भी बात को कहने का, लेकिन इस तरह के सीधे आरोप नहीं लगाए जाते हैं । जहां तक अन्य माननीय सदस्यों के द्वारा जो बात उठाई गई है वह सरकार के संज्ञान में है, सरकार ने उसको संज्ञान में लिया है तो सरकार उस पर कार्रवाई करेगी।

अध्यक्ष: आप बैठ जाइए सत्यदेव जी ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी नियमावली का हवाला दे रहे हैं, कई बार इस सदन में ऐसा देखा गया है जब अतिमहत्वपूर्ण विषय आते हैं तो सरकार जवाब दी है, इतिहास में भी । नियमावली क्या है ? नियम क्या है? जनता के सवाल को हमको उठाना है और आपको बताना है कि आप क्या कार्रवाई कर रहे हैं, क्या काम कर रहे हैं ? उस सवाल का जवाब देना है । सारे नियमावली तो इसी से बंधे हुए हैं । हमने मंत्री पर कोई आरोप नहीं लगाया है । ऐसी खबरें आई हैं, जिस खबर का आपने भी हवाला दिया है कि अखबार में ऐसा छपा है, महोदय, मंत्री जी इस सदन के सदस्य हैं अगर उनके ऊपर ऐसी बातें अखबारों में आई हैं तो इस सदन को भी जानने का अधिकार है और बिहार के लोगों को भी जानने का अधिकार है और आप कह रहे हैं कि सारी चीजों को संज्ञान में लिया है तो क्या कार्रवाई कर रहे हैं, यहीं तो हम सुनना चाहते हैं ? सिर्फ ये बोलकर के हट जाना कि हम संज्ञान में ले लिए हैं सारी चीजों को देखा जाएगा, लेकिन कार्रवाई क्यों नहीं होती यह भी देखा जाय ?

अध्यक्ष: नेता प्रतिपक्ष, आप बैठ जाइए । सदन नियमावली से चलता है । प्रश्न उठाने का सबको अवसर भी मिलता है । कार्यस्थगन प्रस्ताव का भी अवसर मिलता है । इस मामले पर कार्यस्थगन प्रस्ताव नहीं आया । हम लोगों ने कहा कि आपकी भावना और गंभीरता को

देखते हुए दलीय नेता अपनी बात को रख दें, लोगों ने रखा भी । गंभीरता से संसदीय कार्य मंत्री जी ने इसका जवाब भी दिया और जब विषय...

(व्यवधान)

आप ही बोलिए । बैठे-बैठे बोलना है तो बोलिए । बैठकर नहीं खड़े होकर बोलिए । कुछ बोलना चाहते हैं, बोलिए । ऐसे करिएगा ? सदस्य हैं बैठकर नहीं, खड़े होकर बोलिए ।

श्री मोहम्मद कामरानः महोदय, संसदीय कार्य मंत्री जी ने जवाब तो नहीं दिया था, भाषण दिया था, तो हम लोग तो जवाब का वेट कर रहे थे ।

टर्न-12/अंजली-यानपति/10.03.2021

अध्यक्षः बस हो गया न । माननीय सदस्य, इसी विषय को आप खड़े होकर अनुमति लेकर बोलिये। यही विषय, आप देखिये आप बोलते रहेंगे और चार माननीय सदस्य इस तरह से बैठे-बैठे बोलेंगे तो कितना बुरा लगता होगा ? जो खुद अच्छा नहीं लगता उसकी अपेक्षा दूसरों से मत रखिये, यही आग्रह तो हम आपसे करते हैं । अब कुमार सर्वजीत जी।

(व्यवधान)

और यह समय जो है जितना बोल रहे हैं सबका वह घटते जा रहा है जो शेष बचेगा उसी पर अभी चर्चा होगी ।

श्री संजय सरावगीः अध्यक्ष महोदय, सबका समय क्यों घटेगा, विपक्ष का घटना चाहिये ।

अध्यक्षः ठीक है, जो बोलेंगे उनका समय घटेगा ।

श्री कुमार सर्वजीतः महोदय, सुबह में यह बात विपक्षियों के द्वारा रखी गयी थी कि मीडिया में जो चीज दिखाया गया, शराब माफिया ने बयान दिया कि हम अधिकारियों को हफ्ता पहुंचाते हैं और हम शराब बेचते हैं । सदन ने सिर्फ यही कहा था विपक्षियों ने यही कहा था महोदय कि जो शराब माफिया ने बयान दिया उसके खिलाफ जिस-जिस थाना के एरिया में शराब बिक्री संज्ञान में आयी है कि क्या वैसे थानेदार जिले के एस0पी0 को सरकार बर्खास्त करेगी कि नहीं करेगी यही हमारी मांग हुई थी ।

अध्यक्षः आपसे तो हमने पूछा भी कि अगर नाम है तो उपलब्ध करा दीजिये सरकार को ।

श्री कुमार सर्वजीतः महोदय, चूंकि बिहार में डेढ़ लाख से ऊपर दलित का बेटा जेल के अंदर बंद है महोदय और उसकी पत्नी और उसका बेटा भीख मांग रहा है महोदय और माफिया कह रहा है कि हम थानाओं से मिलकर के शराब बेच रहे हैं तो यह दोषी क्या दलित का बेटा और दलित की मां और उसकी बहू-बेटी क्यों बनेगी महोदय हम इसी चीज की तो मांग रख रहे हैं सुबह से कि सरकार इसपर बहस कराये कि वैसे अधिकारी जिसके बारे

में मीडिया में यह बताया गया है कि इनकी मिलीभगत से शराब माफिया शराब बेच रहे हैं तो वैसे अधिकारी को आप बर्खास्त करना चाहते हैं कि नहीं चाहते हैं ?

अध्यक्ष: हमने तो आपको प्रथम पाली में स्वयं अवसर दिया था कि आपलोग शांति से सदन चलाइये दोनों पक्षों की सहमति से हम डिबेट करायेंगे लेकिन आपने बात को स्वीकार नहीं किया । सदन के चलने में आपलोग बाधा उत्पन्न करते रहे । आपने तो अवसर गंवा दिया और जब अवसर गंवा देते हैं और फिर आपलोगों को हम कह रहे हैं कि आप भी सरकार के अंग हैं, सरकार के संकल्प में आप भी सम्मिलित रहे हैं यही सदन गवाह है कि सर्वसम्मति से शराबबंदी पर हमलोगों ने शपथ ली थी, संकल्प लिया था, हाथ उठाया था और आज पुन: आपकी चिंता है कि शराबबंदी पूर्णत: हो दोषी बचे नहीं और निर्दोष फंसे नहीं । क्या सबकी सहमति है न ! अगर सहमति है तो प्रामाणिकता के साथ हम अलग से एक बार सभी दल के नेताओं के साथ बैठ जाएंगे और उस पर विमर्श कर लेते हैं ठीक है । अब चलने दीजिए, चलाइए आगे । एक चीज बता देते हैं सदन चलेगा तो माननीय सदस्यों को लाभ है और सदन सिर्फ हमारे से नहीं चलेगा, बिना सब के सहयोग से नहीं चलेगा । आज आपके बारे में बड़ा सकारात्मक रुख गया है । मीडिया के लोग भी बैठे हैं । पहले, पहले दिन के बाद सदन दूसरे दिन से ही शुरू होता था कि विधायक अपनी जिम्मेवारी को नहीं निभा रहे हैं लेकिन आज पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों सदस्य मिलकर के जिस गंभीरता के साथ सदन चलाए, कई विभागों ने 100 प्रतिशत प्रश्नों का जवाब दिया, सारे सदस्य उस जवाब को ऑनलाइन देखने का भी काम कर रहे हैं यह बिहार के अंदर एक सकारात्मक वातावरण में आप सब की भूमिका है । इसलिए आग्रह करेंगे कि सदन को चलाइये । अब सकारात्मक बात रखिए ।

श्री ललित कुमार यादव: महोदय, हमलोग आसन से आग्रह किये थे कि सरकार का वक्तव्य होना चाहिए, जो प्रिंट मीडिया में, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में जो आया है सरकार का, मुख्यमंत्री जी के वक्तव्य का हमलोग मांग किये थे । हमलोग तो सदन चलाने के पक्ष में हैं । महोदय, 19 तारीख से सदन प्रारंभ हुआ है । महोदय, आज तक सदन में सहयोग सरकार को भी आसन को भी सहयोग, लेकिन सहयोग, सरकार जब जवाब नहीं देगी महोदय, तो हम सदन 12 करोड़ की जनता के...

अध्यक्ष: नेता प्रतिपक्ष जो बोले, उस विषय पर हमने बोल दिया अब उसके बाद कुछ बचता है क्या ?

श्री ललित कुमार यादव: हमलोगों का एक तिथि निर्धारण हो जाय कि मुख्यमंत्री जी का कब वक्तव्य होगा । यह एक विषय आप तिथि तय कर दीजिए सदन चलाइए...

अध्यक्षः हमने कहा बैठ जाइए, आगे एक बार हमलोग दलीय नेताओं के साथ सोमवार को 10.00 बजे पूर्वाह्न में बैठेंगे । अब सदन की आगे की कार्यवाही जो होती है उसको विधिवत चलाइए । श्री कुमार सर्वजीत ।

(व्यवधान)

आप मूव कर लीजिए, बैठ जाइये ।

(व्यवधान)

लेकिन एक ही मिनट में करिएगा । जो जितना बोले हैं, उतना समय उनका घटा है । 5.00 बजे यह फिक्स है । थोड़ा संक्षिप्त सब लोग कर लेंगे ।

श्री विजय शंकर दूबेः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री पथ निर्माण पी0डब्लू0डी0 और अन्य विभागों के साथ जो डिमांड पेश किया है ।

अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं किः

'' इस शीर्षक की मांग 10/- रुपये से घटाई जाय ।''

यह प्रस्ताव मैं सदन के समक्ष उपस्थापित करता हूं और महोदय, मैं कहना चाहता हूं हमारे नौजवान पथ निर्माण मंत्री, प्रथम बार मंत्री बने हैं । ऐतिहासिक परिवार से आते हैं, कल्चर्ड लोग हैं, काम करने में विश्वास करने वाले लोग हैं, देखेंगे काम को महोदय, लेकिन एक बात मैं निवेदन करना चाहता हूं कि पूरे राज्य में जो इंजीनियरों की पी0डब्लू0डी0 नोडल डिपार्टमेंट है । सभी विभागों का, टेक्निकल डिपार्टमेंट का इससे मागदर्शन होता है और इस विभाग के हालात क्या हैं महोदय ? सहायक अभियंता के 4680 पद स्वीकृत हैं और उसके अगेनस्ट में 3289 पद रिक्त हैं । 70 फीसदी महोदय पद रिक्त है सहायक अभियंता का...

अध्यक्षः अब संक्षिप्त कर लें । दो मिनट हो गया है आपका एक मिनट में से ।

श्री विजय शंकर दूबेः महोदय, उसी में सहायक अभियंता, कार्यपालक अभियंता, अधीक्षण अभियंता, मुख्य अभियंता और अभियंता प्रमुख जितने पद हैं अभियंता प्रमुख के सारे पद खाली पड़े हुये हैं विभाग में काम कहां से होगा । कहीं जे0ई0 काम पर दिखाई नहीं पड़ता है । माननीय सदस्य उधर के हों, चाहे इधर के हों काम पर कभी चले जायं कोई इंजीनियर नहीं दिखाई पड़ता है, न जे0ई0 दिखाई पड़ता है...

अध्यक्षः अब आप बैठ जाइये ।

श्री विजय शंकर दूबेः न असिस्टेंट इंजीनियर दिखाई पड़ता है और काम का ऐरे-गैरे तरीके से काम हो रहा है महोदय, चाहे राज्य की राजधानी हो या रूरल एरिया का । पथ निर्माण की दशा बेहतर हुई थी बीच में, लेकिन आज ऐरी-गैरी स्थिति में है और पथ-निर्माण पर जो पैसे व्यय हो रहे हैं, उसका सदुपयोग नहीं दुरुपयोग हो रहा है इसीलिए महोदय, कटौती का प्रस्ताव मैंने उपस्थापित किया और इस पर हमारे दल के अन्य सदस्य बोलें ।

अध्यक्षः ठीक है, श्री कुमार सर्वजीत । दस मिनट का ही समय है आपका ।

श्री कुमार सर्वजीतः 15 मिनट होगा महोदय ।

अध्यक्षः थोड़ी कटौती नहीं करेंगे तब फिर कैसे चलेगा ?

श्री कुमार सर्वजीतः महोदय, आज हम पथ-निर्माण और साथ में पंचायती राज, कला-संस्कृति, लघु जल संसाधन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के कटौती प्रस्ताव पर, विपक्ष के द्वारा लाये गये कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । महोदय, चूंकि पथ निर्माण विभाग हमारे दल के नेता मंत्री रहे हैं और आज उन्होंने 15 से 20 मिनट का समय लिया है इस विभाग पर बोलने के लिए और माननीय मंत्री जो हैं महोदय, हम लोग के साथ पढ़े हैं इसलिए मैं चाहता हूं कि हमारे नेता ही आज उनके ऊपर बोलें । महोदय, हम सिर्फ माननीय मंत्री जी से आग्रह करेंगे ।

(क्रमशः)

टर्न-13/सत्येन्द्र/10-03-21

...क्रमशः...

श्री कुमार सर्वजीतः महोदय, इसके पहले मैं जब इस सदन का सदस्य था महोदय तो माननीय मुख्यमंत्री जी से मिलकर के हमने आग्रह किया था कि बोधगया एक पर्यटक स्थल है और उस पर्यटक स्थल को राजगीर के तर्ज पर विकसित करने के लिए कुछ हमने मांगा था, फाईल घुमते रह गयी, हम आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करेंगे एक तो यह है कि हमारा जो इलाका है वह नक्सलवाद का इलाका है, रेलवे ट्रैक के नीचे पास पास में हमलोग की पूरी आबादी बसी हुई है । पूरी यू0पी0 में महोदय अंडरपास रेलवे लाईन का फ्लाई ओवर बन गया लेकिन आज बिहार का दुर्भाग्य है कि गरीब मजदूर लोग हर रोज 10-20-50 की संख्या में कट कटकर रेलवे लाईन से मर रहे हैं लेकिन आज तक अंडरपास का निर्माण नहीं हो पाया है,फ्लाईओवर का निर्माण नहीं हो पा रहा है । हम माननीय मंत्री जी से आग्रह करेंगे महोदय, फल्गु नदी है बोध गया में महोदय, अभी आरती का बड़ा महत्व हो गया है और भाजपा से हैं हमारे मित्र हैं मंत्री हैं, बोधगया में लाखों पर्यटक आते हैं महोदय और उनको मन में बड़ी इच्छा होती है कि हम फल्गु नदी पास से जाकर के देखें इसलिए हमने माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया था कि आप नदी के किनारे किनारे एक सड़क बना दीजिये, इसका डी0पी0आर0 भी समर्पित हो गया लेकिन पांच वर्ष से जो है वह विभाग के अंदर फाईलों में पड़ा है, जिसको कहते हैं धूल चांटना, वह जो है अभी तक चल रहा है तो हम आग्रह करेंगे माननीय मंत्री जी से आपके माध्यम से कि इसका जो है निर्माण हो ताकि हमारे जो विदेशी पर्यटक हैं उनके मन को कम से कम भाये और वे बोध गया घुमकर उसी रास्ते

से राजगीर भी चले जायें। महोदय, हमारे यहां मुचलिन्दा एक सरोवर है, आये दिन जो है एन0एच0 83 बगैरह जब जाम रहता है तो मुचलिन्दा सरोवर एक मोचारीन गांव है वहां से हमने आग्रह किया है आपके माध्यम से मंत्री जी से कि कोशला होते हुए सहावेखाप तक अगर पी0डब्लू0डी0 में अधिग्रहण कर के, पथ निर्माण विभाग में अगर आप उसको अधिग्रहण कर लेते हैं तो लाखों पर्यटकों को आवागमन में काफी सुविधा होगी और यही नहीं हम आग्रह करेंगे कि बोध गया एक ऐसा पर्यटक स्थल है महोदय जो सरकार को बहुत सारा राजस्व देता है, जितने वहां पर मंदिर और होटल है वहा की सभी सड़कों को पथ निर्माण विभाग में शामिल कर के पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए। चूंकि महोदय, हम एक दलित परिवार से आते हैं, अधिकार के तहत 1952 से हमारा रिजर्बेशन बगैरह बहुत कुछ प्रावधान में आया और महोदय इसलिए आया कि हमलोग भी बराबरी में खड़े हो सकें । अभी मैं देखता हूँ आये दिन महोदय, हमको याद है कि 2 अप्रैल 2018 मेरे दल के और विपक्ष के नेता यहां बैठे हैं, गरीब का बेटा सड़क पर उतरा था महोदय, न्यायालय का कुछ संशोधन रिजर्बेशन पर आया था और माननीय तेजस्वी प्रसाद यादव के आह्वान पर पूरे देश के दलित का बेटा सड़क पर उतरा और अपने संविधान को बचाने के लिए कृतसंकल्पित कर के और न जाने कितने दलित का बेटा मारा गया सड़क पर और बाध्य होना पड़ा सरकार को, पुनः जो है दिल्ली में भारत सरकार ने वहां संशोधित किया महोदय, लगातार इस तरह की समस्या आ रही है महोदय, जो 1952 में हमारी हालात थी महोदय आज भी मेरी हालत वही है, कोई परिवर्तन उसमें नहीं हुआ है महोदय, जिस तरह से हम पहले जीते थे उसी तरह से महोदय आज हमलोगों की गांव के अंदर जिंदगी कट रही है महोदय, महोदय मंत्री हमारे बैठे हैं गया से ही आते हैं। अम्बेदकर छात्रावास, अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण छात्रावास महोदय, पूरे बिहार में जहां गरीब का बेटा पढ़ता है, जिसके पास साधन नहीं होता है वही अम्बेदकर छात्रावास में रहता है और वहां रहकर अपनी पढ़ाई करता है महोदय। पूरे बिहार में जितने भी अम्बेदकर छात्रावास है जिसको पहले हरिजन होस्टल के रूप में लोग कहते थे और हमारा समाज जब से जागरूक हुआ तब से हमलोगों ने उसका नामकरण अम्बेदकर छात्रावास के रूप में किया महोदय और पूरे बिहार में अगर सर्वे कराया जाय तो इससे बदतर स्थिति महोदय पूरे देश और दुनिया में नहीं मिलेगी। महोदय,आज जिस हालत में हमारे दलित का बेटा अपने छात्रावास में रहकर के शिक्षा ग्रहण करते हैं, पानी पीने के लिए बाल्टी लेकर महोदय न जाने कितने कि0मी0 तक लोग जाते हैं, वहां हजार बच्चे, पांच सौ बच्चे रहते हैं लेकिन मात्र एक से दो शौचालय है, उसके अंदर पानी की व्यवस्था नहीं है और इसी हालात में हमारे बच्चे रह रहे हैं इसलिए हम सरकार से आपके माध्यम से मांग करते हैं और बजट भी हमने देखा है महोदय, 0.8687 जो अनुसूचित जाति, जन जाति के लिए पूरे बजट का

जो हमारा हिस्सा है महोदय, मात्र उतना ही है महोदय। सरकार बड़ी बड़ी बातें करती है कि हम दलितों के लिए यह कर रहे हैं, वह कर रहे हैं। महोदय दल चलती है, गठबंधन आती है चली जाती है लेकिन किसी दल के गठबंधन को टूटने के बाद किसी एक जाति विशेष पर सरकार के द्वारा जो लगातार प्रहार हो रहा है महोदय, मुझे याद है महोदय, स्व0 राम विलास पासवान जी आज जीवित नहीं है। नीतीश जी से उनका बनाव नहीं था, इसी सदन में दलित और महादलित का बंटवारा हुआ था महोदय और जब दलित और महादलित का बंटवारा हुआ महोदय तो उसके बाद सरकार ने टोला सेवक, विकास मित्र न जाने कितनी तरह की जो है उनको रोजगार दिया गश्स और महोदय इस व्यवस्था से एक जाति विशेष पासवान जाति के लोग पूरे बिहार में सड़क पर भीख मांगते रहें, एक भी पासवान जाति के बेटा को एक भी रोजगार नहीं मिला महोदय। एक कहाबत है महोदय–खेत खाए गदहा, मार खाये जोलहा। महोदय, अगर किसी लीडर से आपको झगड़ा होता है तो क्या इस बिहार में पासवान जाति की कद इतनी ऊंची हो गयी है उसको इसकी जरूरत नहीं,आज उसके पास खाने को नहीं है महोदय, इस तरह से लगातार प्रहार होता है महोदय, अगर टोला सेवक और विकास मित्र का आपने बहाली भी किया तो आप उसको मात्र 10 हजार रू0 वेतन पर रखे हैं। 100 रू0 दाल महोदय, 100 रू0 लीटर डीजल पेट्रौल महोदय, जिस तरह से एक हजार रू0 सिलेंडर गैस का हो गया महोदय, अगर आप उसको लौली पॉप दे रहे थे तो टोला सेवक, विकास मित्र इस सब की नौकरी जो है, हम आपके माध्यम से मांग करते हैं कि इनलोगों को परमानेंट करिये चूंकि इनलोगों का जो रोजगार है महोदय, जो स्कूल में शिक्षक पढ़ाते हैं उनके बराबर टोला सेवक और विकास मित्र काम करता है महोदय। आप उससे राशन के कार्ड बनवाते है, ब्लौक का सारा काम, जितना सरकार का काम है वह सब करता है, इलेक्शन में वोटर आई0डी0 कार्ड का काम करते हैं वोटर लिस्ट आदि जितने प्रकार का काम है वह करता है। आप टोला सेवक, विकास मित्र से यह सब काम करवाते हैं तो उसके साथ दो नीति सरकार क्यों करती है, बराबर की हिस्सेदारी में महोदय उसको क्यों नहीं खड़ा रखना चाहते हैं।

अध्यक्ष: अब आप संक्षिप्त कर लीजिये।

श्री कुमार सर्वजीत: अध्यक्ष महोदय, साथ साथ अभी हमने कहा कि लगातार हमारे आरक्षण पर जो हमको अधिकार मिला है बराबरी में खड़ा होने का, न्यायपालिका के द्वारा लगातार महोदय हमारे रिजर्वेशन पर हमला होता है। न्यायपालिका का मैं सम्मान करता हूँ उनके आदेश का पालन हम करते हैं, देश के हर लोग करते हैं लेकिन जो लगातार यह प्रहार हो रहा है हमारे अधिकारों पर इसलिए हम सरकार से मांग करते हैं कि अगर आप कहते हैं कि बिहार में रिजर्वेशन मुखिया से लेकर सब जगह हमने दिया है तो न्यायपालिका में भी

हमारा अधिकार रिजर्वेशन होना चाहिए ताकि हम गरीबों को महोदय अगर आज न्यायपालिका में महोदय हमारे लोग होते तो आज डेढ़ लाख दलित का बेटा शराबबंदी के नाम पर बंद नहीं होता महोदय । महोदय, हम तैयार हैं महोदय लेकिन एक आग्रह होगा मेरा महोदय कि हमारे इसको...

अध्यक्षः श्री संजय सरावगी।

श्री कुमार सर्वजीतः उसमें प्रोसीडिंग का इसको पार्ट बनाया जाय, महोदय ।

टर्न-14/मधुप/10.03.2021

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, मैं कटौती प्रस्ताव के विरोध में और सरकार द्वारा लाये गये 5803 करोड़ 60 लाख के बजट के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । अध्यक्ष महोदय, एक अभी माननीय सदस्य बोल रहे थे कि जमाना वही है.....

अध्यक्ष : उधर आप देखिए नहीं, इधर देखिए ।

श्री संजय सरावगी : नहीं महोदय, मैं आपकी तरफ देखकर बोल रहा हूँ । उनका जवाब दे रहा हूँ, वे कह रहे थे कि जमाना वही है । जमाना बदल गया है, बिहार कहाँ से कहाँ चला गया ।

''लोग कहते हैं बदलता है जमाना सबको,
मर्द वह है जो जमाने को बदल देते हैं ।''

हमारी सरकार जमाने को बदल दी, अध्यक्ष महोदय । पथ निर्माण विभाग के हर पन्ने पर लिखा हुआ है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप बोले तो कोई नहीं बोला । धैर्यपूर्वक सुनिए ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, पथ निर्माण विभाग के हर पन्ने पर लिखा हुआ है - उच्च गुणवत्ता त्वरित निर्माण, यह है पथ निर्माण विभाग का काम । आज बिहार पूरे देश में अग्रणी भूमिका में है तो उसमें बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग की बहुत बड़ी महती भूमिका है । अध्यक्ष महोदय, मैं यह आपको बताना चाहता हूँ ।

अध्यक्ष महोदय, ये कटौती प्रस्ताव लाये थे, शुरू में तो इनलोगों ने कहा कि नहीं, कटौती नहीं करेंगे, हमलोग स्वस्थ परम्परा प्रारंभ कर रहे हैं और पथ निर्माण विभाग में बहुत काम हो रहा है तो पक्ष-विपक्ष सब मिलकर आज बजट पास करना चाहते थे लेकिन बाद में फिर इन्होंने कटौती प्रस्ताव लाया ।

अध्यक्ष महोदय, इनका समय मैं याद दिलाना चाहता हूँ, 1990-91 से लेकर 2004-05 तक जो पथ निर्माण विभाग का बजट 15 साल का था, 3725 करोड़ 15 साल में और हमारा केवल दो साल का 2021-22 और 2020-21 का 12509 करोड़, मतलब

दो साल में अध्यक्ष महोदय, इनके साढ़े तीन गुणा बजट हमारा है । अध्यक्ष महोदय, ये कहेंगे इकोनोमिक रिफॉर्म आ गया, यह आ गया, वह आ गया । इनका जो अंतिम साल था 2004-05, उसमें इनका बजट था 366 करोड़ और बीच में एक साल राष्ट्रपति शासन लग गया, भारत सरकार ने बजट दिया था और हमारा पहला साल जो था 2006-07, उसमें 2072 करोड़, मतलब एक साल के अन्दर अध्यक्ष महोदय, 2.7 प्रतिशत बजट के उपबंध से हमलोग आ गए 8 प्रतिशत । यह मैं इनको बताना चाहता हूँ । महोदय, इनका बजट इतना कम था उसके बाद भी ये पैसा खर्च नहीं कर पाते थे, 2003-04 में योजना मद में मूल योजना उद्व्यय था 117.78 करोड़ और अंततः इन्होंने फिर घटाकर उसको कर दिया 60.51 करोड़, यह हालत इनकी थी और हम तो फर्स्ट सप्लीमेंट्री, सेकंड सप्लीमेंट्री और थर्ड सप्लीमेंट्री ला रहे हैं ।

अध्यक्ष महोदय, इनलोगों ने निगमों की क्या हालत की थी और हमलोगों के समय निगम कहाँ से कहाँ पहुंच गया । 1997-98 से 2003-04 तक इन आठ वर्षों में पुल निर्माण निगम का टर्न-ओवर था 222 करोड़ का मात्र और उसमें पुल निर्माण निगम ने लॉस दिया 102 करोड़, 222 करोड़ का टर्न-ओवर, बिहार को खस्ताहाल में पहुँचा रहे थे ये लोग, लॉस दिया, नुकसान दिया 102 करोड़ और हमारे 15 सालों में पुल निर्माण निगम ने काम किया 18215 करोड़ का और शुद्ध लाभ 715 करोड़ का दिया । ऐसे बिहार बन रहा है और ऐसे बिहार बढ़ रहा है, अध्यक्ष महोदय । वर्ष 2005 में राज्य में दो-लेन वाले सड़क की संख्या मात्र 2 प्रतिशत थी, मात्र 2 प्रतिशत 2005 में राज्य में दो-लेन वाली सड़क थी । 2 प्रतिशत था और 2020 में यह बढ़कर 68 प्रतिशत हो गया। यह अपने-आप में पथ निर्माण विभाग की गाथा कह रहा है ।

अध्यक्ष महोदय, देश आजादी के बाद 51 वर्षों तक इनके और इनके महागठबंधन ने शासन किया और गंगा पर मात्र देश आजादी के बाद 3 पुल बने । 1959 में राजेन्द्र पुल, 1982 में महात्मा गाँधी सेतु और 2001 में विक्रमशिला और हमने 2005 से 2020 तक जो पुल प्रारंभ हो गये या निर्माणाधीन हैं या स्वीकृति कर लिये, वह 13 पुल केवल गंगा पर हमने दिया, अध्यक्ष महोदय । कोसी नदी पर चालू और स्वीकृति मिलाकर 6 पुल हमने दिया । गंडक नदी पर चालू, स्वीकृत और निर्माणाधीन 5 पुल और सोन नदी पर 3 पुल हमलोगों ने दिया है और तब ये लोग कटौती प्रस्ताव लाते हैं । आज पुल निर्माण निगम और सब मिलाकर हमारी सरकार में 6200 से उपर पुल 15 सालों में इस राज्य में बने हैं । यह विभाग का एक इतिहास है । कोसी पर देश में सबसे बड़ा पुल बन रहा है ।

अध्यक्ष महोदय, सब जगह शहर में जाम लग रहा है, माननीय सदस्य उठाते हैं, 2005 के पहले भी उठाते थे, इस बार सरकार ने निर्णय किया है कि जितने भी शहर हैं

सबमें हम बाइपास बनाने जा रहे हैं और लगभग 100 बाइपासों की योजना सरकार ने बना ली है जिनका अगले वित्तीय वर्ष में काम प्रारम्भ होगा । अध्यक्ष महोदय, 55 रेल ओवरब्रीज, माननीय मंत्री जी ने जवाब दिया था इस सदन में, 55 रेल ओवरब्रीज हम बना रहे हैं और यह इरकॉन अब नहीं बना रहा है, हम खुद सुदृढ़ हुए हैं, रेल विभाग ने पथ निर्माण विभाग से आग्रह किया कि अब आप रेल ओवरब्रीज बनाइये, दोनों के बीच सहमति हुई और अगले वित्तीय वर्ष से 55 आर0ओ0बी0 पथ निर्माण विभाग अपने निगमों से बना रहा है ।

महोदय, मैं बताना चाहता हूँ, मिथिला का विकास जब-जब एन0डी0ए0 की सरकार रही है तभी हुआ है । इस 55 पुल में 7 रोड ओवरब्रीज केवल मिथिला के मुख्यालय दरभंगा में स्वीकृत हुआ है । यह मिथिला के प्रति इस सरकार का प्रेम है । ये लोग तो मिथिला विरोधी थे । मैथिली को जब बी0पी0एस0सी0 में शामिल किया गया था तो ये लोग बी0पी0एस0एस0 में से खतम करने के लिए चले गये । आज मिथिला के विकास की गाथा चाहे वह नरेन्द्र मोदी जी की सरकार हो, चाहे बिहार में एन0डी0ए0 की सरकार हो, मिथिला के विकास की गाथा कह रही है । अध्यक्ष महोदय, हम... (व्यवधान) क्यों टोका-टोकी कर रहे हैं, गंदी आदत है । अध्यक्ष महोदय, मैं यह बता रहा था ।

अध्यक्ष : मिथिला की गाथा गा रहे हैं तो आप भी साथ गाइयेगा क्या ? बैठ जाइये ।

श्री संजय सरावगी : ये मिथिला के विरोधी हैं, क्या मिथिला की गाथा गायेंगे ?

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइये । मौका मिलेगा आपको भी । आपकी बात बीच में नहीं चलेगी ।

श्री संजय सरावगी : महोदय, इनके लिए दो लाईन हम कह देते हैं समीर जी के लिए ।

अध्यक्ष : देखिये, एक स्वस्थ वातावरण में है कि जैसे बोले सर्वजीत जी, सबलोग सुने । पक्ष-प्रतिपक्ष सुनें, अवसर मिलेगा अपनी बात से अगले को कहेंगे ।

श्री संजय सरावगी : महोदय, उनके लिए दो लाईन कहते हैं -

''मंजिल पर जिन्हें जाना है तूफानों से डरा नहीं करते,
तूफानों से जो डरे, मंजिल कभी पाया नहीं करते ।''

मैं बता रहा था, इनकी सरकार में अध्यक्ष महोदय, तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कहा था कि हम सड़क लोक सभा के एक माननीय सदस्या हैं, अभिनेत्री हैं, उनके गाल की तरह हम बिहार की सड़क बना रहे हैं । (व्यवधान) नेत्री हैं, अभी भी लोक सभा की सदस्या हैं, मैं नाम नहीं लेना चाहता और हो कैसी गई सड़क, अध्यक्ष महोदय, एक फिल्म अभिनेता हैं, उनके गाल की तरह, ओमपुरी के गाल की तरह सड़क हो गई थी ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप भटकिये मत, इधर देखकर बोलें । समय आपका वे बर्बाद कर रहे हैं ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, पटना शहर या बिहार, हमारी सरकार ने कहा था कि बिहार के किसी कोने से हम 5 घंटे में पटना.... (व्यवधान) भारी आदत है भाई । फिर पढ़ें क्या आपके लिए ? छोड़िए, मत पढ़वाइये ।

5 घंटे में बिहार के किसी कोने से पटना पहुँच जायेंगे और आज हमें प्रसन्नता है कि बिहार के अधिकांश इलाकों से 5 घंटे में आज हम पटना पहुँच रहे हैं । एक पुल बड़ा बनता है तो उस इलाके के विकास की गाड़ी गाँव-गाँव, मुहल्ले-मुहल्ले का डेवलपमेंट होता है, कितने आदमी को रोजगार मिलता है, कितने आदमी का काम होता है, आज ही मैं अखबार में पढ़ा था एक । ...क्रमशः...

टर्न-15/आजाद/10.03.2021

..... क्रमशः .....

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, आज ही अखबार में निकला है गंगा पर दूसरी जीवन रेखा, जे0पी0 सेतु से बदल गई कई जिलों की तस्वीर । एक ब्रीज बना अध्यक्ष महोदय, पूरे इलाके की तस्वीर बदल गई, लोगों को रोजी-रोजगार मिला, लोगों को रोजगार का साधन उत्पन्न हुआ । 2005 के पहले दरभंगा से कुशेश्वर स्थान लगभग 55 कि0मी0 है और वहां जाने में 8 घंटा लगते थे । यहां माननीय विपक्ष के सचेतक भी हैं और यहां अन्य सदस्य भी दरभंगा जिला के हैं । 55 कि0मी0 जाने में 8 घंटा लगता था, दरभंगा से बहेड़ी 28 कि0मी0 जाने में साढ़े तीन घंटा लगता था और आज वह 55 कि0मी0 हम 50 मिनट में पार कर रहे हैं और 28 कि0मी0 28 मिनट में पार कर रहे हैं, यह हमारी सरकार की देन है । अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, मैं उनको कुछ सुझाव भी देना चाहता हूँ । अध्यक्ष महोदय, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 26.06.2019 को एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें राज्य के जो शहर हैं, उसमें 20 फीट और 20 फीट के ऊपर जितनी भी सड़के हैं उसको जो है पथ निर्माण एवं उसका संधारण पथ निर्माण विभाग द्वारा किया जायेगा । पत्रांक-1548 दिनांक 25.02.2020 द्वारा इसकी अधिसूचना भी निकली थी, मैं माननीय मंत्री जी से इसके संबंध में नम्र निवेदन करना चाहता हूँ कि यह 403 सड़के जो नगर विकास विभाग ने आपको भेज दी और उसका मरम्मत और निर्माण कार्य नगर विकास विभाग अब नहीं कर रहा है, क्योंकि उसने तो आपको हस्तांतरण कर दिया । सरकार की यह नीतिगत निर्णय है। मेरे दरभंगा का भी उसमें 15 महत्वपूर्ण सड़क है तो मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहूँगा अध्यक्ष महोदय कि यह जो सरकार की नीतिगत निर्णय था, इसका निश्चित रूप से अनुपालन किया जाय ।

अध्यक्ष : अब आप संक्षिप्त कीजिए ।

श्री संजय सरावगी : महोदय, अब संक्षिप्त ही कर रहा हूँ । अध्यक्ष महोदय, वह जमाना बदल गया....

अध्यक्ष : कौन सा जमाना ?

श्री संजय सरावगी : सर, 2005 से पहले का जमाना, अब हमारी सरकार पर कोई आरोप नहीं है, कोई भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है । आज हमारी सरकार काम कर रही है, इन लोगों को कुटकुटी होता है और 2005 के पहले इसी विभाग के माननीय मंत्री थे, जो अलकतरा घोटाले में जेल गये थे .....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप बैठिए, आपको बोलने की अनुमति नहीं मिलेगी ।

श्री संजय सरावगी : और मंत्री जी को जेल भी हुई थी और 20 लाख रू0 का जुर्माना भी हुआ था । आज कोई माई का लाल नहीं कह सकता कि हमारे 15 साल में किसी भी मंत्री पर ऊँगली उठी हो और आज तो मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद भी देना चाहता हूँ कि ऐसे नौजवान मंत्री जो पटना के हैं, उनको पथ निर्माण विभाग दिया गया है । निश्चित रूप से आने वाले समय में भी पथ निर्माण विभाग एक अलग गाथा विकास का गायेगा, यह मुझे विश्वास है ।

अध्यक्ष : अब बैठ जाइए ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, बस एक मिनट । हमारे क्षेत्र में एक शिवधारा-मोहम्मदपुर सड़क है, वह सिंगल लेन सड़क है और वह 10 फीट चौड़ी सड़क है पथ निर्माण विभाग की । मैं आग्रह करूंगा माननीय मंत्री जी से कि उसको जो है चौड़ीकरण अतिआवश्यक है, इसलिए इसका चौड़ीकरण करा दिया जाय और 7 आ0ओ0बी0 जो है, उसका भी जल्द से जल्द निर्माण हो जाय क्योंकि दरभंगा शहर थोड़ा जाम लगता है ।

अध्यक्ष : सत्यदेव जी को सुनाइए ।

श्री संजय सरावगी : अंतिम दो लाइन कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ ।

''अभी तो असली मंजिल पाना बाकी है,
अभी तो इरादों का इम्तिहान बाकी है,
अभी तो तौली है मुट्ठी भर जमीन,
अभी तौलना आसमान बाकी है ।''

अध्यक्ष : अब बैठ जाइए ।

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत शुभकामना, बहुत-बहुत धन्यवाद । ऐसे ही पथ निर्माण विभाग आगे बढ़े और ऐसे ही यह पूरे देश में बिहार का पथ निर्माण विभाग एक बड़ी लकीर खींचे अध्यक्ष महोदय, यही हमलोगों का

माननीय मंत्री जी के प्रति शुभकामना है । नौजवान मंत्री हैं, काम करें, पूरे सदन का इनको आशीर्वाद मिलेगा, विश्वास मिलेगा । धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय ।

अध्यक्ष : धन्यवाद । श्री राम विशुन सिंह । गागर में सागर भर देना है पांच मिनट में ।

श्री राम विशुन सिंह : आज मैं पथ निर्माण, पंचायती राज, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, लघु जल संसाधन और अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ ।

आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका, आदरणीय श्री लालू प्रसाद यादव जी का, श्रीमती राबड़ी देवी जी का, नेता तेजस्वी प्रसाद यादव जी का एवं जगदीशपुर की जनता मालिक के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ कि जिन्होंने मुझे पुनः दोबारा बहुत मतों से सदन में भेजने का काम किया है ।

महोदय, पथ निर्माण के बारे में बहुत सी बातें हुई, लोग कह रहे हैं कि इस बिहार के किसी भी जिले से 5 घंटा में हमलोग पहुँच जाते हैं पटना लेकिन हम देखते हैं कि हमलोगों को आरा से आने में साढ़े तीन घंटा-चार घंटा समय लगता है । जबकि हमारे माननीय पुराने सदस्य बड़हरा का उस दिन सदन में कहे थे कि इतनी जाम हो रहा है, इतनी सड़क की स्थिति खराब है कि हमलोगों को आरा से आने में चार घंटा समय लग गया । हमारे कहने का तात्पर्य यह है कि सरकार काम करे, यह अपने बस की बात नहीं है, अपने बारे में ज्यादा प्रचार नहीं करे, सरकार काम करे । यहां पर दो पार्टी की सरकार है और केन्द्र में भी इनकी सरकार है और काम करने की बात की जाय और कुछ विपक्ष के लोग नहीं पक्ष के लोगों को भी कुछ असंसदीय भाषा बोल रहे हैं सर । अध्यक्ष महोदय, जैसे अभी संजय सरावगी साहेब ने कहा, बहुत सीनियर सदस्य हैं, उन्होंने कहा कि कोई माई का लाल नहीं कह सकता लेकिन इस तरह का शब्द बोलना इनको शोभा नहीं देता । कोई नया सदस्य बोल दिया ....

श्री संजय सरावगी : अध्यक्ष महोदय, उन्होंने हमारा नाम लेकर कहा है, इसलिए नियमावली में है, इसलिए मैं कह रहा हूँ, मैंने यह कहा था कि कोई माई का लाल यह नहीं कह सकता कि हमारे किसी मंत्री के ऊपर भ्रष्टाचार का आरोप है .....

अध्यक्ष : अब बैठ जाइए ।

श्री राम विशुन सिंह : वही तो हमने भी कहा । सर, हमारे यहां नेशनल हाईवे के दो काम चल रहे हैं । एक आरा-मोहनिया रोड है जो 116 कि0मी0 का है .....

अध्यक्ष : व्यक्तिगत टीका-टिप्पणी सदन के अन्दर कोई भी नहीं करेंगे ।

श्री राम विशुन सिंह : अभी वहां पर एक माह पहले काम शुरू हुआ है और दो रोड हमारे यहां बनने की स्थिति में थे, पूर्व मंत्री जी ने जनवरी में कहा था कि बिहटा-जगदीशपुर रोड को और आरा-बक्सर रोड को हम 31 मार्च तक चालू करा देंगे । लेकिन हमलोग देखते हैं सर कि

सड़क की स्थिति में अभी भी एक वर्ष से ज्यादा समय लगने की स्थिति में है, इसलिए हम कहेंगे कि उन दोनों पथों पर ध्यान दिया जाय । दूसरी बात 13 जुलाई, 2020 में माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जल-जीवन-हरियाली के संबंध में एक बैठक हुई थी, जिसमें कहा गया था कि सड़क के चौड़ीकरण करने में यदि पेड़ों की जरूरत होगी तो उसे वहां पर स्थापित किया जायेगा । हमारे यहां जगदीशपुर से बिहिया में 100 वर्ष का, 150 वर्ष का जो पुराना पेड़ था वह काट कर वन विभाग ने निजी वनागार में भेज दिया, वह अपने डिपो में नहीं रखा । इसलिए इसको भी संज्ञान में लिया जाय । पेड़ जो है दिन-प्रतिदिन कटते जा रहे हैं । सरकार को माननीय उच्चतम न्यायालय का आदेश था कि एल0पी0ए0-12.12.96 में कि कोई भी ग्रीन टी नहीं कटेगा । लेकिन हमारे बिहार में धड़ल्ले से हरे पेड़ काटे जा रहे हैं .....

अध्यक्ष : अब संक्षिप्त कर लीजिए ।

श्री राम विशुन सिंह : आहर, पईन, पोखर की सफाई में, यहां पर गरीबों का घर जो केवल मेड़ पर बसे हुए हैं वर्षों से, उनका घर सिर्फ उजाड़ा जा रहा है और माननीय अध्यक्ष महोदय, जो लोग पईन, आहर, पोखर का अतिक्रमण किया है अन्दर में, वहां कहीं भी संवेदक के द्वारा उसको नहीं कुछ किया जा रहा है । जहां 150 फीट आहर की चौड़ाई है मैप में, वहां 50 फीट में ही संवेदक के द्वारा आहर की सफाई की जाती है और जो लोग कोई मेड़ पर घर बना लिया है तो उसको लोग उजाड़ रहे हैं, इसको ध्यान में रखा जाय । जो हमारा मैप में है, उतना आहर की सफाई होनी चाहिए, चाहे पईन की सफाई होनी चाहिए। सर, लाल बत्ती जला दिये .....

अध्यक्ष : अब समाप्त कर दीजिए ।

टर्न-16/शंभु/10.03.21

श्री राम विशुन सिंह : पंचायती राज की बात है सर, जो आपका 14वां, 15वां वित्त आयोग का जो पैसा जा रहा है वह बी0डी0ओ0 समितियों के बराबर पैसा नहीं दे रहा है । ये सब संज्ञान में लिया जाय । सभी को बराबर पैसा देना चाहिए ।

श्री चन्दशेखर : अध्यक्ष महोदय, सूचना पर हूँ । एक गंभीर मामला है सरकार दोहरी नीति से काम कर रही है । यह मामला स्पष्ट है कि सिंहेश्वर में हर वर्ष वार्षिक महोत्सव होता था महाशिवरात्रि के अवसर पर उसको कोरोना के कारण सरकार ने 31 मार्च तक रोक दिया और वहीं सहरसा के बनगांव में होली महोत्सव के लिए 20 लाख रूपया आवंटित किया। यह सरकार को आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि सिंहेश्वर में भी महोत्सव की इजाजत दी जाय । महोदय, टेंडर हुआ साढ़े 37 लाख रूपया सिक्युरिटी टेंडर वालों ने जमा किया ।

अध्यक्ष : ठीक है, बैठ जाइये । श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रारंभ करें ।

श्री विजय कुमार मंडल : महोदय, एक मिनट समय चाहिए ।

अध्यक्ष : सारा समय आपके दल से कटेगा । आपके मुख्य सचेतक बैठे हैं उनसे सहमति लेकर बोलिये । ठीक है, इनके बाद अभी बैठ जाइये ।

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : मैं बोल सकता हूँ ?

अध्यक्ष : हां बोलिये ।

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले आपका आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने हमें अपनी बातों को रखने का अवसर दिया है । साथ ही कुचायकोट विधान सभा क्षेत्र के लोकप्रिय महान जनता ने मुझे सदन में भेजने का काम किया है । महोदय, जनविकास की बातों को सदन में रखने का अवसर मिलता है तो अनुभूति मिलती है । महोदय, पथ निर्माण विभाग एक ऐसा विभाग है जिसका बिहार के विकास में बहुत बड़ा योगदान है । महोदय, आज जब भी बिहार में कहीं जाने का अवसर मिलता है तो सड़क की व्यवस्था को देखकर बड़ी सुखद अनुभूति मिलती है । महोदय, इसके विकास का श्रेय अगर किसी को सबसे पहले जाता है वह हमारे नेता विकास पुरूष आदरणीय नीतीश कुमार जी हैं । महोदय, 2005 के पहले बिहार में जो सड़क की स्थिति थी और आज जो स्थिति है उसमें जमीन और आसमान का फर्क है । माननीय मुख्यमंत्री जी का जो सपना था कि पांच घंटे में बिहार के किसी भी कोने से राजधानी पहुंचने का वह सपना साकार होते हुए नजर आ रहा है । महोदय, अभी सड़क निर्माण की दिशा में बहुत सारा कार्य चल रहा है, कई कार्य होने भी हैं और हमें उम्मीद है कि हम सबों के लोकप्रिय मुख्यमंत्री आदरणीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में बिहार सड़क निर्माण की दिशा में इतिहास लिखने जा रहा है । महोदय, राज्य सरकार ने सुशासन के कार्यक्रम 2020-2025 के अन्तर्गत सुलभ संपर्कता को केन्द्र में रखा है । राज्य के किसी भी हिस्से से राजधानी पटना पहुंचने में पांच घंटे से अधिक का समय नहीं लगे इसके लिए इस लक्ष्य पर राज्य सरकार द्वारा लगातार काम किया जा रहा है । इस समय को घटाने हेतु व्यापक पैमाने पर बायपास पथों का, एलीवेटेड पथों एवं सड़क उपरी पुलों पर काम किया जा रहा है । महोदय, राज्य में नये राष्ट्रीय उच्च पथों एवं राज्य उच्च पथों के निर्माण के अलावा पूर्व से अवस्थित पथों के चौड़ीकरण हेतु व्यापक कार्य किये जा रहे हैं । राज्य की प्रमुख नदियों पर आवश्यकता के अनुरूप नये पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है । राज्य में यातायात को सुगम एवं त्वरित बनाने के दृष्टिकोण से भारत सरकार के तरफ से राष्ट्रीय पथों का चार लेन चौड़ीकरण साथ-साथ ग्रिन फिल्ड चार लेन पथों के निर्माण पर कार्य चल रहा है । इसके लिए राज्य सरकार द्वारा अत्यंत तत्परता से भूअर्जन कार्य किया जा रहा है । इससे योजनाओं के कार्यान्वयन को नयी गति मिल पायी है । असम, दरभंगा,

सासाराम, आरा, पटना, मुंगेर, मिर्जा चौकी आदि अत्यंत महत्वाकांक्षी राज्य की सड़कें निरंतर संधारित है । सड़क संधारण को शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम में शामिल किया गया है । महोदय, साथ ही राज्य में सड़क सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है – पथ निर्माण विभाग द्वारा 72 रोड सेफ्टी एम्बुलेंसों की व्यवस्था भी की गयी है । महोदय, साथ ही पंचायती राज विभाग की बात की जाय तो त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के क्षमतावर्द्धन हेतु राज्य सरकार प्रयत्नशील है । त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं में मानव बल की उपलब्धता के लिए लगभग 1500 तकनीकी सहायक एवं 1500 लेखापाल की नियुक्ति की जा चुकी है । लगभग 7 हजार ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यपालक सहायक की नियुक्ति की गयी है । इससे पंचायत के कार्य प्रबंधन में अधिकाधिक सुविधा मिली है । बिहार पंचायत सेवा के प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के 309 पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा प्रक्रियाधीन है । साथ ही बिहार पंचायत अंकेक्षण के सेवा अंकेक्षण पंचायती राज के 373 पदों पर नियुक्ति हेतु रिक्तियां बिहार लोक सेवा आयोग को भेजी गयी है । महोदय, पंचायती राज विभाग के अन्तर्गत सभी गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट योजना सुशासन के कार्यक्रम में 2020–2025 के अन्तर्गत आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय–2 कार्यक्रम के तहत स्वच्छ गांव, समृद्ध गांव निश्चय के अन्तर्गत सभी गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाया जाना प्रस्तावित है । इस योजना का कार्यान्वयन वित्तीय वर्ष 2020–2021 एवं 2022–2023 में किया जायेगा । कोई क्षेत्र छूट जायेगा तो अगले वित्तीय वर्ष में कार्यान्वयन एवं रख–रखाव अगले पांच वर्ष तक जारी रहेगा । इस योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा चिन्हित सार्वजनिक स्थलों पर ब्रेडा द्वारा सूचीबद्ध.

अध्यक्ष : अब संक्षिप्त कर लें ।

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : माध्यम से सोलर स्ट्रीट लाइट लगायी जायेगी जिनका रख–रखाव पांच वर्ष की अवधि के लिए एजेंसियों द्वारा किया जायेगा । महोदय, मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना के अन्तर्गत वार्ड कार्यान्वयन एवं प्रबंधन समितियों के माध्यम से दिनांक 30.11.2020 तक कुल लक्ष्य 58107 वार्ड के विरूद्ध 56103 वार्डों में पेयजल निश्चित योजना का कार्य पूर्ण कर लिया गया है । 1554 वार्डों में कार्य चल रहा है जो शीघ्र ही पूर्ण हो जायेगा । पंचायती राज विभाग द्वारा कुल लगभग 93 लाख परिवारों को हर घर नल जल उपलब्ध कराया गया है । महोदय, पेयजल निश्चित योजना के दीर्घकालीन अनुरक्षण सुनिश्चित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी आधारित...

अध्यक्ष : अब समाप्त करें ।

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : मेरा समय हो गया क्या महोदय ?

अध्यक्ष : लास्ट में कुछ कहना है तो बता दीजिए ।

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : जी कहना है । महोदय, अभी हमारे यहां माननीय मंत्री जी एक सड़क बन रही है गोपालगंज, मीरगंज, छपरा होकर बायपास उस काम को थोड़ा तेजी लाकर किया जाय ताकि आनेवाले लोगों को सुविधा हो । आपने हमें समय दिया इसके लिए आभार प्रकट करता हूँ और सारे सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ । जय हिन्द, जय नीतीश कुमार, जय बिहार की जनता ।

अध्यक्ष : श्री आनन्द शंकर सिंह जी, चार मिनट में गागर में सागर भर देना है । एक मिनट रुक जाइये, उनका है ।

(व्यवधान)

श्री रणविजय साहू : महोदय, मुझे भी कुछ कहना है ।

अध्यक्ष : आप बार-बार उठ रहे हैं अपने दलीय नेता से कहलवाइयेगा तभी समय देंगे ।

श्री विजय कुमार मंडल : महोदय, हमारे नेता लालू प्रसाद और तेजस्वी जी ने मुझे समय दिया इसके लिए धन्यवाद ।

अध्यक्ष : एक ही मिनट आपका है, आधा मिनट ले लिये आप ।

श्री विजय कुमार मंडल : सर, सूचना के तौर पर कोचस में आपका आरा से लेकर मोहनिया के बीच में आइ0बी0 है । उस आइ0बी0 में अतिक्रमण हुआ है आपके विभाग के चलते और उस जमीन को आधा घेर लिया गया है । कोचस में आपका औफिस है वह भी अतिक्रमित है।

अध्यक्ष : आप बैठ जाइये, आपका एक मिनट हो गया पूरा ।

(व्यवधान)

आपकी कोई बात अब प्रोसीडिंग में नहीं जायेगी । श्री आनन्द शंकर सिंह जी, प्रारंभ करें । आप बोलिये, शुरू कीजिए । आप इस तरह से मत कीजिये फिर समय नहीं देंगे आपको ।

श्री आनन्द शंकर सिंह : अध्यक्ष जी, विपक्ष के द्वारा लाये गये पथ निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के कटौती प्रस्ताव के पक्ष में अपनी बात रखने के लिए मैं सदन के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूँ । महोदय, मैं अपना ये जो समय है वह पंचायती राज विभाग के विषय में अपनी बात को रखूंगा ।

क्रमशः

टर्न-17/ज्योति/10-03-2021

क्रमशः

श्री आनंद शंकर सिंह : महोदय, हमको मालूम है जन्नत की हकीकत लेकिन दिल को खुश रखने को गालिब, ये ख्याल अच्छा है जिस प्रकार से हमलोगों ने देखा इस बजट के माध्यम से

पंचायती राज और पंचायत स्तर पर जिस प्रकार से यह व्यवस्था रखी गयी ठोस, अवशिष्ट प्रबंधन, सी.सी.टी.वी. कैमरा, खेल का मैदान, पार्क ओपेन जिम, इन सब विषयों की चर्चा की गयी है, यह परिकल्पना है पंचायती राज विभाग की मैं समझता हूं कि यहॉ सदन में बैठे हमारे सभी माननीय सदस्यगण, कोई एक जो बोल दें कि नगर पंचायतों का दर्जा जिनको मिला है नगर परिषद का दर्जा जहॉ मिला है वहॉ खेल का मैदान और पार्क एकदम एक्वीप्ड है, वहॉ सी.सी.टी.वी. कैमरे नगरों में सुरक्षित तरीके से काम कर रहे हैं कैसे इस परिकल्पना को हमलोग सत्य माने और कैसे यह समझेंगे कि आने वाले समय में इन सब बातों का क्रियान्वयन धरातल पर होगा । महोदय, 1993 में 73वें एवं 74 वें संशोधन के द्वारा पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ था । आदरणीय कौंग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री श्री पी.बी. नरसिंहराव जी के कार्य काल में और पहला जो पंचायती राज का जो दर्जा शुरु हुआ था वह था आपका पं. जवाहर लाल जी के समय में 20 अक्तूबर 1959 में नागौर को किया गया था तो यह परिकल्पना थी हमारे युगद्रष्टा नेताओं की जिनके माध्यम से हमलोग आज साकार रुप से मूर्त रुप से देख पा र हे हैं पंचायती राज व्यवस्था को और यह एक मौड्ल था जिसमें सत्ता के विकेन्द्रीकरण के लिए पंचायती राज व्यवस्था की गयी थी लेकिन आज हालात क्या है, आज हालात यह है कि नल जल योजना हो, यह महात्वाकांक्षी योजना थी, मुख्य मंत्री पक्की नली गली योजना हो यह बहुत महत्वकांक्षी योजना थे और उस वक्त हम सब साथ थे जब सात निश्चय के अंतर्गत इन योजनओं को लिया गया था । आज हालात क्या है महोदय, नल जल योजना के नाम पर आपने गांव गांव में जो मुखिय के थ्रू जो होना था, पंचायत के थ्रू जो होना था, उसका जो आपका एस्टीमेट बना 9 लाख 10 लाख और विभाग की ओर से काम आपने कराया उसका एस्टीमेट हो जाता है 25 से 30 लाख का 35 लाख का आखिर ये इतना अंतर क्यों है ? इन सब विषयों पर चर्चा करनी चाहिए और आज स्थिति यह है कि नल जल योजना में कितने सारे हमारे मुखिया और वार्ड पार्षद आज जेल जाने की स्थिति में हैं और उन पदाधिकारियों के प्रति कोई जवाबदेही नहीं बनती है जो इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए पूर्ण रुप से दोषी है या उनको यह क्रियान्वयन करने की व्यवस्था दी गयी है । आईदर वे जे.ई. हो, आईदर वे बी.डी.ओ. हो किसी का भी कर्त्तव्य न हीं बनता है कि जाकर साईट पर देखे कि आज क्या स्थिति है । आज स्थिति यह है कि समरसीबुल मोटर जिस गांव में कर दिया गया अव्वल दर्जे तो पहले पानी नहीं हैं वहॉ पर और अगर पानी उपलब्ध हो जाता है तो बगल का हैण्ड पंप जिससे ग्रामीण वह किसी प्रकार से पेय जल की व्यवस्था होती थी तो वह हैण्ड पंप टंग जाता है और इस विपरीत परिस्थिति में हमलोग पंचायतों में नल जल की योजजा

अगर देखी जाय तो पूर्णतः फेल है और जिस प्रकार से कार्य किया गया है, गुणवता नहीं है सामग्रियों की, चाहे वह पाईप हो, मोटर हो चाहे जो कार्य किया गया बहुत जगह तो ऐसा भी सुनने को मिला कि सब कुछ बन कर तैयार है लेकिन पानी आजतक सप्लाई नहीं हुआ निश्चित रुप से महत्वाकांक्षी योजना है इस बात को मैं भी स्वीकार करता हूँ लेकिन महत्वकांक्षी योजना जबतक सही तरीके कार्यान्वित नहीं होगी, सही तरीके से जब लोगों को घर घर जल नहीं मिलेगा तबतक उस महत्वाकांक्षी योजना के विषय में सफलता की बात नहीं की जा सकती । मुख्यमंत्री नली गली पक्कीकरण योजना की बात करते हैं महोदय, एक एक वार्ड में दो दो, तीन तीन बीघा है, छोटे छोटे टोले है जिस जगह पर वार्ड है आपने अच्छा किया कि वार्डों के माध्यम से कि चलिए मुखिया जी कहीं पारदर्शिता नहीं रखते हैं वार्डों के माध्यम से काम कराना है । आज कई स्थिति ऐसी है पंचायतों में कि मुखिया वार्डों को फंड ही नहीं हस्तांतरित कर रहा है और उस परिस्थिति में क्या हो रहा है कि वार्ड काम नहीं कर पा रहा है और उसके विषय में निगरानी करना है तो कौन अधिकारी दोषी है जो पाँच साल में राशि को हस्तांतरित नहीं करता है राशि और यह एक माध्यम बन गया ।

अध्यक्ष : संक्षिप्त कर लीजिये ।

श्री आनंद शंकर सिंह : यह एक माध्यम बन गया कि आप जन प्रतिनिधियों को जेल भेजने का कार्य कर रहे हैं, कौन इसके लिए दोषी हैं ? पदाधिकारियें को मौनिटरिंग का काम सौंपा गया है अगर वह मौनिटरिंग नहीं कर रहे हैं तो क्या उसके लिए पदाधिकारियों को जेल नहीं होनी चाहिए ? पदाधिकारियों की नौकरियाँ नहीं जानी चाहिए ? केवल जन प्रतिनिधियों को प्रताड़ित करने का काम और लांछन देने का काम केवल सरकार कर रही है और सरकार के पदाधिकारी कर रहे हें। महोदय, जो पंचायती राज विभाग की बात है तो क्यों नहीं हम पंचायती राज विभाग को जिस प्रकार से नगर पंचायत ऑपरेट करता है जिस प्रकार से नगर परिषद ऑपरेट करता है, नगर निगम ऑपरेट करता हैं हमको भी वित्त अपना, स्वयं वित्तीय प्रबंधन का क्यों नहीं ऐसा करे कि पंचायत जो है वह स्वायत अपने वित्त के लिए हो, अपने वित्त की व्यवस्था करे ।

अध्यक्ष : अब समाप्त करें ।

श्री आनंद शंकर सिंह : आज वह राज्य और केन्द्र सरकारों पर डिपेंड करता है जिसके कारण यह स्थिति बनी रहती है ।

अध्यक्ष : बैठ जाईये । श्री प्रणव कुमार, 10 मिनट का समय था, 5 मिनट की कटौती हुई, 5 मिनट में अपनी बात को समाप्त करेंगे ।

श्री प्रणव कुमार : सम्मानीय अध्यक्ष महोदय, आपके आदेशानुसार मुझे इस सदन में अपना वक्तव्य देने का आदेश हुआ है । इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ और

उत्तरवाहिनी गंगा के किनारे दानवीर कर्ण की भूमि वर्त्तमान में दुनिया को कोई योग की शिक्षा को देने वाले मुंगेर नगरी के तमाम महान जनता को मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता को बिहार विधान सभा में भेजने का काम किया । मैं उन्हें पुनः आभार व्यक्त करना चाहता हूँ । मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूँ उस राष्ट्रवादी संगठन आर.एस.एस. का, जिसका मैं एक सामन्य कार्यकर्ता रहा हूँ । मैं उस राष्ट्रवादी छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता होने के नाते संगठन में काम किया जिसका परिणाम मुझे यहाँ तक आने का मिला । मैं उस राष्ट्रवादी छात्र संगठन को नमन करता हूँ, वंदन करता हूँ । मैं अपने राष्ट्रीय नेतृत्व और बिहार नेतृत्व को नमन करता हूँ, वंदन करता हूँ, अभिनंदन करता हूँ कि मुझ से गरीब अदना ऐसे कार्यकर्ता पर विश्वास रखकर मुंगेर विधान सभा क्षेत्र से, बिहार विधान सभा में भेजने का काम किया है । मैं ऐसे अपने प्रदेश नेतृत्व माननीय नीतीश कुमार जी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूँ कि इन्होंने आज मुझे यहाँ बोलने का अवसर दिया हैं ।

(इस अवसर पर माननीय सभापति, श्री प्रेम कुमार ने आसन ग्रहण किया)

सभापति महोदय, आज मैं बिहार सरकार के 2021-2022 के आय-व्ययक के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हूँ और विपक्ष का जो कटौती प्रस्ताव है उसके विरोध में वक्तव्य देने के लिए यहां खड़ा हुआ हूं । मैं सभापति महोदय, आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि हमारी एन.डी.ए. की सरकार 2005 से 2020 के बीच इन 15 सालों के बीच जो सड़क निर्माण के क्षेत्र में काम किए हैं वह अद्वितीय है जो बिहार ही नहीं बल्कि बिहार में आने वाले सभी लोग इस परिवर्तन को देख सकते हैं कि हमारे नेतृत्वकर्ता आदरणीय नीतीश कुमार के नेतृत्व में और हमारे पथ निर्माण मंत्री एन. डी.ए. की सरकार के समय से माननीय डा0 प्रेम कुमार जी, माननीय ललन सिंह जी और माननीय नीतीश कुमार जी, माननीय नंद किशोर यादव जी, माननीय मंगल पाण्डेय जी और वर्तमान में नितिन जी के नेतृत्व में बिहार सड़क के पथ निर्माण का कार्य अद्वितीय हुआ है । मैं इस सदन के माध्यम से बताना चाहता हूँ कि 2005 के पहले मुझे याद है, मैं जब छात्र की राजनीति में था, संगठन के कार्यों से शेखपुरा जाया करता था लेकिन लखीसराय मोटर सायकिल से जाते थे और लखीसराय से शेखपुरा तक जाने का काम मैं मोटर सायकिल को रख देता था और वह 30-35 कि.मी. मोटर सायकिल से नहीं जा पाता था । मैं ट्रेन से धक्का खाते हुए जाता था क्योंकि वहाँ की सड़कें नहीं बनी थीं और आपने सुना होगा कि उस समय सड़कों में गढ्ढा नहीं बल्कि गढ्ढा का अपमान हो रहा था।

क्रमशः

टर्न–18/पुलकित–अभिनीत/10.03.2021

(क्रमशः)

श्री प्रणव कुमारः महोदय, आपने सुना होगा कि उस समय सड़कों में गड्ढ़े नहीं बल्कि गड्ढ़े का अपमान हो रहा था, कहें तो गड्ढ़े में ही सड़क थी । हमारी सरकार के नेतृत्व में जिस दृढ़ इच्छा–शक्ति के साथ बिहार की सड़कों का निर्माण करने का काम हुआ है वह अद्वितीय है, असाधारण है । मैं सदन के माध्यम से बिहार की जनता और माननीय नीतीश कुमार का आभार व्यक्त करना चाहता हूं, ऐसे विकासशील पुरूष के नेतृत्व में, सदन में बहुमत देने का काम किया है । मैं इन्हें आभार व्यक्त करना चाहता हूं ।

हमारे एन0डी0ए0 के नेता, विकास के प्रतीक माननीय मुख्यमंत्री ने 'न्याय के साथ विकास' के द्वारा विकास में जो चार चांद लगाने का काम किया वह अद्वितीय है ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार)ः माननीय सदस्य, आपका समय पूरा हो गया है । कृपया आसन ग्रहण करें।

श्री प्रणव कुमारः महोदय, बिहार सरकार की तरफ से जो सड़कों का निर्माण कार्य कराया गया है, वह काफी अद्वितीय है । पहले पटना से मुंगेर जाने में 8 घंटे लगते थे लेकिन आज हमलोग साढ़े तीन घंटे में पहुंच जाते हैं ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार)ः आपका समय समाप्त हो गया है । अब माननीय सदस्य श्री राहुल तिवारी जी ।

श्री प्रणव कुमारः महोदय, अंत में बस एक मिनट ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार)ः आपका समय पूरा हो गया है ।

श्री प्रणव कुमारः महोदय, मुंगेर को विभिन्न खंडों में बांटा गया था । आज मुंगेर की सड़कों की हालत को मैं बताना चाहता हूं ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार)ः माननीय सदस्य, प्रणव जी बैठ जायं । आपका समय समाप्त हो गया है ।

श्री रणविजय साहूः माननीय सभापति महोदय ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार)ः आप बैठ जाइये ।

श्री ललित कुमार यादवः सभापति महोदय, ये व्यवस्था पर हैं, एक मिनट दे दीजिए ।

श्री रणविजय साहूः माननीय सभापति महोदय, आपके माध्यम से हम कहना चाहते हैं कि माननीय सदस्य गोपाल मंडल जी ने पूरे बनिया समाज को बनिया बैताल कहा और उन्होंने कहा कि कितने बनिया बैताल को मैं छांट चुका हूं, इन्होंने अपमानित करने का काम किया है। पूरे बिहार के जितने बनिया समाज के लोग हैं, व्यापारी हैं उनको इन्होंने अपमानित करने का काम किया है ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार)ः कृपया आप बैठ जायं । माननीय सदस्य, राहुल तिवारी जी आप बोलिए।

श्री राहुल तिवारी: माननीय सभापति महोदय, मैं विपक्ष के द्वारा लाये गये कटौती प्रस्ताव के पक्ष में खड़ा हुआ हूं और मेरे लिए यह बहुत ही खुशी की बात है कि सदन में हमारे साथ बिहार सरकार के पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी जी हैं, इनको मैं धन्यवाद देता हूं । इनके पुराने शासनकाल, जो 18 महीना चला और उस समय इनके विभाग के मंत्री होने के नाते, यह सौभाग्य शाहपुर की जनता को मिला कि बिहियां चौरस्ता से लेकर सलेमपुर पथ जो जाती है, लगभग 26 करोड़ की योजना का, पुल के साथ इन्होंने शिलान्यास किया था । आज कार्य पूर्ण हो चुका है और लोग उसका फायदा भी उठा रहे हैं । साथ ही साथ इनके शासनकाल में बिहियां चौरस्ता से जो स्टेट हाईवे बना है, जो पीरो एन0एच0 में जाकर मिलता है, इनके शासनकाल में वह लाभ भी शाहपुर की जनता को मिला और उसका लाभ लोग उठा रहे हैं ।

संजय सरावगी जी, भाषण दे रहे थे, मेरा विषय पंचायती राज में था लेकिन वो दिग्भ्रमित कर दिए । इस तरह बात कर रहे थे, ऐसा लग रहा है कि लालू जी के शासनकाल में पैसा था और हमलोग खर्च नहीं करते थे । ये इस तरह बात कर रहे थे कि लगता है कि इनके पॉकेट से पैसा खर्च करके हम जनता को दे रहे हैं । हमको याद करना चाहिये, जब हमलोग गंगा के पार जाते थे, उस समय बच्चा बाबू की स्टीमर चलती थी, उस समय इस पार से उस पार जाने में जो कठिनाई थी, स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने उस जगह पुल का उद्घाटन किया था, उनकी सरकार में पुल बना था, जो उत्तर बिहार को राजधानी से जोड़ता है । उस पुल की स्थिति इतनी खराब थी कि हमारे नेताजी जो हैं, केंद्र में बैठे मंत्री, जो गडकरी हैं उनसे बात करके उसको रिपेयरिंग कराने के काम का शुभारंभ इन्होंने किया ।

(व्यवधान)

नहीं, भारतीय जनता पार्टी का नहीं, बात तो हमारे नेताजी ने किया । आप भी तो पहले विपक्ष में थे, आपने भी तो मुख्यमंत्री जी के बारे में क्या-क्या वक्तव्य दिये थे, यह हमलोग देखे हुए हैं ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार): माननीय तिवारी जी आप आसन की ओर देखकर बोलें ।

श्री राहुल तिवारी: जी, कम-से-कम हमलोगों की सरकार, लालू जी ने पैसों की बर्बादी नहीं की । आज पंचायतों में जो योजनाएं चल रही हैं, पंचायतों की जो व्यवस्था थी वह लोकतंत्र को मजबूत करने की व्यवस्था थी कि पंचायतें जो हैं, वे सेल्फ गर्वनमेंट की तरह काम करेंगी, उसके यहां जितनी भी समस्याएं हैं, वह ग्रामीण के माध्यम से पूरा करेंगी ।

सभापति महोदय, जो नल-जल योजना है उसकी क्या हालत है, उसके बारे में मैं आज आपको बताना चाहता हूं । पंचायत के द्वारा जो काम हुए, जो एस्टीमेट बना, वह 15 लाख, 16 लाख में बना । पी0एच0ई0डी0 विभाग ने जो किया वह 40 लाख, 45

लाख के करीब किया । उसमें जिस पाइप का इस्तेमाल किया गया, हमको याद है जब हम छोटे थे, उस समय प्लास्टिक का जूता चलता था और जब प्लास्टिक का जूता फट जाता था तो उसको सोल्डर करके, गर्म करके उसको जोड़ा जाता था । जितने भी पाइप नीचे गये हैं, उनकी भी यही स्थिति है । एक पाइप से दूसरे पाइप को जोड़ने के लिए उसको हीट करके गर्म करते हैं, सोलेशन लगाते हैं, उसको चिपकाते हैं । आप बताइये, हजारों करोड़ रूपये की योजना है, क्या गरीब के यहां सही में पानी पहुंचाने की थी या खानापूर्ति थी ? उसकी जगह पर आपने बढ़िया पाइप का इस्तेमाल सी0पी0वी0सी0 पाइप का इस्तेमाल क्यों नहीं किया ? जो आगे चलकर यह सरकार के लिए नासूर बनने जा रही है । हर जगह लीकेज की समस्या है और आने वाले समय में इस समस्या को हमलोगों को झेलना पड़ेगा । दूसरा, इनकी सरकार जो पीठ थपथपाती है, शौचालय की महोदय, शौचालय एक सेल्फ योजना थी, बहुत वर्षों से चली आ रही थी, इसमें प्रोत्साहन के रूप में राशि दी जाती है । जो व्यक्ति मकान बनायेगा, उसको बारह हजार रूपया प्रोत्साहन राशि मिलनी थी ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार): माननीय सदस्य, आपका समय एक मिनट बचा हुआ है ।

श्री राहुल तिवारी: सभापति महोदय, लेकिन आज जो गांव की हालत है, ओ0डी0एफ के चक्कर में पूरी ग्रामीण जनता, पंचायत में जब तक शौचालय नहीं बनेगा, किसी को पेमेंट नहीं हुआ, इसमें ठेकेदारी प्रथा आ गई, बंदरवाट हो गया । महोदय, मेरे क्षेत्र में जाइए एक भी शौचालय नहीं रहें, सब शौचालय गिर चुके हैं, मेरा बाढ़ वाला इलाका है । यह हालत है, सरकार जो पीठ थपथपा रही है, इनका ड्रीम प्रोजेक्ट है पेड़-पौधे लगवाने का, उस जल-जीवन-हरियाली की यह हालत है कि गरीबों को जहां वर्षों से रखे हुए हैं, उनको हटवाने का काम कर रहे हैं और मुख्यमंत्री महोदय कह रहे हैं कि हम उनके लिए 60 हजार रूपया दे रहे हैं । आप बताइये जो लाखों रूपया इसमें खर्च हुए हैं, क्या उनको विस्थापित करना सही है ? आर0ई0ओ0 की सड़के हैं, पी0डब्लू0डी0 की सड़के हैं, एन0एच0 की सड़के हैं, बांध हैं, सबसे पहले कोई पेड़-पौधा अगर आपको सही में लगाना है तो पहले वहां जाकर आप पेड़-पौधा लगाइये, उसके लिए कोई एतराज नहीं है।

सभापति (श्री प्रेम कुमार): माननीय सदस्य, आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री राहुल तिवारी: सभापति महोदय, मेरी कॉन्सटीट्यूऐंसी का एक मामला है । वहां 80 में एक बांध बना था कोलवर से लेकर बक्सर तक । जब 80 के बाद, जो बाढ़ आई थी उसमें सौ मीटर में लगभग कटाव आ गया था, आज तक बांध की मरम्मती नहीं हो पाई है, जिसके कारण हर तीन साल में 40 करोड़, 50 करोड़ रूपये सरकार को मुआवजा देना पड़ता है । मेरी मांग है कि उस बांध को बनाया जाय और शाहपुर को बाढ़ मुक्त किया जाय ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार): माननीय सदस्य, श्री मनोज मंजिल जी, आपका समय है पांच मिनट ।

श्री मनोज मंजिलः सभापति महोदय, एन0सी0आर0बी0 के आकड़ों के अनुसार देश में हर पन्द्रह मिनट में एक दलित उत्पीड़न का शिकार हो रहा है । बिहार में हर रोज 17 दलितों पर, आदिवासियों पर अन्याय और उत्पीड़न हो रहा है । हर चार घंटे के अंदर देश में एक महिला के साथ बलात्कार की घटना घट रही है । अभी 10 फरवरी को केन्द्रीय गृह राज मंत्री जी ने बताया कि देश के जिलों में जितने कैदी बंद हैं, उनमें से 65.90 फीसदी कैदी एस0सी0, एस0टी0, ओ0बी0सी0 वर्ग श्रेणी के हैं और बिहार में शराबबंदी कानून में जितने लोग जेल में बंद हैं, उनमें से 80 फीसदी से ज्यादा एस0सी0, एस0टी0, ओ0बी0सी0 वर्ग के लोग हैं ।

5वीं क्लास के बाद, 8वीं क्लास के बाद, 10वीं, 12वीं क्लास के बाद बिहार में एस0सी0, एस0टी0 के बच्चे पढ़ाई छोड़ने के लिए, स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर हैं, क्योंकि उनके माता-पिता गरीब हैं, बेरोजगार हैं । वे भुखमरी का सामना कर रहे हैं, आप जानते हैं बिहार में मात्र 9.3 प्रतिशत एस0सी0, एस0टी0 के बच्चे उच्चतर शिक्षा में जा रहे हैं । ऐसी हालत में माननीय नीतीश जी की सरकार, भाजपा की सरकार बी0एड0 करने के लिए डेढ़ लाख फीस बढ़ा दी ताकि दलितों के, गरीबों के बच्चों को मास्टर बनने से रोका जा सके । गरीबों के बच्चे डी0एल0एड0 की शिक्षा, मेडिकल इंजीनियरिंग की शिक्षा, लॉ की शिक्षा, एम0बी0ए0, बी0सी0ए0 की शिक्षा नहीं कर पा रहे हैं । आज गरीबों के, दलितों के बच्चे कुपोषण के शिकार हैं । लम्बाई में कम हैं, वजन में कम हैं, उनके शरीर में रक्त की कमी है और जिन स्कूलों में पढ़ने जाते हैं वहां उन्हें बेहतर शिक्षा नहीं मिलती ।

(क्रमशः)

टर्न-19/हेमन्त-धिरेन्द्र/10.03.2021

...क्रमशः...

श्री मनोज मंजिल : सभापति महोदय, उनको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलती, उनका भविष्य नहीं बनता, वह मस्तिष्क में भी कमजोर हो जाते हैं, प्रतिभा मार दी जाती है । यह बिहार में दलित-गरीबों के बच्चों पर सामूहिक नरसंहार है और हम मांग करना चाहते हैं इस सरकार से कि समान स्कूल प्रणाली आयोग को भंग कर दिया गया । इनके हक में, इनके भविष्य के लिए शिक्षा में समान अवसर मिलना चाहिए और शिक्षा को बाजार और मुनाफाखोरी की वस्तु बना दिया गया है । XXX

श्री तारकिशोर प्रसाद, मंत्री : महोदय, आपत्तिजनक शब्द है, हटा दिया जाय ।

सभापति(श्री प्रेम कुमार) : इस शब्द को प्रोसीडिंग से हटा दिया जाय ।

श्री मनोज मंजिल : और गरीबों के बच्चों को स्कूल से विश्वविद्यालय से बेदखल कर दिया जाय । आज बात हो रही है दलित-महादलितों की, ये लोग उनकी बात करते हैं, एक लाख ग्यारह हजार अंठानवे एस.सी, एस.टी. के पर्चाधारियों को ये लोग दखल कब्जा नहीं दिला पाये हैं । इस बिहार में, कितने एस.सी., एस.टी. बेघर हैं, कितने भूमिहीन हैं, कितने लोगों को आपने पांच डिसमिल जमीन दी...

सभापति(श्री प्रेम कुमार) : अब आपका समय दो मिनट शेष है ।

श्री मनोज मंजिल : सरकार एक श्वेत-पत्र जारी करे । एक मिनट महोदय मैं इसमें बिहार के युवाओं पर बोलना चाह रहा हूं । पूरे देश में हमारा बिहार युवा प्रदेश है 57.2 प्रतिशत यहां युवा हैं और सबसे ज्यादा यहां बेरोजगारी है । महोदय, बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है । चार लाख सैंतीस हजार तीन सौ दस स्कूली मास्टरों के पद खाली पड़े हैं, 66 प्रतिशत इंजीनियरों के पद खाली पड़े हैं, 60 प्रतिशत विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं, 61 प्रतिशत डॉक्टरों के पद खाली पड़े हैं और यह सरकार विकास की लफाजी झाड़ती है । हम मांग करते हैं कि सरकार एक कानून लाये जिसमें सीएम हो, डीएम हो, एसपी हो कोई भी ऑफिसर हो सबके बच्चे सरकारी विद्यालय में पढ़ें, पता चल जायेगा कि किसका बच्चा ज्यादा प्रतिभाशाली है और महोदय, इसीलिए खेल और संस्कृति पटना म्यूजियम को बर्बाद कर दिया गया ।

सभापति(श्री प्रेम कुमार) : आपका समय समाप्त हो गया, कृपया आसन ग्रहण करें ।

---

xxx आसन के आदेशानुसार अंश विलोपित किया गया ।

श्री मनोज मंजिल : फणीश्वर नाथ रेणु भवन में पटना जिला संग्रहालय चल रहा है और गांवों में स्टेडियम नहीं हैं, खेल के मैदान नहीं हैं ।

सभापति(श्री प्रेम कुमार) : माननीय सदस्य श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी ।

श्री मनोज मंजिल : हम मांग करते हैं कि बिहार में खेल का विकास हो ।

सभापति(श्री प्रेम कुमार) : माननीय सदस्य, कृपया आसन ग्रहण करें ।

श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी : सभापति महोदय, मैं पंचायती राज, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, जल संसाधन एवं...

सभापति(श्री प्रेम कुमार) : आपका समय दो मिनट है ।

श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी : सर, तीन मिनट मुकर्रर किया गया है ।

सभापति(श्री प्रेम कुमार) : ठीक है, बोलिये ।

श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी : मैं आज बजट के पक्ष में सरकार की ओर से बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । महोदय, इसके लिए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी और अपने दल के नेता श्री

जीतन राम मांझी का बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूं । महोदय, राज्य सरकार सड़कों एवं पुलों का, निचले स्तर की जो बसावट है, बहुत अच्छे तरीके से सड़क बनाने का कार्य कर रही है । महोदय, जो सड़कों और पुलों का निर्माण हुआ है, पिछले दिनों की जब हम तुलना करते हैं, तो पाते हैं कि बिहार सड़कों और पुलों के निर्माण में देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है । महोदय, मैं कहना चाहता हूं, चूंकि मेरा समय कम है, पुल और सड़क पर मैं ज्यादा बहस नहीं करना चाहता हूं । चूंकि यह अग्रेतर है, पंचायती व्यस्था की अगर हम बात करते हैं, तो माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज में जितना पंचायतों में कार्य हो रहा है, अगर उदाहरण के तौर पर हम देखेंगे, तो पायेंगे कि मुख्यमंत्री सड़क-गली-नली योजना, मुख्यमंत्री पेयजल योजना, मुख्यमंत्री विद्युतीकरण योजना, ये सारे काम निचले स्तर पर जितनी तेजी से किये जा रहे हैं, काबिल-ए-तारीफ हैं और इस पर हम बहुत ज्यादा चर्चा नहीं करेंगे । अगर हम बात करते हैं अनुसूचित जाति-जनजाति की, तो जो पिछले स्तर पर शिक्षा का प्रचार-प्रसार किया जा रहा था, अनुसूचित जातियों के लिए 65 उच्च विद्यालय, आवासीय स्तर पर, जिसे हम अंबेडकर आवासीय विद्यालय के नाम से जानते हैं, संचालित है । अनुसूचित जन-जातियों के लिए 20 आवासीय विद्यालय छात्र-छात्राओं के लिए संचालित हैं । 7 प्राक् प्रशिक्षण परीक्षा केंद्र चलाये जा रहे हैं, जिसमें सरकार की ओर से बी.पी.एस.सी., यू.पी.एस.सी. की तैयारी करायी जा रही है, प्रोत्साहन राशि दी जा रही है ।

सभापति(श्री प्रेम कुमार) : आपका समय हो गया है । कृपया, आसन ग्रहण करें ।

श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी : सभापति महोदय, एक मिनट में मैं अपनी बातों को समाप्त करूंगा । कहना चाहता हूँ, आज सरकार ने जो विद्यालय से बाहर के बच्चे थे, उनके लिये टोला सेवक और शिक्षामित्र की बहाली की । मैं महोदय की ओर से माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि उनकी जो मानदेय है...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : कृपया आप बैठ जायं ।

श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी : सिर्फ, एक मिनट महोदय, मैं अपनी बातों को बहुत जल्द समाप्त कर दूंगा। कहना चाहता हूँ कि उन टोला सेवकों और विकास मित्रों की जो मानदेय की राशि नियत की गई है । हम आपके माध्यम से निवेदन करते हैं माननीय मंत्री जी से कि उसे बढ़ाया जाय और साथ-ही-साथ एक महत्वपूर्ण बात हम कहना चाहते हैं कि अनुसूचित जाति में जिनकी साक्षरता दर 15 प्रतिशत से...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : माननीय सदस्य, आप बैठ जायं, आपका समय पूरा हो गया है । माननीय सदस्य, श्री अखतरूल ईमान जी ।

श्री अखतरूल ईमान : माननीय सभापति महोदय, पथ निर्माण के...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : आपका मात्र दो मिनट समय है ।

श्री अखतरूल ईमान : ''उमरे दराज मांग कर लाये थे चार दिन । दो आरजू में कट गये, दो इंतजार में।'' महोदय, जरा-सा, कुछ वक्त तो बचाइये, हम पीड़ा कहते हैं । मुख्यमंत्री जी ने दावा किया है कि न्याय के साथ विकास होगा और अभी यहां पर सरकारी पक्ष के माननीय सदस्य ने कहा कि 6500 पुल पथ निर्माण में बनाये गये । मैंने उसको 243 से भाग दिया, तो प्रति विधान सभा 25 पुल होते हैं, तो वह 25 पुल हमें दिलवा दिये जायं यह मैं आग्रह करने के लिये खड़ा हुआ हूँ और महोदय, 50 किलोमीटर पर भी महानंदा पर पुल नहीं है, आठ किलोमीटर पर गंगा में बन रहा है । हम निवेदन करेंगे कि हमारे 25 किलोमीटर पर, 10 किलोमीटर पुल बना दिया जाय । हमारा सिल्ला घाट है, कुट्टी घाट है, छत्र घाट, भंकरद्वारी है, निसंदा है, इन पर हम, जवान मंत्री हैं, हम इनको तवज्जो दिलाना चाहते हैं । महोदय, हम एक जरूरी बात कहना चाहेंगे कि पुल का निर्माण अभी हो रहा है, मुर्गीगेदी का काम रुका हुआ है, उस पर तवज्जो दें ।

एक जरूरी बात हम पंचायत विभाग से कहना चाहेंगे, मंत्री जी यहां पर मौजूद हैं कि पंचायती राज को, इस वक्त इलेक्शन होने जा रहा है । क्या ही बेहतर होता कि राजनीतिक दलों से उनको जोड़ देते, उनकी पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं है । वहां पर हर दिन अविश्वास का प्रस्ताव पारित हो रहा है और सारे लोग यह चाहते थे कि उसको राजनीतिक दलों से जोड़ा जाय, यह काम करना चाहिए था । यह पीड़ा की बात महोदय, जो वार्ड सचिव हैं, 1 लाख 14 हजार लोग और सरकार जिनको बहाल करती है, तो उनको आशा जग जाती है और उनको कोई मानदेय नहीं दिया जाता है...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : अब आपका एक मिनट बचा है ।

श्री अखतरूल ईमान : महोदय, महोदय, एक मिनट महोदय । वह नाला का निर्माण करते हैं, जल का मामला हो, नल का मामला हो, देख-रेख करते हैं । महोदय, उनकी पीड़ा है कि उनका मानदेय मुकर्रर किया जाय और जो हमारे न्याय सचिव हैं, न्याय सचिवों की भी तनख्वाह जारी की जाय । एक आखिरी बात मैं कहूँगा, आजादी के बाद से लेकर इस वक्त तक एस0सी0, एस0टी0 का रोना वह कितने दिनों तक रोयेंगे ? आज भी एस0सी0, एस0टी0 की नौकरी की जगह खाली रह जाती है, उनके बच्चों को पढ़ाया नहीं जा रहा है । आज उनकी जरूरतें हैं कि पंचायत स्तर पर उनके लिये होस्टल खोले जायं वह नहीं तो प्रखंड स्तर पर उनके लिए रेसिडेंशियल होस्टल खोले जायं और जहां उनको खाना खिलाया जाय, वहां उस स्कूल में नौकरी करने वाले शिक्षक, चाहे जिस जाति के हों, उनके साथ बैठ कर खायें, तब छुआ छूत का खात्मा होगा, तभी उनका उत्थान होगा । यह मैं आपसे आग्रह करता हूँ ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : आपका समय समाप्त हुआ । अब, माननीय सदस्य श्री राजू कुमार सिंह जी।

श्री राजू कुमार सिंह : सभापति महोदय, अभी मुझे आपने जो पथ निर्माण विभाग के कटौती प्रस्ताव के...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : आपका दो मिनट का समय है । श्री राजू बाबू ।

श्री राजू कुमार सिंह : और सरकार के पक्ष में बोलने का मौका दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ, साथ ही साहेबगंज की तमाम उस महान जनता को धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिसने मुझे इस लायक बनाया । पथ निर्माण विभाग के बारे में, मात्र दो मिनट का समय है, ज्यादा क्या कहूँगा, आंकड़ो के जाल में नहीं जाना है । सरकार द्वारा किये गये कार्यों के, सारे विभागों के बारे में आज बिहार ही नहीं, बल्कि बिहार की जनता भी इस बात को बताती है कि बिहार में पिछले 15 सालों से किस तरह से सरकार चल रही है । मैं माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को धन्यवाद देना चाहूँगा, जिनके नेतृत्व में पथ निर्माण विभाग और यूं कहा जाय कि बिहार सरकार में बिहार सबसे तेज गति से आगे बढ़ा है तो इसको कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी । पथ निर्माण विभाग के किये गये कार्यों के बारे में, मैं इतना जरूर बताना चाहूंगा कि मैं भी वर्ष 2005 के पहले, 2005 में जब मैं विधायक बना था, इसी सदन में माननीय मुख्यमंत्री जी ने सभी माननीय सदस्यों के सामने एक वादा किया था कि बिहार में कहीं से भी पटना मुख्यालय पहुँचने में 6 घंटे से ज्यादा समय नहीं लगेगा । लेकिन आज मुझे खुशी होती है कि किसी भी जगह से पटना पहुँचने में अब लगभग 5 घंटे से ज्यादा समय कहीं नहीं लगता । मैं विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहूँगा, पथ निर्माण विभाग के पूर्व मंत्री जी को भी, जिनके कार्यकाल में किस तरह से बिहार का विकास हुआ और आज ठीक ही कहा विपक्ष के सदस्यों ने, अभी युवा मंत्री बैठे हुए हैं, एनर्जेटिक मंत्री बैठे हुए हैं, क्योंकि मेरा समय कम है, इसलिए कुछ आग्रह करने के साथ अपनी बात को खत्म करूंगा ।

...क्रमशः...

टर्न-20/सुरज-संगीता/10.03.2021

...क्रमशः...

श्री राजू कुमार सिंह : मंत्री जी, पिछले कार्यों में भी रियल में पुल का बहुत काम हुआ । पुल के काम के बारे में बता रहे थे माननीय सदस्य भी कि 25 पुल हिस्सा मिलना चाहिए । मैं पथ निर्माण विभाग के बारे में बताऊंगा की मेरे क्षेत्र में, मैं वर्ष 2005 से 2015 तक केवल विधायक रहा लेकिन 27 पुल बना हुआ है मेरे विधान सभा क्षेत्र में और आज भी मैं आग्रह करूंगा जिस पुल से, सेतु से लोगों को जोड़ने का काम किया गया । माननीय मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं, मैं आग्रह करना चाहूंगा, एक सुझाव के साथ में ये पुल का काम उतना ही जरूरी होता है, जितना जरूरी एक दूसरे के संबंध को जोड़ने में होता है ।

किस तरह से गांव के, प्रखण्ड के लोग, जिले के लोग एक दूसरे से जुड़ते हैं और हमारे क्षेत्र में ही नहीं बल्कि इस बिहार राज्य की दूसरी सबसे बड़ी नदी गंडक नदी जो वाल्मिकी नगर से लेकर हाजीपुर तक चलती है, वह दूसरी सबसे बड़ी लंबी नदी है जो गंगा में समाहित होती है...

सभापति (श्री प्रेम कुमार): आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री राजू कुमार सिंह : उसके अंदर जो पुल बना हुआ है । एक ही आग्रह है उसमें जितनी पुल बनी हुई है, मैं समझता हुं उस पर 3-4 और पुलों की आवश्यकता पड़ेगी इसलिए माननीय मंत्री जी से आग्रह होगा कि उसको दिखवाकर के उस पर पुल बनवाने का कार्य करेंगे । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : माननीय सदस्य श्री अजय कुमार जी ।

श्री ललन कुमार : महोदय, एक मिनट का समय चाहिए था...

सभापति (श्री प्रेम कुमार): ऐसा है, समय तय है प्लीज बैठ जाइये ।

श्री ललन कुमार : एक मिनट के लिए..

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : समय निर्धारित है सभी दलों का ।

श्री ललन कुमार : अनिवार्य विषय है सर...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : समय तय है ।

श्री ललन कुमार : कमजोर वर्गों का...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : माननीय सदस्य श्री अजय कुमार जी ।

श्री अजय कुमार : महोदय, मैं विपक्ष के द्वारा कटौती प्रस्ताव जो लाया गया है उसके पक्ष में मैं खड़ा हुआ हूं । अभी सत्ता पक्ष की ओर से बहुत जोर से इस बात पर चर्चा की गई कि हमारे 15 साल के राज में कोई घोटाला नहीं हुआ लेकिन जो उठाने वाले मेरे मित्र थे वो हैं नहीं । सृजन घोटाला के संबंध में भी अगर एक शब्द बोल देते तो अच्छी बात होती, खुशी होती । मैं पथ निर्माण के बार में चर्चा करना चाहता हूं, बहुत सारे पथ के बारे में और बहुत लंबी-चौड़ी बात की गई लेकिन सरकार की क्या मजबूरी है यह बताना चाहिये सरकार को कि 80 पुल की स्वीकृति लगभग 10 सालों से किया हुआ है एक भी पुल अभी तक क्यों नहीं बना ? उदाहरण के तौर पर बोल सकते हैं कि समस्तीपुर के भोला टॉकीज और फिर दलसिंहसराय का और उसके बाद मुक्तापुर दरभंगा के दोनार रेलवे का पुल क्यों नहीं बना...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : कृपया आसन ग्रहण करें ।

श्री अजय कुमार : दूसरी बात मैं पंचायती राज के बारे में कहना चाहता हूं विकास का निधि का जो पैसा आप देते हैं...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : माननीय सदस्य आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री अजय कुमार : प्रखण्ड में उसके बारे में कहना चाहते हैं कि आप फण्ड तो भेज दिए...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : माननीय सदस्य श्री सुर्यकांत पासवान जी ।

श्री अजय कुमार : लेकिन विभूतिपुर प्रखंड में डोंगल का बहाना बनाकर आप पैसा क्यों नहीं दिये...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : कृपया आसन ग्रहण करें, आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री अजय कुमार : तीसरी बात हम कहना चाहते हैं सिंचाई से जुड़ा हुआ...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : माननीय सदस्य, श्री सुर्यकांत पासवान जी ।

श्री अजय कुमार : महोदय, बहुत महत्वपूर्ण है सिंचाई से जुड़ा हुआ सवाल है आप आज लघु सिंचाई पर भी बहस कर रहे हैं...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : कृपया बैठ जायें, आपका समय समाप्त हो गया । माननीय सदस्य श्री सुर्यकांत पासवान जी ।

श्री सुर्यकांत पासवान : महोदय, खेल के लिए उर्वरा भूमि है । महोदय, खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रखण्ड स्तर पर खेल संगठनों का निर्माण हो और समय-समय पर खेल का अयोजन किया जाय और महोदय खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए प्लेईंग किट की व्यवस्था की जाय । महोदय इसी तरह लोक-कला को बढ़ावा देने के लिए कलाकारों को स्कॉलरशिप और विलुप्त होती हुई लोक संस्कृति को बचाने के लिए उसको बढ़ावा देने के लिए संगठन बनाकर उसका संपोषित आयोजन किया जाय ।

महोदय, बिहार की कई लोक-संस्कृति विलुप्त होती जा रही है, इसी तरह हमारे बखरी विधान सभा क्षेत्र की बहुरा गोदिल लोक नाट्य शैली आज विलुप्त होने के कगार पर है । इसे बढ़ावा देने के लिए बखरी क्षेत्र में एक संगठन का निर्माण हो और नाट्य कला भवन का भी निर्माण कराया जाय ।

महोदय, हमारे बखरी क्षेत्र में खिलाड़ियों के लिए कोई भी खेल स्टेडियम उपलब्ध नहीं होने से खिलाड़ियों को खेलने में बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है इसलिए बेगूसराय जिला के बिहट ग्राम में भी हमारी महिला...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री सुर्यकांत पासवान : खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए वहां भी खेल का एक स्टेडियम हो...

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : कृपया आसन ग्रहण करें ।

श्री सुर्यकांत पासवान : इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं । महोदय, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद ।

सभापति (श्री प्रेम कुमार) : माननीय सदस्य श्री सिद्धार्थ सौरव जी ।

श्री सिद्धार्थ सौरव : सभापति महोदय, सबसे पहले मैं आपको धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया । पथ निर्माण विभाग के बारे में मैं कुछ अपनी बात रखना चाहता हूं । इस विभाग के साथ सबसे बड़ी समस्या है कि इस विभाग के जितने भी

कन्सर्न जे0ई0 हैं, एक्जीक्यूटिव हैं सब पटना में बैठकर एस्टीमेट बनाते हैं । जितना भी एस्टीमेट बनाया जा रहा है ठेकेदारों और संवेदकों का भला करने के लिए बनाया जा रहा है और गरीब किसान और दलितों की अनदेखी करके बनाया जा रहा है । आज जहां भी सड़क का निर्माण किया है पथ निर्माण विभाग, जहां भी अगल-बगल में बसावट था, सभी घरों में बिन मौसम बाढ़ की स्थिति है, कहीं भी नाला निर्माण का काम इस विभाग ने पूरा नहीं किया है । मेरे क्षेत्र में तीन मुख्य सड़क है, नौबतपुर बाजार में सड़क का निर्माण किया गया, पूरा बाजार एक दिन अगर पानी पड़ जाये तो पूरी जनता को सीधे बाढ़ का अनुभव होता है, पूरे दुकान और घर में पानी घुस जाता है । पितवांस में दलितों का टोला है, कहीं भी नाला का निर्माण नहीं किया गया है । बाघाकोल गांव है, कम से कम 400 घर दलितों का है, बिना मौसम वहां बाढ़ आया हुआ रहता है । कहीं नाला का एस्टीमेट इन्होंने नहीं दिया । कहीं भी, जहां भी खेत के बीचों बीच इन्होंने एस्टीमेट बनाया है, कहीं भी किसानों के लिए पानी का कल्वर्ट बनाने का काम इन्होंने नहीं किया...

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

जिससे कि पानी का निकास हो सके । पूरे क्षेत्र में, पूरे पटना जिला में, पूरे बिहार में, इनका एस्टीमेट सिर्फ ढलाई और पक्कीकरण का रहता है और गरीब जनता की अनदेखी की जाती है और जहां तक बात कर रहे हैं माननीय मंत्री जी कि हजारों पुल दे दिए, पटना जिला के इतने नजदीक में नौबतपुर थाना है और पटना-औरंगाबाद नहर का निर्माण कर दिया गया । यहां पर पूरे 5 जिला के जो विधायक हैं, औरंगाबाद जाने के लिए नहर का इस्तेमाल करते हैं । नौबतपुर लख में जो पूरे विक्रम विधानसभा में सबसे महत्वपूर्ण पुल था 10 साल से सुनते हैं कि पुल पास है, आज तक पुल निर्माण का काम ही शुरू नहीं हुआ है । जितने विधायक हों या आम नागरिक हों, जब भी औरंगाबाद जाने के रास्ते में उनको नौबतपुर लख से गुजरना पड़ता है तो घंटो जाम में रखना पड़ता है तो जहां भी महत्वपूर्ण पुल है उसका निर्माण इन्होंने नहीं किया है और खेत में, खलिहान में, आहर में पुल बनाने का इन्होंने काम किया है । नौबतपुर-सहरामपुर से लेकर सरारी जो सड़क बन रही थी, उसके जांच के लिए हमने इनके सचिव को लिखा, प्रधान सचिव को लिखा, जांच के लिए हमने मांग किया । रात के अंधेरे में जांच करने के लिए इनके अफसर जाते हैं, दिन के उजाले में जांच करने के लिए अफसर नहीं जाते हैं । जब जांच हो तो हमने जब इस जांच के लिए लिखा है तो क्या हमें जानकारी नहीं होनी चाहिए ? हमें जानकारी देना चाहिए और मेरी उपस्थिति में जांच होना चाहिए तब जांच का सही निष्कर्ष निकल सकता है । आज शौचालय निर्माण के लिए कहा जाता है पंचायती राज विभाग के द्वारा ।

मैं एक बात पूछना चाहता हूं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि समाज के सबसे दबे कुचले लोगों को शौचालय की आवश्यकता है । आज आजादी के 73 साल बाद भी जिन लोगों को शौचालय नहीं मिला, उनके लिए यह योजना है । 12 हजार रुपया में कैसा शौचालय का निर्माण हो सकता है, यह सरकार हमको बताये । एक टेलर ईंटा का दाम आज 12 हजार रुपया है । प्रोत्साहन राशि का आज सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का कारण यह प्रोत्साहन राशि बन गया है । किसी का शौचालय कोई खरीद कर के लेकर चला जा रहा है । 12 हजार प्रोत्साहन राशि आज 3 हजार में ब्लॉक में बिक रहा है । तीन हजार दीजिए और बना हुआ शौचालय को पारित कराईए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय नेता, प्रतिपक्ष ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने समय दिया । हालांकि इस विषय पर हमको बोलना नहीं था, हमारे अन्य सदस्य जो हैं उनको हमलोगों ने टाइम एलॉट किया था वे अपने वक्तव्य को रखते आपके सामने । कई लोगों ने जिनको मौका मिला, उन लोगों ने, सभी लोगों ने अपनी बात को रखा...

अध्यक्ष : मुख्य सचेतक आपका नाम लिखकर दिये हैं ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : महोदय, पता है तभी हम खड़े हैं तो समय महोदय दिया गया इसके लिए धन्यवाद लेकिन हम जरूरी समझे कि आज इस विषय पर हमको बोलना चाहिए क्योंकि पथ निर्माण विभाग जो है, जब उप मुख्यमंत्री हम थे, महागठबंधन की सरकार में तो यह हमारे जिम्मे सौंपा गया था और अभी नए-नए मंत्री बने हैं नितिन नवीन जी । इस पर हमलोग इच्छुक थे जानने के लिए कि विभाग में एक सबसे मास्टर प्लान बनाया गया था, बी0आर0एम0पी0, बिहार रोड मास्टर प्लान 2035 यानी बीस साल का एक प्लान बनाया गया था मास्टर प्लान । ग्रैजुअली, पांच-पांच साल तक की योजना को लेकर के उसी हिसाब से क्रियान्वयन किया जाता है । मास्टर प्लान बनाने का यह मकसद था कि जो कन्जेशन है हमारी सड़कों पर, इससे हमको छुटकारा क्या मिले और अभी जो समस्या आ रही है, उसका ही निदान नहीं बल्कि भविष्य में कितना कन्जेशन रहेगा, ट्रॉफिक रहेगा उसके लिए हम अभी से तैयारी और प्लानिंग करके रखें । नीदरलैंड की एजेंसी है, उसने यह सारा काम किया था, रिपोर्ट वगैरह सौंपा था ।

...क्रमशः...

टर्न-21/राहुल-मुकुल/10.03.2021

क्रमशः

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दलः महोदय, उसी हिसाब से प्लान चल रहा था । महोदय, इस प्लान में था कि सभी डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर को हम चार लेन से जोड़ेंगे । अब हम लोग

सभी यहां 243 विधान सभा क्षेत्रों के सदस्य हैं, अब आप ही लोग बताइये कि आप के ही जिले में कितने चार लेन सड़कों से जिला हेडक्वार्टर को जोड़ा गया, क्या काम हुआ । महोदय, जो सब-डिवीजन हेडक्वार्टर था, हमको उसको दो लेन से जोड़ना था, हमको दो लेन चौड़ीकरण करना था, जो ब्लॉक हेडक्वार्टर है उसमें हमको दो लेन करना था । महोदय, अगर एन0एच0 की 5 हजार किलोमीटर की सड़क है तो एस0एच0 की 10 हजार किलोमीटर सड़क बनाने की योजना थी । अगर एस0एच0 की जितनी है उससे ज्यादा हमको दोगुना एम0डी0आर0 जो है, वह बनाने की थी । एम0डी0आर0 जो है मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड वह जोड़ने की पूरी प्लानिंग थी । अब तक मंत्री जी जब समीक्षा वगैरह आप कर लिये होंगे, अब काफी दिन हो गया और उम्मीद करते हैं कि इन सब चीजों की जानकारी हमको और हमारे सदन को ये उपलब्ध कराने का काम करेंगे । महोदय, आप देखिएगा कि कई लोगों ने आर0ओ0बी0 को लेकर के कई बातें कहीं, जब हम मंत्री बने थे तो लगातार वर्ष 2010 से लगभग 53 आर0ओ0बी0 जो थे वे फंसे हुए थे । अब आर0ओ0बी0 कब सैंक्शन हुआ, कब अनुमति मिली, यह जरा आप भी सदन को बताने का काम कीजिये ? हम तो सुने हैं कि एम0ओ0यू0 जो है वर्ष 2019 को हुआ लेकिन उससे पहले अनुमति कब मिली ? 53 आर0ओ0बी0 वर्ष 2010 से फंसे हुए थे माननीय नितिन गडकरी जी मंत्री थे, उस समय वर्ष 2015 में कोई डबल इंजन की सरकार नहीं थी लेकिन फिर भी जो बिहार को 200 करोड़ रुपये का सी0आर0एफ0 मिलता था उसको हम लोगों ने 1 हजार करोड़ रुपये सी0आर0एफ0 कराने का काम किया । महोदय, 53 आर0ओ0बी0 जो फंसे हुए थे उस समय हम लोगों ने अनुमति दी और आर0ओ0बी0 की अगर बात की जाए तो रेलवे ओरवब्रिज जो है । लालू जी और यू0पी0ए0 की सरकार में और मौजूदा डबल इंजन की सरकार में यही फर्क है, जब लालू जी रेल मंत्री थे तो सारा किराया आर0ओ0बी0 का जितनी भी कॉस्टिंग होती है सब अपने ऊपर ले लेते थे, सारा पैसा रेलवे के द्वारा दिलाया जाता था, अब क्या है फिफ्टी-फिफ्टी यानी आधा भारत सरकार देगी और आधा बिहार सरकार देगी तो भार किस पर आया ? बिहार के लोगों पर आया, बिहार सरकार पर आया । महोदय, वही लालू जी रेल मंत्री थे तो सारा किराया माफ करते थे, पूरे तरीके से जितना आर0ओ0बी0 बना है ज्यादातर आप देखियेगा सारा भार जो है उस समय के भारत सरकार के रेल मंत्रालय ने उठाने का काम किया । काम तो होना चाहिए डबल इंजन की सरकार है तो अब कितना पर काम हो रहा है भाई, जरा इसकी भी जानकारी दे दीजिए अगर हम गलत बोल रहे हैं तो ? आपका कितना शेयर लग रहा है, भारत सरकार का कितना शेयर लग रहा है ? कुछ तो डबल इंजन होने का फायदा होना चाहिए वरना, डबल इंजन किस बात का या तो लोग यही कहेंगे कि भाई एक इंजन जो है भ्रष्टाचार में है और दूसरा इंजन अपराध में है, यही चल रहा है, महोदय

किस बात का डबल इंजन । महोदय, ज्यादा कुछ हम नहीं कहेंगे लेकिन ओ0पी0आर0एम0सी0 के तहत, ओ0पी0आर0एम0सी0 इस विभाग में एक स्कीम है जहां रोड मेंटेनेंस को लेकर काम किया जाता है । रोड को मेंटेन करना, एक बार सड़क बन गई तो उसका रख-रखाव जो है इस पैकेज के और इस स्कीम के तहत होगा । अब हम माननीय मंत्री जी से जानना चाहेंगे कि आप ओ0पी0आर0एम0सी0, सुनने में आया है कि शायद टर्मिनेट हो रहा है या हो गया है या उस पर कोई काम नहीं चल रहा है तो हम चाहेंगे कि मंत्री जी जो हैं ओ0पी0आर0एम0सी0 के बारे में भी जानकारी दें और अभी कई लोग कह रहे थे, कई लोग तारीफ कर रहे थे कि इतना समय लगेगा, इतना समय लगेगा लेकिन लोगों को यह भी जानना चाहिए कि एक पुल बनने में मिनिमम कॉस्टिंग जो है, अब सबसे बड़ा जो नदियों पर विश्व का सबसे बड़ा जो पुल बन रहा है वह अपना है एल0एन0टी0 बना रही है जो मेरे क्षेत्र होते हुए जाता है सिक्स लेन ब्रिज, जिसमें कि 3 हजार करोड़ रुपया जो है वह लोन में है और 2 हजार करोड़ रुपया बिहार सरकार अपने खर्च पर कर रही है । महोदय, इसको पूरा करने की समय सीमा रखी गई थी वर्ष 2021 में, अभी हमको सुनने में आया है कि इसको दो साल और एक्सटेंशन कर दिया गया । अभी जे0पी0 पुल का जिक्र चल रहा था । हमने तय किया था कि 11 जून को उद्घाटन करेंगे और 11 जून को हम लोगों ने उद्घाटन किया लालू जी के जन्मदिन के दिन पर । समय-सीमा का पूरा ख्याल रखा हम लोगों ने, जो तिथि तय होती थी उसी तिथि में हम लोग पुल का उद्घाटन करते थे । आज तो ऐसा होता है कि पुल का उद्घाटन होने से पहले भी पुल ढह जाता है, जिस दिन उद्घाटन होता है उस दिन भी ढह जाता है और उद्घाटन के कुछ दिन बाद भी ढह जाता है । कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं, किसी कॉन्ट्रैक्टर पर आपने क्या कार्रवाई की, किसी अधिकारी पर क्या कार्रवाई की या किसी मंत्री ने जवाबदेही ली की नहीं ? इसके बारे में तो कोई जिक्र नहीं करते । महोदय, आप बताइए हजारों करोड़ रुपया ये कोई अपनी जेब से तो नहीं दे रहे हैं, थोड़ा-सा पानी आता है, उसमें पूरा कंकरीट बह कर चला जाता है । कभी उनके बांध को चूहा काट देता है । महोदय, क्या हालत बना रखी है ? मान लीजिए कहीं कोई हादसा हो जाए, जान-माल का नुकसान हो जाता तो जवाबदेही कौन होता, इसके बारे में सरकार को तो सोचना पड़ेगा । अब एक्सटेंशन दे दिया गया, क्यों एक्सटेंशन दिया गया ? क्यों नहीं जब सब कुछ प्रबंध कराकर के दे दिया था, जब पैसों की दिक्कत नहीं थी और सारी स्टडी कराकर के, रिसर्च कराकर के एक अनुमान निकाला जाता है कि इतने दिन में ये कम्प्लीट हो जाएगा । जब कमिटमेंट दे दिया तो आप दो साल का क्यों एक्सटेंशन दे रहे हैं ? क्या कार्रवाई की जा रही है एल0एन0टी0 पर या और कंपनियों पर? क्यों नहीं पहले से तय तिथि पर ही काम पूरा हो रहा है, क्यों नहीं हो रहा है,

प्रोग्रेस हो रही है कि नहीं हो रही है ? आपका जो मैरीन ड्राइव बनाने का शौक था, मैरीन ड्राइव बना की नहीं बना ? हम लोग आए थे तो उसमें स्पीड ही हम लोगों ने करवाया था जो प्रॉब्लम था, लेकिन अब क्या स्थिति बनी हुई है तो इस पर तो लोगों को जानकारी देनी चाहिए और हमने पहले भी नितिन जी आपको कहा था कि हम लोग जब कैबिनेट में प्रस्ताव लेकर के गए थे ई0ओ0टी0 का, वेरिएशन का, स्टीमेट की फाईल अभी भी मंत्री के पास आ रही है या कमिटी ही कर रही है या वह बदल गया । इसके बारे में थोड़ी बहुत जानकारी हम लोगों को देने का काम कीजिए । अध्यक्ष महोदय, यह महत्वपूर्ण विषय है, अभी कुछ दिन पहले, दो महीने पहले हमको पता चला कि विभाग में भारी पैमाने पर तबादले, पोस्टिंग हुई । जो थोड़े समय के लिए जो मंत्री आएं मंगल पाण्डेय जी, हमको अब पता नहीं कि ऐसी क्या आवश्यकता पड़ गई कि भारी पैमाने पर ट्रांसफर, पोस्टिंग हुई, दो महीने पहले, हालांकि यह महीना, एक महीना तय है जहां विभाग फैसला लेता है उसी के दौरान मंत्री सक्षम होते हैं ट्रांसफर/पोस्टिंग के लिए, लेकिन उस समय जरूर यह फाईल मुख्यमंत्री के पास भी गई होगी, उनके भी हस्ताक्षर होंगे तबादले में, मुख्यमंत्री जी भी बैठे होंगे । यह क्या है, ये तबादले का खेल है या क्या है? आपने एक्शन लिया या कार्रवाई की या विषय कुछ और ही था ? अब हम तो यही कहना चाहते हैं कि आर0सी0पी0 टैक्स का क्या जिक्र करना यहां ? पूरा बिहार जानता है, हमने बार-बार इसको डिफाइन किया है कि आर0सी0पी0 टैक्स का मतलब है रिज्वर्ड कमीशन प्रीविलेज टैक्स । कुछ और समझ रहे थे तो वह समझना भी जायज है उसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन भाई है क्या ? महोदय, इसमें तो हम लोगों को समझना पड़ेगा कि आखिर ये विभाग में हो क्या रहा है इतने ट्रांसफर/पोस्टिंग । हम तो ज्यादा कुछ नहीं सोचे थे बोलेंगे, लेकिन महोदय, हम लोग चाहते हैं कि मंत्री जी अब आए हैं तो इन सारी चीजों का जिक्र करें, काम करें, पुल के बारे में बताएं, रोड़ के चौड़ीकरण के बारे में बताएं कि भाई आपके एम0डी0आर0 की क्या हालत है, एस0एच0 की क्या हालत है, एन0एच0 की क्या हालत है ? अभी-भी बुरा से बुरा हाल है, छपरा में पहला जो डबल डेकर का फ्लाईओवर हम लोग लेकर के आए थे, छपरा अब जब जाते हैं बिहार में डबल डेकर जैसा फ्लाईओवर नहीं था इसलिए सी0आर0एफ0 से भी हम लोगों ने व्यवस्था करवाकर के हम लोगों ने एक योजना बनाई थी तो उसमें हम लोग फैसला लेते थे, समय पर काम होता था, पूरी पारदर्शिता से होता था । महोदय, अब क्या हो रहा है कुछ पता ही नहीं चल रहा है ?

क्रमशः

(क्रमशः)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दलः महोदय, किसी पर कोई कार्रवाई नहीं । अभी इनके सदस्य नहीं हैं, जिक्र कर रहे थे अलकतरा घोटाले का, शायद उनको ये नहीं पता है कि भाई बीजेपी ऐसी पार्टी है, इनके पास पता नहीं कौन-सी मशीन है, वाशिंग मशीन है एक तरफ डालियेगा चाहे कितना बलात्कारी हो, क्रिमिनल हो, भ्रष्टाचारी हो इधर से डालो उधर से साफ होकर के निकल जाता है । जरा बताइए वही अलकतरा मंत्री जिसका आपलोग जिक्र कर रहे थे वह उनके परिजन जो हैं उनके परिजन कौन से गठबंधन से लड़ रहे थे और कौन सी पार्टी से लड़ रहे थे इसके बारे में क्या बोलना तो इसलिए महोदय, ज्यादा कुछ हमको टीका-टिप्पणी नहीं करनी है । काम तो कुछ इनलोगों को करना है नहीं लेकिन भाषण देने में ये लोग बहुत माहिर हैं, भारी कलाकार लोग हैं महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्षः बैठ जाइये, बैठ जाइये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दलः अध्यक्ष महोदय, हम यह भी बताना चाहेंगे, लोग बोलते हैं हमने तो शुरू से ही अपने बजट वाले भाषण में हमने पूरा हिसाब रखा, आठ गुना बजट आपका बढ़ा है उस समय से अब तक 15 साल में, हमलोगों का भी 15 साल में आठ गुना बजट बढ़ा, उसी तेजी के साथ बढ़ा और हमने यह भी बताया था उस दिन बजट के भाषण में पता नहीं आपलोग रिसर्च स्टडी करके आते हैं कि नहीं करते हैं । उदारीकरण जब मनमोहन सिंह जी वित्त मंत्री थे उसके बाद से शुरूआत हुई । आज क्या है ? अभी हमने जिक्र किया 6 लेन पुल का आज आपको लोन मिलता है जायका से, वर्ल्ड बैंक से, ब्रिक्स से पहले मिलता था क्या ? ये लालू जी और यू0पी0ए0 की देन है कि स्टेट विधायक जो हैं लोन ले सकते हैं तब जाकर के रोड और ये बन रहे हैं और प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत स्वर्गीय रघुवंश बाबू, हमलोगों का पूरा सम्मान है । आज हमलोग याद करते हैं, पूरा बिहार रघुवंश सिंह जी को याद करता है कि उन्होंने प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत जब भारत सरकार में मंत्री थे तो सबसे ज्यादा देश में अगर सड़कों का रोड अगर बनवाने का काम किया तो रघुवंश बाबू जी ने बनवाने का काम किया, वह तो हमारी सरकार में थी । सारा काम तो हमारे टाइम में हुआ तो उसकी वजह से एन0एच0 का हो या और कोई हो सारा फंडिंग स्टेट का भी भार हम लोग ले लेते थे । आज जरा बताइए आरोपी है कितना आपलोगों को जाना पड़ेगा दिल्ली, नाक रगड़ना पड़ेगा तो भी नहीं मिलता है आपको अधिकार । वह तो लालू जी और रघुवंश जी की देन थी कि 1 लाख 56 हजार करोड़ रुपया पूरा दबाकर के बिहार को दिये यू0पी0ए0 की सरकार थी तब जाकर के विकास हुआ । आपके शासन काल में तो हम पूछ रहे हैं डबल इंजन

सरकार में कितना मिल रहा है, कितना मिल रहा है इसलिए ज्यादा कुछ हम नहीं कहेंगे महोदय, हम बस इतना, अब ज्यादा कुछ न कहते हुये हमने पहले भी जिक्र किया था, यहां वरिष्ठ मंत्री भी बैठे हैं, उपमुख्यमंत्री भी हैं दोनों हमारा दोनों का सब लोगों के प्रति सम्मान है लेकिन अखबारों में जैसा छपा है महोदय और हमने पहले भी बताया है कि मंत्री जो हैं राम सूरत राय स्कूल के संस्थापक हैं । उनके यहां से शराब जो है पेटी जो है मिला है और उनके भाई हंस लाल राय पर एफ0आई0आर0 दर्ज हुआ है । गिरफ्तारी हुई की नहीं हुई, हो ही नहीं सकती है न गिरफ्तारी । ऐसे कितने लोग हैं जो गिरफ्तार होने हैं यहां भी बैठे हैं लेकिन गिरफ्तारी तो हो ही नहीं सकती है महोदय, क्योंकि सत्ता का संरक्षण है । महोदय, इसलिए आप बताइए कब तक होगी । एक मंत्री थे अपने भाई को ही भेजते थे मुख्यमंत्री जी ने बोला नहीं-नहीं वह कोई बात नहीं है एक जगह की बात है लोग चला जाता है मंत्री जी बोले कि हम भेजे नहीं थे लोग जाता है तो उसी में चला गया लेकिन वह हर जिला में जाकर के उद्घाटन किये हैं महोदय, हर जिला में, कोई हाजीपुर की बात नहीं थी हर जगह पूर्णिया हो या और कोई जिला हो क्या कार्रवाई हुई । महोदय, 75 घोटाले हो गए, क्या कार्रवाई हुई, कौन दोषी है किसी को कुछ पता ही नहीं है ? ट्रेजरी से इतना पैसा जा रहा है, गायब हो रहा है अब ये तो उनके कैंपस से अब पता नहीं अब क्या ये लोग एक्शन लेंगे नहीं लेंगे हमको तो ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन अब दलितों की जहां तक बात है महोदय, आरक्षण के जितने संस्थान थे वह तो सारा खत्म ही कर रहा है तो नौकरी कहां से मिलेगा । चाहे एयर एंडिया हो, चाहे बीएसएनएल हो, चाहे रेलवे हो जहां सरकारी नौकरी मिलना था सब का प्राइवेटाइजेशन, निजीकरण कर रहा है तो कहां से आपको जो है दलितों का आरक्षण लागू हो पाएगा जब संस्था ही नहीं बचेगी तो आरक्षण कहां से बचेगा तो हमलोग तो चाहेंगे डबल इंजन की सरकार है जितने निजी क्षेत्र में भी आरक्षण को लागू किया जाय हम सबलोगों का समर्थन रहेगा महोदय और शराबबंदी को लेकर के सबसे ज्यादा अगर कोई पीड़ित है महोदय, तो आज देखिएगा लगभग 4 से 5 लाख जो दलित लोग हैं बिना ट्रायल के जेल भेजे जा रहे हैं उनको न्याय दिलाने का महोदय, इसलिए हम चाहेंगे कि सभी लोग जो हैं सरकार से जवाब मांगे क्योंकि जब तक सरकार पर दबाव नहीं होता है ये कोई काम करने वाले ये लोग नहीं है । इसलिए हम लोग चाहेंगे कि नीतीश कुमार जी अंतरात्मा को जगाएं । अभी हम बंगाल में गए थे, अभी प्रचार में भी जाना है हमको चुनाव में..

अध्यक्ष: आसन की ओर देखकर बोलिए, आसन की ओर, उधर कहां देख रहे हैं ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल: वहां भी हमलोग कोशिश करेंगे कि मुख्यमंत्री जी के अंतरात्मा को बंगाल की खाड़ी से निकाल के लाएं...

अध्यक्ष: अब आप संक्षिप्त कर लें ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दलः तो ज्यादा कुछ नहीं, हमलोग चाहेंगे कि इन सारी चीजों पर, इन विषयों पर मंत्री हों या सदन के नेता हों या वरिष्ठ नेता हों कुछ जिम्मेदारी लेकर के इन सभी चीजों का उत्तर दें । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्षः अब सरकार का उत्तर होगा । माननीय मंत्री, पंचायती राज । कृपया अपना पक्ष रखें ।

सरकार का उत्तर

श्री सम्राट चौधरी, मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का समय दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद । पंचायती राज विभाग बिहार में मूलतः यह विभाग 2008 में अस्तित्व में आया । इसके पहले यह ग्रामीण विकास विभाग का पार्ट हुआ करता था और इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को हम धन्यवाद देते हैं कि पंचायत जैसी संस्था जो महात्मा गांधी जी का सपना था कि पंचायतों को मजबूत करना है और पंचायतों की पूरी व्यवस्था पहले हुई लेकिन इसको एक विभाग के तौर पर स्थापित करने का काम 2008 में पहली बार इसको स्थापित बिहार में किया गया पंचायती राज विभाग ने मूलतः सात निश्चय के माध्यम से दो बड़ी योजनाओं को चालू करने का काम किया । विरोधी दल के नेता तेजस्वी जी बता रहे थे कि चीजों को स्थापित, 2015 में सात निश्चय का काम शुरू हुआ लेकिन काम करते-करते, धीरे-धीरे आज यह बड़े सौभाग्य का दिन है । मैं बताना चाहता हूं कि पूरे बिहार में मात्र 15 सौ वार्ड ही बचे हैं जिनकी गली-नली योजना का काम शेष रह गया जो लिस्टिंग किया गया था पांच वर्ष पहले और आगे भी क्योंकि इसके पुनरीक्षण का भी काम किया जा रहा है । बहुत जगह छूटे भी हैं ऐसा नहीं है कि नहीं छूटे हैं इसको भी मैं ग्रहण करता हूं क्योंकि कुछ साथी हमारे बता रहे थे कि कुछ इलाके अभी-भी छूटे हुए हैं उसके शेष भाग का भी सर्वेक्षण करके उसको पूरा करने का काम किया जा रहा है । दो बड़े निर्णय हमलोग जब आए थे सरकार में तो दो बड़े आदेश, क्योंकि लगातार माननीय सदस्यों की जो चिंता थी उस चिंता से मैं भी वाकिफ हूं कि लगातार कई जगह हमने देखा कि रोड जो है तोड़ दिया जाता था और वह टूटा हुआ रहता था और नल-जल योजना का पाइप बिछा दिया जाता था क्योंकि उसके मेन्टेनेंस का काम जिस तरह पी0एच0डी0 डिपार्टमेंट को मिला हुआ है क्योंकि माननीय सदस्य अभी आपको बता रहे थे कि पिछली बार जो पी0एच0डी0 के द्वारा किया गया उसमें 25 से 30 लाख रुपया खर्च किया गया और पंचायतों के द्वारा जो काम किये गये उसमें मात्र 15 से 20 लाख रुपया खर्च किया गया तो स्वाभाविक है, अंतर था क्योंकि उसमें मेन्टेनेंस का काम नहीं था तो मेन्टेनेंस के काम को देखते हुए सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि उसके मेन्टेनेंस का काम पंचायत में जो वार्ड है उसके स्तर पर उसको किया जायेगा उसकी योजना बनाकर हमलोग इसको 2021 और 2022 में

स्थापित करेंगे लेकिन दो चीज, जिस सड़क को तोड़ने का काम किया गया उसको यदि रि–स्टोर नहीं किया गया, उसको पंद्रह दिनों का समय दिया गया है कि पंद्रह दिनों में इसको रि–स्टोर करके उस पूरी सड़क को फिर से मरम्मत करने का काम किया जाय और जिस नल–जल योजना के माध्यम से नल से पानी नहीं गिरता हो उसको हम पूर्ण नहीं मान सकते हैं ।

...क्रमशः...

टर्न–23/सत्येन्द्र/10–03–21

...क्रमशः...

श्री सम्राट चौधरी, मंत्रीः नल जल योजना के माध्यम से जो काम हुआ और नल से पानी नहीं गिरता है तो उसको हम पूर्ण नहीं मान सकते हैं, उस कार्य को ही पूर्ण नहीं मान सकते हैं तो उसके लिए भी आदेश दिया गया है, चूंकि पंचायत का चुनाव है और पंचायत चुनाव में जाने के पहले हर हालत में 15 दिनों के अन्दर, इसमें भी निर्णय लिया गया है कि 15 दिनों के अन्दर इसको पुनर्स्थापित करें नहीं तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई या एफ0आई0आर0 दर्ज करने का भी काम किया जायेगा। चूंकि बड़ा स्पस्ट है, सरकार गांव में नल जल योजना पहुंचाना चाहती है और यह सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय है । देश के प्रधानमंत्री भी चाहते हैं कि इसको हमको पूरा करना है और बिहार के मुख्यमंत्री जी भी चाहते हैं कि इसको पूरा करने का काम करें । निश्चय–2, जो सात निश्चय–2 है, इसके माध्यम से एक बड़ी योजना हमलोग बिहार के गांव में ले जा रहे हैं जिस तरह शहरों में स्ट्रीट लाईट का काम 2014–15 से शुरू किया गया और लगभग साढ़े 12 लाख से 13 लाख स्ट्रीट लाईट शहरों में लगाये गये , इस बार सरकार ने निर्णय लिया है आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में कि सात निश्चय पार्ट 2 में हम पूरे बिहार में साढ़े 12 लाख स्ट्रीट लाईट गांवों में लगायेंगे जो सोलरयुक्त होगा और प्रत्येक बार्ड में 10–10 की योजना बनायी गयी है जो हम अगले दो वित्तीय वर्ष में इसको पूरा करने का काम करेंगे। लगातार चिन्ता का विषय बढ़ता है कि पंचायत सरकार भवन, चूंकि पंचायतों में सरकार का स्थापना करना। पंचायत भवन जो हमारे बने, लगभग 1300 पंचायत सरकार भवन हमारे यहां बने, चाहे वह एल0ई0ओ0 के माध्यम से या मुखिया के माध्यम से लेकिन शेष लगभग 7 हजार पंचायत सरकार भवन बनने हैं उसमें तीन हजार पंचायत सरकार भवन निर्माणाधीन है और शेष लगभग 4 हजार पंचायत सरकार हमको बनाने हैं तो सरकार इस बार जो हमलोग वित्तीय बजट में आपके यहां हमलोगों ने प्रस्ताव रखा है इसके माध्यम से हमलोग 15 अगस्त या 2 अक्टूबर को यह तय कर के सरकार निर्णय लेगी कि एक साथ जो बचे हुए जितने भी पंचायत हैं, सभी जगह पंचायत सरकार भवन बनाने का काम शुरू करने का काम करेंगे और पंचायतों को स्वाभाविक है, हमारे कई विधायक इस पर

चिन्तन करते रहे हैं कि बार्ड सचिव, जब बदलाव आ जाता है मुखिया जब बदल जाते हैं तो बार्ड सचिव के माध्यम से पंचायतों का रेकर्ड उपलब्ध नहीं हो पाता है तो हमलोगों ने दो व्यवस्था करने का काम शुरूआत किया है, एक प्रत्येक पंचायत में जहां पंचायत सरकार भवन नहीं भी है वहां दूसरा जो सामुदायिक भवन है उसमें हमलोग आर0टी0पी0एस0 काउंटर खोलेंगे जिससे कि ब्लौक जाने की आवश्यकता पूरी तरह समाप्त हो जायेगी और पंचायत जितने भी जो हमारे शेष लगभग 8100 पंचायत बचेंगे चूंकि 300 पंचायत नगर निगम, नगर निकाय में चले जायेंगे तो वैसी व्यवस्था हमलोग करने जा रहे हैं कि आर0टी0पी0एस0 काउंटर पूरी तरह हमलोग गांवों में, पंचायतों में खोलने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार के स्तर पर पंचायत सरकार भवन का काम किया जा रहा है। हमलोगों ने एक और बड़ा निर्णय लिया है कि प्रखंड में भी जो पंचायत प्रतिनिधि जीत कर आते हैं, उसको वहां पर बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं हो पाती है तो हमलोग एक बड़ा निर्णय और ले रहे हैं कि 2021-22 में एक ऐसी व्यवस्था कर के लगभग 2 करोड़ का एक योजना बनाकर प्रत्येक प्रखंड लेवल पर जो 534 यूनिट बनाकर सभी प्रखंडों में एक पंचायत समिति के भवन के तौर पर हमलोग स्थापित करेंगे जो 2 करोड़ रू0 का स्थापित करने का काम किया जायेगा इसलिए बड़ा स्पष्ट है कि हम पंचायत में भी सरकार की व्यवस्था करेंगे, प्रखंडों में भी इसकी व्यवस्था करेंगे और जिला में हमारा पूर्ण रूप से, पहले से जिला परिषद के बहुत से भवन हैं डाकबंगला है उसमें हम पूरी तरह स्थापित करने का काम कर रहे हैं। अभी आदरणीय नेता विरोधी दल अपनी बातों को रख रहे थे तो उसमें उन्होंने एक जिक्र किया कि पूरानी की सरकारों में पैसा बहुत मिलता था । हम छोटा सा एक विवरणी देते हैं, कोई आरोप हम नहीं लगा रहे हैं, 13वीं फायनांस में बिहार को मात्र 4978 करोड़ रू0 मिला, मतलब लगभग 5 हजार करोड़ रू0 मिला जो 2010 से लेकर 2013-14 तक की योजना है और उसके बाद जब देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी बनकर आये और तब से जब पैसा देने का 14 वीं फायनांस आया, उसके माध्यम से हमलोगों को बिहार जैसे प्रदेश को जहां पांच हजार करोड़ रू0 पंचायतों को ग्रांट मिलता था 13 वीं फायनांस में वहीं 14वीं फायनांस में हमको 19 हजार करोड़ मिला इसका मतलब है चार गुणा, चार गुणा पैसा बिहार को मिलने का काम किया और अभी 15 वीं फायनांस शुरू हो गया है, आज हमको लगभग 5 हजार करोड़ में 3700 करोड़ रू0 मिल चुका है और अध्यक्ष महोदय और आगे की योजना जो है 15-20 दिनों में और शेष राशि हमको उपलब्ध हो जायेगी इसलिए बड़ा स्पष्ट है कि पंचायत पूरी तरह मजबूत हो रहे हैं, पंचायत को पूरी तरह सशक्तीकरण किया जा रहा है और लगभग आप सोचिये, लगातार पंचायतों में इतनी बड़ी संख्या को 2 लाख 58 हजार 734 लोगों को हम मानदेय देने का काम करते हैं और इसमें भी सभी

स्तर के लोग हैं, ग्राम पंचायत के सदस्य से लेकर बार्ड सदस्य, मुखिया से लेकर सरपंच तक तमाम लोगों को इसके माध्यम से हमलोग मानदेय देने का प्रयास करते हैं। सरकार पूरी तरह से तत्पर है कि जिस तरह शहर में गांव में, शहर और गांव का फर्क खत्म हो अध्यक्ष महोदय तो जिस तरह पहले शहरों में लाईट लगाने का काम किया गया, प्रशासनिक भवन बनाने का काम किया गया, टाउन हॉल बनाने का प्रयास किया गया उसी तरह उसी के तर्ज पर हमलोगों ने तय किया है कि इस बार गांव में हमलोग पंचायत सरकार भवन बना रहे हैं जहां प्रशासनिक काम होगा, पार्कों के निर्माण का निर्देश हमलोगों ने 15वीं वित्त में किया है। सी0सी0टी0भी0 कैमरा लगाने के लिए हम निर्देशित कर रहे हैं गांव की सुरक्षा के लिए, स्वाभाविक है सभी जगह नहीं लग पायेंगे लेकिन इंट्री प्वायंट जो मूल जगह है उन चीजों को सुरक्षा की दृष्टि से इसको रखने का काम किया जायेगा । उसी तरह गांव से लोग शादी करने के लिए बाहर आते हैं, कोई हॉल की व्यवस्था नहीं है विवाह भवन की व्यवस्था नहीं है, हमलोग एक व्यवस्था कर रहे हैं कि 2020-21 में जिस तरह शहर में सम्राट अशोक भवन का निर्माण पूरे बिहार में हो रहा है, उसी तरह गांव में भी सम्राट अशोक भवन का निर्माण हमलोग गांव में भी कराने का काम करेंगे इसीलिए अध्यक्ष महोदय बड़ा स्पष्ट है कि गांव में भी जो शहर की व्यवस्था थी और दो महत्वपूर्ण चीज मैं और बोलना चाहता हूँ कि कचरा का प्रबंधन, स्वाभाविक है शहरों में धीरे धीरे एक सिस्टम बनता जा रहा है कि अब कचरा का प्रबंधन अब धीरे धीरे होना शुरू हो गया है, अब गांव में भी छोटे छोटे यूनिट लगाने का हमने निर्णय लिया है, क्योंकि पैसा पर्याप्त है हमारे पास और हमलोग गांव में पूरी तरह कचरा का प्रबंधन क्या किया जा सकता है, इसके लिए मार्गदर्शन का काम हमलोग कर रहे हैं इसका पूरा खाका तैयार कर रहे हैं कि गांव में कचरा का प्रबंधन हो और दूसरा जो सबसे बड़ा चीज है कि टैक्स वूसली का, कोई टैक्स वसूली कोई हम आम आदमी से नहीं करना चाहते हैं लेकिन हम एक प्रस्ताव जरूर रखना चाहते हैं हम आपको बतलाना चाहते हैं कि गांव में जो कॉमर्शियल यूज की चीजें होती है, चाहे जो टावर लगाये रहते हैं या कोई दूकान है..

अध्यक्ष: अब संक्षिप्त कर लें आप ।

श्री सम्राट चौधरी, मंत्री: अब मैं समाप्त करता हूँ। मैं कॉमर्शियल टैक्स को गांव में भी स्थापित करने का काम किया जायेगा आपने मौका दिया पंचायत राज जैसे विभाग को अपनी बातों को रखने का मौका दिया इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद ।

श्री संजय कुमार गुप्ता: अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्ष: यह प्रश्न काल नहीं है, बैठिये । माननीय मंत्री, पथ निर्माण विभाग ।

सरकार का उत्तर

श्री नितिन नवीन, मंत्री: अध्यक्ष महोदय, आज पथ निर्माण विभाग के इस मांग के विषय पर चर्चा कई माननीय सदस्यों ने की है । करीबन 16 सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया है माननीय वरिष्ठ नेता श्री विजय शंकर दूबे जी के कटौती प्रस्ताव के साथ चर्चा शुरू हुई और माननीय नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी ने इस विषय पर अपना पूरा विषय रखा साथ में हमारे कई माननीय सदस्य संजय सरावगी जी, कुमार सर्वजीत जी, रामविशुन जी, अमरेन्द्र जी, आनंद जी,प्रणव जी, राहुल जी, प्रफुल्ल मांझी जी, माननीय अखतरूल ईमान जी, राजू जी, अजय जी, सिद्धार्थ सौरव जी सहित सभी सदस्यों ने भाग लिया । मैं सबसे पहले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ और साथ ही साथ अपने उस क्षेत्र की जनता जिसने आशीर्वाद देकर पिछले 15 वर्षों से लगातार उनका आशीर्वाद मिला वहां के कार्यकर्त्ताओं का साथ मिला और काम करने के दौरान मैंने चूंकि मेरे पिता स्व0 नवीन सिन्हा इसी सदन के सदस्य रहे हैं... (क्रमश:)

टर्न-24/मधुप/10.03.2021

...क्रमश:...

श्री नितिन नवीन, मंत्री : मैंने तो उनके साथ काम नहीं किया लेकिन अपने कार्यकर्त्ताओं और अपने वरिष्ठ नेताओं का साथ मिला और उनसे हमने काम सीखा है । मेरा मानना है कि काम को सीखने का जो सबसे बड़ा केन्द्र होता है, वह जनता होती है और जनता ने ही मुझे काम सीखाकर यहाँ पर बैठाया है तो मैं निश्चित रूप से जनता के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ ।

अध्यक्ष महोदय, किसी भी राज्य और देश की प्रगति का जो परिचायक होता है, उसकी सड़कें होती हैं । बहुत पहले 16वीं शताब्दी में जो शेरशाह सूरी हमारी राजा हुआ करते थे उन्होंने सड़कों की शुरूआत की, उसके बाद अंग्रेजों के समय में भी ग्रैंड ट्रंक रोड बना जिसकी चर्चा बहुत सारे लोग करते रहते हैं लेकिन मैं मानता हूँ कि आधुनिक भारत में जब आजादी के बाद किसी व्यक्ति ने इस चीज को समझा, इसकी महत्ता को समझा तो वह हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने समझा और उनके कालखंड में जो सोच थी कि भारत कैसे विकास करे, राज्य का कैसे विकास हो, उन्होंने इसको जमीन पर उतारने का काम किया और जिसके बहुत बड़े उदाहरण स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, इस्ट-वेस्ट कोरिडॉर, नॉर्थ-साउथ कोरिडॉर, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जिसकी चर्चा माननीय हमारे नेता कर रहे थे । रघुवंश बाबू के प्रति भी हम सब लोग सम्मान रखते हैं लेकिन सच्चाई में इन सड़कों का जो जाल बिछना शुरू हुआ, वह अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय में शुरू हुआ और उन्होंने उस कालखंड में जो काम शुरू किया, उसका सबसे अधिक किसी ने अगर अनुकरण किया तो इस राज्य के

मुख्यमंत्री हमारे लोकप्रिय नेता आदरणीय नीतीश कुमार जी ने किया । माननीय नीतीश कुमार जी को जब मौका मिला, इस बिहार की जनता ने उनको आशीर्वाद प्रदान किया तो उनको लगा कि अगर बिहार के विकास को हमको गति देनी है तो जबतक सड़कों का जाल नहीं बिछेगा, सड़कों की सुविधा जनता को नहीं मिलेगी तो न यहाँ पर लॉ एण्ड ऑर्डर की स्थिति ठीक हो पायेगी, न विकास की गाथा हम लिख पायेंगे । मेरा मानना है कि माननीय हमारे पूर्व के मंत्री श्री नन्द किशोर यादव जी ने उनके उस काम को बखूबी निभाया और बिहार के उस खस्ताहाल सड़कों के हाल को निश्चित रूप से आगे बढ़ाने में जो उन्होंने भूमिका निभाई है, मैं आज पूरे सदन के माध्यम से उनका भी आभार व्यक्त करता हूँ । साथ-ही-साथ, मैं इस विभाग के कर्मचारियों का, अधिकारियों का, अभियंताओं का भी आभार व्यक्त करता हूँ जो कि पिछले 15 सालों के सफर में उनलोगों ने मेहनत किया है और मेहनत का परिचायक है कि जो माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच थी कि हम 6 घंटे में बिहार के किसी कोने से पटना पहुँच सकेंगे, राजधानी पहुँच सकेंगे, आज माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच के अनुरूप हमलोग उसको 5 घंटे में करने में लगे हैं । मुझे लगता है कि आज जिस प्रकार से बिहार के रिमोट इलाके से भी लोग पटना राजधानी 5 घंटे में पहुँच रहे हैं तो इसकी पूरी जो सोच है, वह माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच पर हमलोग काम कर रहे हैं । माननीय मुख्यमंत्री जी ने जब यह सोच रखी और उस विभाग ने इसकी समीक्षा की तो हमलोगों ने कुछ सिस्टम डेवलप करने का सोचा । माननीयों ने जो उस विभाग में काम किया, पूर्व के सारे मंत्रियों ने जो इसको सोचा कि सड़कों से हम किस प्रकार से 5 घंटे में यहाँ आ सकते हैं तो कुछ हमलोगों ने यार्डस्टिक तय किये । उसमें सबसे पहले सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का विषय आया । हमारे नेता प्रतिपक्ष अभी कह रहे थे कि किस प्रकार से आपको बताना चाहिए कि कितना एस0एच0 बना, कितना एन0एच0 बना, खाली मैं आपको इस चीज की जानकारी देना चाहूँगा कि 2015 से 2021 के बीच में 57704 करोड़ का बजट केवल बिहार सरकार ने उपबंध किया सड़कों के जाल को बिछाने के लिए । इसके बारे में जानकारी थोड़ी माननीय सभी सदस्यों को होनी चाहिए कि 2005 में कुल 759 कि0मी0 राष्ट्रीय उच्च पथ था ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, जब जानकारी दे ही रहे हैं तो 2015 के 18 महीने के बाद का दीजिए । वह हमारा एलौट किया हुआ है ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : नेता प्रतिपक्ष जी, उस समय भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ही थे और आज भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ही हैं । यह उनके नेतृत्व का परिणाम है । आपके कालखंड में क्या हुआ था, वह हम सब कोई जानते हैं ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, तुलना हमसे की जा रही है ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : मैं बता रहा हूँ, कोई आपसे तुलना नहीं है । हमारी तुलना हमारे पुराने कामों से है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : बाकी विभाग के मंत्रियों का क्या काम है ?

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अभी बोलने दीजिए ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : नेता प्रतिपक्ष सवाल का जवाब चाह रहे हैं, एक-एक सवाल का जवाब दिया जायेगा । (व्यवधान) हम बता रहे हैं । 18 महीने में वैशाली और छपरा को छोड़कर इन्होंने कहीं सड़क बनाने की योजना नहीं पास किया । सबसे अधिक पैसा केवल वैशाली और छपरा में दिया । यह दुर्भाग्य है कि नेता बने थे बिहार के, पथ निर्माण मंत्री बने तो बिहार के लेकिन वैशाली और छपरा को छोड़कर ये बाहर नहीं जाते हैं।

2005 में जो 759 कि0मी0 राष्ट्रीय उच्च पथ की सड़कें थीं तो वर्ष 2021 में घटकर 582 कि0मी है और वर्ष 2005 में 888 कि0मी0 की सड़कें इन्टरमीडिएट लेन की थीं जो घटकर 559 कि0मी0 बचा है । वहीं 2005 में 1208 कि0मी0 सड़कें 2-लेन की थीं, जो 759 कि0मी0 4-लेन की थीं, जो बढ़कर 2109 कि0मी0 और 2205 कि0मी0 हो गई हैं, अध्यक्ष महोदय । यह दिख रहा है कि नेशनल हाईवे में किस प्रकार से हमारी सरकार ने काम किया है । जिस राज्य उच्च पथ की चर्चा कर रहे थे ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : नेशनल हाईवे को...

अध्यक्ष : पहले उनकी पूरी बात को आप सुन लें नेता प्रतिपक्ष ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : नेता प्रतिपक्ष, आपकी बातों को हमने धैर्य से सुना है ।

अध्यक्ष : मंत्री जी पहली बार बोल रहे हैं तो आप पूरी बात को सुनें ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, हमारा यह भी फर्ज है कि अगर कोई गलत जानकारी दे रहे हों तो उनको हम करेक्ट करें । हमारा फर्ज है । आप यह बताइये, आप अपने काम को बताइये ।

अध्यक्ष : अभी तो ये प्रारंभ किये हैं ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : मैं आपके काम को भी बता रहा हूँ ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइये । आप बोलिये ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : मुझे लगता है कि नेता प्रतिपक्ष में धैर्य की कमी है और यदि धैर्य रखेंगे तो उनकी हर बात का जवाब दिया जायेगा । नेता प्रतिपक्ष की हर बात का जवाब दिया जायेगा, केवल धैर्य से सुनें ।

अध्यक्ष : धैर्य से सुनिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : तबतक तो समय निकल जायेगा ।

अध्यक्ष : अभी बहुत समय है ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : आपकी सारी बातों का जवाब हम देंगे । (व्यवधान) इन्होंने ही विषय को उठाया है इसलिए बता रहा हूँ । एन0एच0 और एस0एच0 में कितना परिवर्तन आया है, यह मैं आपको खाली बता रहा हूँ कि वर्ष 2005 में मात्र 51 कि0मी0 सड़कें 2-लेन की थीं जबकि आज वह बढ़कर 2514 कि0मी0 हो गई हैं । 2-लेन से 4-लेन की सड़कें तो थी ही नहीं, वह 355 कि0मी0 4-लेन की सड़कें एस0एच0 में हैं । यह जानकारी केवल नेता प्रतिपक्ष के लिए थी ।

इसके बाद हमने कहा कि हमलोग इन सड़कों के सुदृढ़ीकरण का काम कर रहे हैं । साथ-ही-साथ, नदियों पर पुलों का निर्माण, कई हमारे माननीय सदस्यों ने चर्चा की। मुझे लगता है कि आज चाहे गंगा नदी हो, कोसी हो, गंडक हो, सोन हो, बागमती हो, क्यूल हो, चानन हो, पुनपुन हो, फल्गु हो, महानदी हो, महानंदा हो, ऐसे सभी नदियों पर आज पुलों का निर्माण किया गया । 21 मेगाब्रीज का निर्माण हमारी सरकार ने किया है । करीब 1171 जो 60 मीटर के ब्रीज होते हैं उनका निर्माण हुआ । साथ-ही-साथ, जो अभी हमलोगों के माननीय सदस्य बता रहे थे, जिस छपरा से आते हैं उसी छपरा से पटना आने में मात्र 10 लेन के पुल की क्षमता थी जो हमारी सरकार ने आज 62 लेन की पुल की क्षमता को बढ़ाया है केवल गंगा नदी पर । इसको दूसरे पैमाने पर हमलोगों ने रखा कि सघन बसावट वाले जो क्षेत्र हैं, वहाँ पर एलिवेटेड संरचनाओं की बात । माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच थी कि हम सड़कों से, हाईवे से तो निकलकर आते हैं लेकिन शहर से जब गुजरते हैं तो कहीं न कहीं वह बसावट हमलोगों का समय ज्यादा ले लेता है, तो उसको भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने दूर करने के लिए सबसे पहले राजधानी के साथ-साथ कई एलिवेटेड सड़कों के निर्माण की योजना पर काम शुरू किया । सच्चाई है कि पटना सहित प्रमुख शहरों में, आज बड़े पैमाने पर राजधानी में एलिवेटेड सड़कों का निर्माण हुआ चाहे वह एम्स का हो, चाहे अन्य पटना शहर के अन्दर । साथ-ही-साथ, जिसकी चर्चा माननीय सदस्य कर रहे थे, छपरा शहर में भी डबल-डेकर फ्लाईओवर माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच के अनुरूप बन रहा है । किशनगंज शहर में एलिवेटेड रोड, इसका भी काम इसी वित्तीय वर्ष पूर्ण होने वाला है । इसी को चरणबद्ध तरीके से भी हमलोग लेने जा रहे हैं और गोपालगंज, बेगुसराय, ताजपुर, मुसरी धरारी, दलसिंहसराय, बिहारशरीफ और हरनौत में भी हमलोग इस एलिवेटेड संरचना पर काम करने जा रहे हैं। पटना शहर में मीठापुर से महुली 8 कि0मी0 की जो सड़क है, माननीय मुख्यमंत्री जी ने पिछले ही वर्ष उसका शिलान्यास किया और एक योजना से भी हमलोग बहुत बड़े पैमाने पर पटना से बाहर निकलने वाली आबादी है और अंदर आने वाली जो आबादी है, दोनों

को लाभ मिलने वाला है । इसके बाद इसकी क्रम में रेलवे उपरी पुल की बात जो माननीय नेता प्रतिपक्ष कर रहे थे, मैं उसके बारे में भी बताना चाहता हूँ कि 2005 से जिसकी चर्चा वे कर रहे थे कि आया, तो 2000 से 2015 के बीच में 34 आर0ओ0बी0 बना । ...क्रमशः...

टर्न-25/आजाद/10.03.2021

..... क्रमशः .....

श्री नितिन नवीन, मंत्री : और 14 नये आर0ओ0बी0 का निर्माण कार्य चल रहे हैं । माननीय मुख्यमंत्री थे जिन्होंने इसकी परिकल्पना की । विभाग के मंत्री हम भी हो सकते हैं, कोई और भी हो सकता है लेकिन उस पूरी परिकल्पना को बिहार सरकार का विभाग पुल निर्माण निगम, बी0एस0बी0सी0सी0 मिलकर करीब 53 आर0ओ0बी0 का निर्माण हमलोग इसी वर्ष करने जा रहे हैं ...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : हम यही तो बोल रहे हैं, 2010 में भी नीतीश जी ही मुख्यमंत्री थे और 2010 से 2015 तक यह क्यों फंसा रहा ?

अध्यक्ष : आप पूरी बात को सुनें । अब बैठिए । आप बोलिए ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, इसी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए जहां एलीवेटेड सड़कों का निर्माण की उम्मीद की गई....

अध्यक्ष : आपलोग शांति बनाये रखिए ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : वही दूसरी ओर रेलवे पर आर0ओ0बी0 का निर्माण का भी माननीय मुख्यमंत्री जी का जो परिकल्पना है उसको हमलोग बहुत तेजी से आगे बढ़ा पायेंगे। इन आर0ओ0बी0 के माध्यम से जो 53 आर0ओ0बी0 बनने जा रहा है, इससे बहुत बड़ा लाभ आबादी को हमलोग 5 घंटा में पटना पहुँचने का सपना पूरा होने वाला है, उसमें तीन आर0ओ0बी0 निश्चित रूप से मील का पत्थर साबित होगा ।

इसी प्रकार से बाईपासों के लिए अलग से आवश्यकता हुई कि इसको कैसे हमलोग अल्टरनेट शहर से, बाहर से इसको कैसे निकाल पाये । इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने सुलभ सम्पर्कता घटक के रूप में बाईपासों के निर्माण का एक लक्ष्य रखा । हमलोगों ने सभी जिलों से इसपर एक रिपोर्ट मंगायी है और अभी हमलोग 120 से अधिक स्थानों को चिन्हित किया है जिसपर अगले वित्तीय वर्ष से काम हमलोग शुरू करने जा रहे हैं । इसके बाद वैकल्पिक ग्रीनफिल्ड पथों का निर्माण करने का निर्णय विभाग की ओर से लिया गया है । आवागमन को सुगम करने के लिए यह एक बहुत बड़ा नया स्वरूप में माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर और विभाग ने इसपर मेहनत किया

और काम किया और इसीलिए एक दशक पहले, सबसे पहले बिहटा-सरमेरा ग्रीनफिल्ड की परिकल्पना की थी । उस परिकल्पना पर काम चल रहा है और इससे दक्षिण बिहार को व्यापक सुगमता मिलने जा रही है । अध्यक्ष महोदय, साथ ही साथ इसी परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए अभी राज्य सरकार के अनुरोध पर भारत सरकार ने हाल ही में एन0एच0 119डी जी0टी0 रोड आमस से कच्ची दरगाह होते हुए दरभंगा एरयरपोर्ट को जोड़ेगा। यह रोड भी निश्चित रूप से ग्रीनफिल्ड का जो वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है, इसके लिए बहुत बड़ा काम होगा । पहली बार हम कह सकते हैं कि उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार को जोड़ने के लिए एक बहुत बड़ा सिक्स लेन पथ साबित होगा । मुँगेर से भागलपुर होते हुए मिर्जा चौकी ....

अध्यक्ष : यह अंतिम जानकारी है । एक मिनट, इनकी यह अंतिम जानकारी है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, जानकारी हम खतम करना चाहते हैं । इसी सदन में जब हम पथ निर्माण मंत्री थे तो हमने घोषणा की थी कि डेडीकेटेड एयरपोर्ट एक्सप्रेसवे बनायेंगे । नया बिहटा में जो एयरपोर्ट बन रहा है, हमलोगों के ही केबीनेट में वह सैंक्शन हुआ था जमीन वगैरह एलॉट किये थे, बाद में यहां स्टेट हैंगर का एयरपोर्ट दिये थे । लेकिन मेन एयरपोर्ट जो है, वह बिहटा में बनेगा तो हमलोग चाहते थे, हमलोगों का सोच था कि भाई जो आप दिल्ली में जाते हैं, डेडीकेटेड एक्सप्रेसवे होता है एयरपोर्ट के लिए, बंगलोर जाइए, मुम्बई जाइए, उस एयरपोर्ट एक्सप्रेसवे को आपलोगों ने कहां लटका दिया, जरा इसपर भी जानकारी दीजिए ।

अध्यक्ष : अब बैग वगैरह ठीक कर लिये हैं मेहता जी, धैर्य से सुनियेगा ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : महोदय, उनकी जानकारी की दृष्टि से वैकल्पिक ग्रीनफिल्ड के लिए मुँगेर से भागलपुर होते हुए मिर्जा चौकी तक भी नये 124 कि0मी0 के लम्बे फॉरलेन की स्वीकृति प्रदान की गई है और इसका भी भू-अर्जन का काम चल रहा है । सासाराम से आरा होते हुए पटना तक नये ग्रीनफिल्ड की भी परिकल्पना की जा रही है, जो हमारे माननीय सदस्य कह रहे थे, उसके लिए भी अलग से परिकल्पना की जा रही है, आने वाले वर्षों में हमलोग उसपर भी काम करने जा रहे हैं । जिस ओ0पी0आर0एम0सी0 की सघन सड़कों की मेनटेनेन्स की बात कर रहे थे, माननीय मुख्यमंत्री जी ने जब सड़कों का निर्माण शुरू करवाया, हमारे पूर्व के मंत्री जी ने जब सड़कों का निर्माण शुरू कराया तो लगा कि कहीं न कहीं इन सड़कों का मेनटेनेन्स भी होना चाहिए और यह सोच कि हम केवल बनायेंगे नहीं, हम उसको व्यवस्थित भी रखेंगे यह हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी की जो सोच है, उसकी परिकल्पना का नतीजा है ओ0पी0आर0एम0सी0 का । फर्स्ट फेज में जहां हमलोग 9000 किलोमीटर पथों का मेनटेनेन्स कर रहे थे, वही द्वितीय चरण में 2019

से 2026 तक के बीच में हमलोग 13000 कि0मी0 से अधिक लम्बाई के पथों का सतत् संधारण किया जायेगा ।

महोदय, सभी माननीय सदस्य इसपर कुछ बात कह रहे थे, मैं उन सभी को जानकारी देना चाहूँगा कि राज्य सरकार ने सड़कों का सतत् संधारण को बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत शामिल कर लिया है और अब जब भी कोई कमप्लेन आयेगा तो निश्चित रूप से इसके एकाउंटबिलिटी को हमलोग पूरी तरह से चेक करेंगे । साथ ही साथ जहां एक ओर सड़कों के निर्माण की चिन्ता की गई, पुलों के निर्माण की चिन्ता की गई, सड़कों के मेनटेनेन्स की चिन्ता की गई, आने वाले वित्तीय वर्ष में माननीय मुख्यमंत्री जी ने जिस ओर सभी विभागों को इशारा किया था, विभाग ने उसपर पूरी तैयारी कर लिया है और आने वाले वर्षों में हम राज्य के पुलों को सतत् संधारण उद्देश्य को दीर्घकालीन पुल संधारण नीति बनाने की कार्रवाई करने जा रहे हैं जो आने वाले वर्षों में इस परिकल्पना को हमलोग जमीन पर उतारेंगे । यानी जो पुलों को लेकर था कि मेनटेनेन्स नहीं होती है, उसमें चाहे लाईटिंग की व्यवस्था की बात हो, चाहे उसके पुल के नीचे के अतिक्रमण को दूर रखना हो, इन सब पूरी चीजों पर जो पुल मेनटेनेन्स नीति आयेगी उसमें इसका जिक्र रहेगा और आने वाले वित्तीय वर्ष में हम इस पॉलिसी के माध्यम से पथों के साथ-साथ पुलों के मेनटेनेन्स का काम विभाग अपने जिम्मे लेने जा रहा है । जहां तक सड़क सुरक्षा की बात है ....

श्री महबूब आलम : अध्यक्ष महोदय, ...

अध्यक्ष : महबूब जी, अभी समय है । माननीय मंत्री जी, आप अपनी बात को रखें, समय कम है । अभी महबूब जी, बैठ जाइए ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जहां सड़कों की सुरक्षा की बात आयी, हम आपको जानकारी देना चाहेंगे कि 156 स्थानों को ब्लैक स्पॉट के रूप में हमलोगों ने चिन्हित किया, पूरी तरह से उसके चौड़ाई को देखते हुए उसमें स्पेशल काम किया गया और ब्लैक स्पॉट चिन्हित करके उसको दूर किया है और 156 ब्लैक स्पॉट पर कोई दुर्घटना नहीं हो, कोई मुवमेंट में दिक्कत नहीं आये, इसकी चिन्ता की गई है। यह माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच थी और आज बहुत अच्छा लगता है कि सभी माननीय सदस्य जल-जीवन-हरियाली की चिन्ता करते हैं, पहले केवल ये लोग चारा की चिन्ता करते थे, अब जल-जीवन-हरियाली की चिन्ता करते हैं ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, करीब 4500 कि0मी0 पथांशों को विशेष रूप से माननीय मुख्यमंत्री जी के सोच के अनुरूप हमलोगों ने वृक्षारोपण के लिए चुना है और इन 4500 कि0मी0 में विस्तृत रूप से वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलाया जायेगा । इसके बाद माननीय मुख्यमंत्री .....

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, ...

अध्यक्ष : नेता प्रतिपक्ष हैं, अभी आप बैठ जाइए ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो परिकल्पना की थी, विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप सड़कों एवं पुलों के निर्माण में नवीनतम तकनीक, अभियंताओं को अत्याधुनिक तकनीकी ज्ञान से अवगत कराया जाय । यह बहुत बड़ी परिकल्पना है कि आज राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मानक के अनुरूप सड़के बननी हैं तो उसके लिए उसके बारे में पूरी जानकारी, उसकी ट्रैनिंग हमारे यहां भी हो । माननीय मुख्यमंत्री जी के इस निर्देश पर.

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कितनी शांति से हो रहा था, आप अशांति क्यों करने में लगे हैं ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : सेंट्रल रोड रिसर्च इन्स्टीच्यूट, नई दिल्ली के तर्ज पर बिहार रोड रिसर्च इन्स्टीच्यूट को सेंटर ऑफ एक्सेलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है.....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : सोमवार को बैठेंगे ही ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : और इसको अगले वित्तीय वर्ष में शुरू किया जा रहा है, इसकी पूरी जानकारी हम सदन को दे रहे हैं । नेता प्रतिपक्ष जो जानकारी दे रहे थे....

(व्यवधान)

श्री नितिन नवीन, मंत्री : हम कुछ घोषणायें करना चाह रहे हैं .....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : दोनों तरफ का कंपिटीशन है ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण वेल में आ गये)

श्री नितिन नवीन, मंत्री : महोदय, अभी ये डबल इंजन सरकार की बात कह रहे थे, माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर लगातार बिहार में डबल इंजन की सरकार ने जो काम किया है, उसको मैं बताना चाहता हूँ । माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 9 प्रमुख योजनाओं की आधारशिला रखी जो 14000 करोड़ की योजना है । माननीय नेता तेजस्वी जी अगर सुनना चाहेंगे कि डबल इंजन सरकार रहने से क्या फायदा हुआ तो मैं उनको सुनाना चाहूँगा .....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : नेता प्रतिपक्ष खड़े हैं तो आप लोग बैठियेगा, तब न ये कुछ बोलेंगे ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : गंगा नदी पर गॉधी सेतु के समानांतर नया पुल, विक्रमशिला सेतु.....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आपको भी ये लोग सुनना नहीं चाहते हैं ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : कोशी नदी पर कुलौता घाट पर शामिल किया गया और आरा–मोहनिया चार लेन, रजौली–बख्तियारपुर चार लेन पथ, नारायणपुर–पूर्णिया चार लेन और पटना रिंग रोड 6 लेन ये सभी पुलों का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री जी ने किया । मैं भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी को भी विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहूँगा कि उन्होंने केवल प्रधानमंत्री पैकेज का जो 54 हजार करोड़ था .....

टर्न–26/शंभु/10.03.21

(व्यवधान)

अध्यक्ष : एक मिनट माननीय मंत्री जी । शांति रखिये । माननीय सदस्यगण, नेता प्रतिपक्ष भी बैठे थे और आज दूसरी पाली जब शुरू हुई तो आपलोगों ने कहा कि दलीय नेताओं की बैठक रखिये । आसन ने दलीय नेताओं की बैठक सोमवार को रख दी, उस विषय पर बात करेंगे फिर इस तरह से अव्यवस्था क्यों ? बोलिये माननीय मंत्री जी ।

(व्यवधान)

श्री नितिन नवीन, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष सदन में गलत जानकारी देते हैं । अभी उन्होंने कहा कि सी0आर0एफ0 के तहत 1 हजार करोड़ रूपया आया है जबकि इसी वित्तीय वर्ष में सबसे अधिक 500 करोड़ रूपया आया । उसके पहले हमेशा सी0आर0एफ0 में ढाई सौ करोड़ रूपया ही आया था । उन्होंने जो कहा बिहार रोड मास्टर प्लान के बारे में हमलोग उसपर काम करने जा रहे हैं और उसपर भी लगातार 534 प्रखंडों में से 350 प्रखंड को दो लेन कर दिया गया है और शेष 184 पर काम चल रहा है । डबल इंजन सरकार की बात कर रहे थे तो आज सदन से केन्द्रीय मंत्री नीतिन गडकरी जी को विशेष धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने प्रधानमंत्री पैकेज के अतिरिक्त करीब 62 हजार करोड़ की योजना बिहार को दी जिसमें 1400 करोड़ से आरा मोहनिया पथ, 2000 करोड़ से अररिया गलगलिया पथ और लगभग 500 करोड़ की लागत से बहादुरगंज किशनगंज पथ और लगभग 3300 करोड़ की लागत से रजौली बख्तियारपुर चार लेन का काम शुरू किया गया है । इसके बाद माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच के अनुरूप पटना एम्स दीघा एलीवेटेड रोड का निर्माण कार्य परियोजना पिछले वर्ष समाप्त हुआ और माननीय मुख्यमंत्री जी को दुबारा जनादेश मिला तो 30 नवम्बर, 2020 को इसका लोकार्पण हुआ । जो केन्द्रीय मंत्री नीतिन गडकरी जी और बिहार सरकार का जो डबल इंजन का इफेक्ट था वह आज पटना की सड़कों पर दिख रहा है अटल पथ के रूप में, आज पटना की सड़कें लोगों के लिए दर्शन का केन्द्र बना हुआ है और 10 लाख से अधिक सोशल मीडिया पर

लोगों ने देखा है, यह परिचायक है । साथ ही साथ गंडक नदी पर भी सत्तरघाट और बगरा घाट के महत्वपूर्ण पुलों का उद्घाटन और लोकार्पण किया गया । साथ ही साथ माननीय नेता हमारे कह रहे थे आर0ब्लॉक जी0पी0ओ0 हाइवे को जोड़ने वाला पुल भी इसी वर्ष हमलोग होली के पूर्व इसका कार्य आरंभ कर देंगे और जनता को समर्पित कर दिया जायेगा ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अपने स्थान पर जाकर बैठें । नेता प्रतिपक्ष, जब तक ये लोग अपना स्थान ग्रहण नहीं करेंगे तो आप कैसे बोलेंगे ? आपलोग नेता प्रतिपक्ष के सम्मान में जाकर अपनी सीट पर बैठिए । तब ये बोलेंगे । माननीय मंत्री बोल रहे हैं आपलोग अपनी सीट पर जाकर बैठें ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, अब कुछ घोषणाएं अगले वित्तीय वर्ष....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अपने स्थान पर जाकर बैठें ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : महोदय, संजय सरावगी जी ने जो सवाल उठाया था जो नगर विकास विभाग के यहां आयी है उन सड़कों के निर्माण का काम जो विस्तृत रिपोर्ट है उसका रास्ता निकालेंगे । वर्ष 2021 के लिए 5 राज उच्च पथों को 10 मीटर चौड़ीकरण हेतु उनका लोकार्पण किया जायेगा । इसमें राज उच्च पथ 58 उदाकिशनगंज भटगामा पथ, राज उच्च पथ 82 कादिरगंज खैरा पथ, एस0एच0 85 अकबर नगर अमरपुर पथ, बिहिया जगदीशपुर पथ, घोघा पंजवारा पथ ।

अध्यक्ष : अब संक्षिप्त करें ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : साथ ही साथ राष्ट्रीय उच्च पथ 82 गया राजगीर बिहारशरीफ फोरलेन का चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है । कारगिल चौक से पी0एम0सी0एच0 होते हुए साइन्स कॉलेज तक डबल डेकर फ्लाइ ओवर का काम प्रारंभ किया जायेगा । अगले वित्तीय वर्ष में कुछ एस0एच0 के निर्माण का काम है । वह एस0एच0 95 मानसी फनगो हॉल्ट पथ, 95 फनगो हॉल्ट सिमरी बख्तियारपुर, एस0एच0 98 कटिहार बलरामपुर पथ, एस0एच0 99 बायसी बहादुरगंज, एस0एच0 101, 103 और 105 इन सभी एस0एच0 में करीब 280 कि0मी0 की सड़कों का निर्माण अलगे वित्तीय वर्ष में 2680 करोड़ की लागत से किया जायेगा । साथ ही साथ गंगा नदी के गोपालगंज, मीरगंज, सिवान, छपरा, आरा, पूर्णियां, मधेपुरा, सहरसा एवं सीतामढ़ी में बायपास के अल्टरनेट सुलभ संपर्कता के तहत लिया जा रहा है । 04 आर0ओ0बी0 का काम अगले वित्तीय वर्ष शुरू होना है उसमें 19बी0 इस्लामपुर रफीगंज के बीच में आर0ओ0बी0 का निर्माण....

अध्यक्ष : संक्षिप्त कर लें मंत्री जी ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : 11सी0 गुरारू इस्लामपुर के बीच आर0ओ0बी0 का निर्माण, 39सी0 करबंदिया मुगलसराय के बीच आर0ओ0बी0 का निर्माण, 56सी0 पुसौली मुथानी के बीच आर0ओ0बी0 का निर्माण । अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात एक लाइन कहकर समाप्त करूँगा

अध्यक्ष : नेता प्रतिपक्ष, सुन लीजिए ।

श्री नितिन नवीन, मंत्री : राष्ट्रकवि दिनकर जी की पंक्ति माननीय नरेन्द्र मोदी जी और माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को समर्पित करता हूँ कि- सच है विपत्ति जब आती है कायर को ही दहलाती है, शूर्मा नहीं विचलित होते क्षण एक नहीं धीरज खोते, विघ्नों को गले लगाते हैं कांटों में राह बनाते हैं, मुंह से न कभी उफ कहते हैं, संकट का चरण न गहते हैं, जो आ पड़ता सब सहते हैं, उद्योग निरत नित रहते हैं । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष महोदय, मैं वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए अनुदान मांग सं0-41 के अधीन पथ निर्माण विभाग का 58 अरब 3 करोड़ 60 लाख 49 हजार रूपये के अनुदान मांग की स्वीकृति हेतु सदन के समक्ष प्रस्तुत करता हूँ । जयहिन्द, जय बिहार ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि :

''क्या माननीय सदस्य श्री विजय शंकर दूबे, अपना कटौती प्रस्ताव वापस लेना चाहते हैं ?''

नहीं लेना चाहते हैं ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि :

''इस शीर्षक की मांग 10/-रू0 से घटायी जाय ।''

यह प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।

अब मैं मूल प्रस्ताव लेता हूँ ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि :

''पथ निर्माण विभाग के संबंध में 31 मार्च, 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान जो व्यय होगा उसकी पूर्ति के लिए 58,03,60,49,000/- (अठ्ठावन अरब तीन करोड़ साठ लाख उनचास हजार) रूपये से अनधिक राशि प्रदान की जाय ।''

यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

मांग स्वीकृत हुई ।

माननीय सदस्यगण, अब बैठ जाइये । आज दिनांक 10 मार्च, 2021 के लिए स्वीकृत निवेदनों की कुल संख्या 52 है, अगर सदन की सहमति हो तो इन्हें संबंधित विभागों को भेज दिया जाय ।

(सदन की सहमति हुई)

अब सभा की बैठक शनिवार, दिनांक 13 मार्च, 2021 को 11 बजे पूर्वा0 तक के लिए स्थगित की जाती है ।

.....